रांची, शनिवार 29.06.2024 * * नगर संस्करण । पेज : 12 आषाढ़, कृष्ण पक्ष, अष्टमी, संवत् 2081 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 11 । अंक : 345

सुप्रभात

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित

सबकी बात सबके साथ

बरबाडोस के केंसिंग्टन ओवल स्टेडियम में आज भारत व द. अफ्रीका में खिताबी भिड़ंत। दोनों टीमें टी20 विश्व कप में 6 बार भिड़ी हैं, चार बार भारत विजयी।

जेल से निकले हेमंत, मां ने उतारी आरती

हाईकोर्ट से मिली बेल पर समर्थकों में उत्साह, इडी जायेगी सुप्रीम कोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कथित जमीन घोटाला और मनी लांड्रिंग के मामले में हाइकोर्ट ने पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को शुक्रवार जमानत दे दी। 50-50 हजार के दो मुचलके जमानत मिलने के बाद शाम करीब चार बजे वह जेल से बाहर निकले। हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन, भाई बसंत सोरेन समेत पार्टी के अन्य नेता कार्यकर्ता ने जेल से निकलते ही उनका स्वागत किया। हेमंत ने हाथ हिलाकर कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। जेल परिसर से वह सीधे पिता शिबू सोरेन के घर पर पहुंचे। मां रूपी सोरेन ने आरती उतार कर बेटे का स्वागत किया। यह भावुक करने वाला पल था। इसके बाद हेमंत सोरेन ने पिता दिशोम गुरु शिबू सोरेन से आशार्वाद लिया लिया और उनकी तबियत के बारे में जानकारी ली। जेल से निकलते ही हेमंत ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। साथ ही कहा, उन्हें गलत ढंग से फंसाया गया था। उधर इडी ने इस मामले में् अब सुप्रीम कोर्ट जाने की बात कही है। वहीं जमानत पर इंडिया गठबंधन कहा, यह सत्य की जीत और तानाशाही की हार है। जबकि भाजपा ने कहा, बेल मिली है, बरी नहीं हुए हैं।

हेमंत को बड़ी राहत

शुक्रवार को हाइकोर्ट से पूर्व सीएम को बड़ी राहत मिली। इससे पहले गुरुवार 13 जून की सुनवाई के दौरान इडी और बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी होने पर कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। (शेष पेज 11 पर)

विपक्ष की आवाज दबाने की साजिश : हेमंत

हाइकोर्ट से जमानत मिलने के बाद हेमंत सोरेन जेल से बाहर निकले। माता-पिता से आशीर्वाद लेने के बाद वह मीडिया के सामने आये। उन्होंने एक तरफ अदालत को धन्यवाद दिया तो दूसरी तरफ केंद्र सरकार पर निशाना साधा। हेमंत ने कहा कहा, मैं पांच महीने के बाद जेल से आया हूं। इन पांच महीनों का जो वक्त था इस राज्य के लिए, हमारे झारखंडी भाइयों के लिए, यहां के मूल निवासी आदिवासियों के लिए चिंतनीय महीने रहे हैं। पूरे देश को पता है कि मैं किसलिए जेल गया और आखिरकार न्यायालय ने अपना न्याय सुनाया है। उसी के तहत आज मैं बाहर हूं। सोरेन ने कहा कि केंद्र की बात नहीं मानने पर राजनेता, समाजसेवी, पत्रकार गिरफ्तार किये जा रहे हैं। इन लोगों की आवाज बड़ी ही सुनियोजित तरीके से दबाने की कोशिश की जा रही है। ये किसी से छुपा नहीं है। इसको लेकर उन्हें चिंता होती है।

झूठे केस में 5 माह जेल में रखा : पूर्व सीएम ने कहा कि उन्हें झूठे केस में पांच महीने जेल में रखा गया। उन्होंने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल का भी जिक्र किया और कहा कि सरकार के खिलाफ आवाज को कुचला जा रहा है। उन्होंने कहा, न्याय पाने में जो वक्त लगता है... बड़े सुनियोजित तरीके से लोगों के मुसीबत खड़ी की जाती है। यह संदेश सिर्फ राज्य नहीं पूरे देश के लिए है कि किस तरह हमारे खिलाफ साजिश रची गयी है। इस तरह आप देखते हैं कि देश के अलग-अलग हिस्सों में कहीं पत्रकार, कहीं सरकार के खिलाफ आवाज उठाने वाले लोग, उनके आवाज को कुचलने का काम किया जा रहा है। मंत्री रहते हुए लोगों को जेल में डाल दिया जा रहा है। (शेष पेज 11 पर)

नक्सली हिंसा में मौत पर अधिक मुआवजा, कर्मियों का महंगाई भत्ता बढ़ा

200 यूनिट फ्री बिजली समेत 38 प्रस्तावों पर मुहर

चंपई कैबिनेट ने खोला खजाना

- मुठभेड़ में शहीद जवानों के परिजनों को मिलेगा अब 60 लाख
- आमलोगों की मौत पर भी अब अधिक मुआवजा राशि
- शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए फेलोशिप
- बीआरपी-सीआरपी के संविदाकर्मियों का मानदेय बढ़ा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट की बैठक में घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट बिजली फ्री, राज्यकर्मियों के महंगाई भत्ते में वृद्धि, उग्रवादी हिंसा में शहीद पुलिसकर्मियों व केंद्रीय सेवा के पुलिसकर्मियों को विशेष मुआवजा समेत 38 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गयी। झारखंड में छठा वेतनमान पा रहे पुनरीक्षित कर्मचारियों को बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता देने की स्वीकृति दी गयी। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली के स्थान पर अब 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने की स्वीकृति दी गयी। लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा हजारीबाग परिसर में हाई सिक्योरिटी जेल निर्माण के लिए 97 करोड़ 73 लाख की स्वीकृति दी गयी।

200 यूनिट फ्री बिजली से 40 लाख लाभान्वित : झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड के घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट बिजली के स्थान पर अब 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने की स्वीकृति दी गयी। इसका लाभ 35 से 40 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगा। वहीं सरकार पर अतिरिक्त प्रतिमाह 21.7 करोड रुपये अतिरिक्त वित्तीय बोझ आयेगा।

जवानों को विशेष मुआबजा : कैबिनेट ने ड्यूटी के दौरान उग्रवादी हिंसा में शहीद हुए पुलिसकर्मियों व केंद्रीय सेवा के जवानों को विशेष मुआवजा देने का फैसला किया। मुठभेड़ के दौरान मौत होने पर 60 लाख रुपये, जख्मी होने पर इलाज का संपूर्ण खर्च दिया जायेगा। शहीद के बच्चों की पढ़ाई के लिए 5 लाख रुपये, शव को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिये 50000 दिये जायेंगे। वहीं, रोड एक्सीडेंट में मृत्यु होने पर 35 लाख, बच्चे की पढ़ाई का सारा खर्च दिया जायेगा। सांप काटने या मलेरिया से मौत पर 35 लाख रुपये तक दिये जायेंगे। (शेष पेज 11 पर)

हरमू फ्लाईओवर को मंजूरी

कैबिनेट में हरमू फ्लाईओवर की मंजूरी दी गयी। लगभग 430.75 करोड़ की लागत आयेगी। 3.30 किलोमीटर लंबा फोरलेन फ्लाई ओवर सहजानंद चौक से शुरू होकर रातू रोड होते हुये कांके रोड के एसीबी कार्यालय तक बनेगा। देवघर में अंतरराज्जीय बस टर्मिनल के लिए 60 करोड़ स्वीकृत किये गये। लोकसभा चुनाव ड्यूटी के लिए प्रतिनियुक्त सुरक्षा बलों को प्रतिपूर्ति के भुगतान की मंजूरी। केंद्रीय कारा हजारीबाग में हाई सिक्योरिटी जेल निर्माण के लिये 97 करोड़ दिये गये। झारखंड सहायक कारा पाल संवर्ग नियमावली 2024 गठित किया गया। इसके तहत पहले शारीरिक दक्षता परीक्षा होगी और बाद में लिखित परीक्षा होगी। न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता स्नातक रखी गई है।

पलामू सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत

मेदिनीनगर। रामगढ़ थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में पति-पत्नी की मौत हो गयी। मृतक दंपति गढ़वा के रमकंडा थाना क्षेत्र के रेहड़ा गांव का रहने वाला था। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। दरअसल, रेहड़ा गांव के महाबीर प्रसाद और उनकी पत्नी कौशल्या देवी बाइक से डालटनगंज जा रहे थे। इसी दौरान तेलमरवा घाटी में अज्ञात वाहन ने दोनों को रौंद दिया।

छह माह से कम सेवा वाले सदस्यों को निकासी का लाभ

इपीएस- 95 में संशोधन

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने कर्मचारी पेंशन योजना (इपीएस), 1995 में संशोधन किया है जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि छह महीने से कम अंशदायी सेवा वाले कर्मचारी पेंशन योजना के सदस्यों को भी निकासी लाभ मिल सके। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस संशोधन से प्रत्येक वर्ष कर्मचारी पेंशन योजना के सात लाख से अधिक ऐसे सदस्यों को लाभ प्राप्त होगा जो छह महीने से कम अंशदायी सेवा के बाद योजना छोड़ देते हैं। मंत्रालय ने कहा है कि इसके अलावा, केंद्र सरकार ने तालिका डी को संशोधित किया है और यह सुनिश्चित किया है कि सदस्यों को आनुपातिक निकासी लाभ देने के लिए सेवा के प्रत्येक पूरे महीने को ध्यान में रखा जाये। निकासी लाभ की राशि अब सदस्य की सेवा के पूरे महीनों की संख्या और उस वेतन पर निर्भर करेगी जिस पर कर्मचारी पेंशन योजना का अंशदान प्राप्त हुआ था। इससे सदस्यों को निकासी लाभ के भुगतान को युक्तिसंगत बनाया है। अनुमान है कि प्रत्येक वर्ष 23 लाख से अधिक सदस्य तालिका डी के इस संशोधन से लाभान्वित होंगे। प्रत्येक वर्ष पेंशन योजना 95 के लाखों कर्मचारी सदस्य पेंशन के लिए आवश्यक 10 वर्ष की अंशदायी सेवा देने से पहले ही योजना छोड़ देते हैं। ऐसे सदस्यों को योजना के प्रावधानों के अनुसार निकासी का लाभ दिया जाता है। आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2023-24 में 30 लाख से अधिक निकासी लाभ के दावों का निपटारा किया गया। निकासी लाभ की गणना पूर्ण वर्षों में अंशदायी सेवा की अवधि और उस वेतन के आधार पर की जा रही थी, जिस पर कर्मचारी पेंशन योजना के अंशदान का भुगतान किया गया है। इसलिए, अंशदायी सेवा के छह महीने और उससे अधिक का समय पूरा करने के बाद ही सदस्य ऐसे निकासी लाभ के लिए पात्र होते थे। मंत्रालय ने कहा कि उदाहरण के लिए दो वर्ष और पांच महीने की अंशदायी सेवा और

घोटाले की जांच में जुटे इडी अफसरों को प्रोन्नति

रांची। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने इडी के 12 असिस्टेंट डायरेक्टर स्तर के अधिकारियों को डिप्टी डायरेक्टर रैंक में प्रोन्नति दी है। रांची जमीन घोटाला, साहिबगंज में अवैध खनन के केस की जांच कर रहे देवव्रत झा को भी डिप्टी डायरेक्टर रैंक में प्रोन्नति दी गयी। है। असिस्टेंट डायरेक्टर मनीष नौडियाल, राहुल वर्मा, दीपेंद्र कुमार अग्रवाल, दुर्गा शंकर डेब्टा, अंकुर तिवारी, रितेश कुमार श्रीवास्तव, अरुण गोपाल पांडेय, मनीष कुमार, दीपक कुमार कर्ण, निशांत नीरज और विकास गुप्ता को भी डिप्टी डायरेक्टर रैंक में प्रोन्नति दी गयी।

लोकसभा में नीट हंगामा कार्यवाही स्थगित

नयी दिल्ली। लोकसभा में शुक्रवार को नीट-यूजी के मुद्दे विपक्ष के भारी हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही सोमवार पूर्वाह्न 11 बजे तक स्थगित कर दी गयी। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के सदस्य सदन के बीचोबीच आकर हंगामा और नारेबाजी करने लगे। वे नारे लगा रहे थे,... विद्यार्थियों को न्याय दो, न्याय दो।... उनका कहना था कि इस मुद्दे पर तत्काल चर्चा करायी जानी चाहिए।

JGi ARKA JAIN University Jharkhand
NAAC GRADE A ACCREDITED UNIVERSITY

RANKED 3rd IN "TOP-15 EMERGING PRIVATE UNIVERSITIES IN INDIA" CATEGORY Outlook ICARE RANKING 2023
NAAC GRADE A ACCREDITED UNIVERSITY
The First State Private University in Bihar, Jharkhand & West Bengal accredited with NAAC A Grade (in first Cycle)
ISO CERTIFIED
AIU MEMBER

5K+ Students | 07 Schools | 30+ Programmes | 175+ Faculty Members | 23 LPA Highest Package

ADMISSIONS OPEN (2024-25) FOR CAREER-FOCUSED UG / PG / DIPLOMA / PH.D. PROGRAMMES

ENGINEERING & IT
- B. Tech (ME / CSE / EEE / AI & ML)
- B Tech (AI & DS) with IBM
- BCA
- BCA (AI & DL) with IBM
- BCA (Cyber Security) with Cyber Dojo
- MCA (AI & DL) with IBM
- Diploma in Engineering (ME / EEE / CSE / Mechatronics)
- B. Tech / BCA + Data Analytics (IoA, UK)
- M. Tech (Manufacturing Engg. / CSE / EV Technology)

COMMERCE & MANAGEMENT
- BBA
- BBA (Capital Market) with SMI
- BBA (Digital Marketing) with ISDC
- B.Com (H)
- B Com Hons (Capital Market) with SMI
- MBA

HEALTH & ALLIED SCIENCE
- B. Optometry
- B. Sc Biotechnology
- B.Sc. (H) in MLT with Emversity
- B.Sc. (H) in A & OTT with Emversity
- B.Sc. (H) in EMT with Emversity

NURSING
- B. Sc Nursing

HUMANITIES
- BA (H) - English
- BA (H) - Fashion Design
- BA (H) - Journalism & Mass Comm.

PHARMACY
- B. Pharm
- D. Pharm

LAW
- BBA LLB (H)
- L.L.B (Hons.)* *Approval Applied for

RESEARCH
- Ph.D in Commerce
- Ph.D in Management
- Ph.D in English
- Ph.D in Journalism & Mass Comm.
- Ph.D in Computer Science
- Ph.D in Electrical & Electronics Engg.
- Ph.D in Mechanical Engineering
- Ph.D in Pharmacy
- Ph.D in Biotechnology
- D.Litt.

LATERAL ENTRY PROGRAMMES - DIPLOMA IN ENGINEERING (ME, EEE, CSE), BCA, B. TECH (ME, EEE, CSE), B. PHARM, B. OPTOMETRY

नीट पेपर लीक के सभी आरोपी रिश्तेदार निकले

हजारीबाग के प्रिंसिपल समेत 3 को पटना ले कर गयी सीबीआइ टीम

सीबीआइ का बड़ा खुलासा

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना, रांची। नीट पेपर लीक की जांच में जुटी सीबीआइ इस कांड से जुड़े हर शख्स की कुंडली खंगालने में जुटी है। शुक्रवार को दो आरोपियों चिंटू और मुकेश को साथ लेकर जांच टीम लर्न प्ले स्कूल और कंकड़बाग में रॉकी के आवास पर पहुंची। दोनों स्थानों के स्पॉट वेरिफिकेशन के बाद दोनों को लेकर वापस दफ्तर पहुंची, जहां पूछताछ जारी है। इस बीच जांच में ये बात सामने आ रही है कि इस लीक कांड के कई आरोपी एक ही परिवार के हैं या फिर नातेदार-रिश्तेदार हैं। पेपर लीक का मास्टर माइंड माना जा रहा संजीव मुखिया ही इस पेपर लीक गैंग का भी मुखिया है, जिसने अपने परिवार और

रिश्तेदारों का एक पेपर लीक गिरोह खड़ा कर लिया है। वहीं हजारीबाग में लगातार चार दिनों तक अनुसंधान के बाद सीबीआई की टीम ने ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल और नीट के सिटी कॉओर्डिनेटर एहसान उल हक, डिप्टी प्रिंसिपल मो इम्तियाज और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार कर शुक्रवार को पटना ले गयी है। तीसरे ने मुंह ढंक रखा था, समझा जा रहा है। इनमें एक अखबार का पत्रकार भी शामिल हैं। (शेष पेज 11 पर)

प्रिंसिपल समेत तीन गिरफ्तार

नीट- यूजी पेपर लीक मामले में लगातार चार दिनों तक अनुसंधान के बाद सीबीआइ ने ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक, डिप्टी प्रिंसिपल मो इम्तियाज और एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार कर पटना ले गयी। शुक्रवार को लगभग 4:30 बजे चरही गेस्ट हाउस से दो गाड़ी निकली। इसमें तीन लोग बैठे थे। तीसरे ने मुंह ढंक रखा था। समझा जा रहा है, इनमें एक अखबार का पत्रकार भी शामिल हैं। इसकी पुष्टि सीबीआई के किसी अधिकारी ने नहीं की है। पुलिस की गाड़ी दोनों गाड़ियों को एस्कार्ट करते हुए आगे आगे चल रही थी। सीबीआई की टीम दो ब्रीफकेस और एक बॉक्स भी अपने साथ यहां से ले गयी। ऐसा बताया जाता है कि जिस बक्से से प्रश्न पत्र लीक होने की बात कहीं जा रही थी उस बक्से को लेकर टीम निकली है। (पेज 7 भी देखें)

JGi ARKA JAIN University Jharkhand
NAAC GRADE A ACCREDITED UNIVERSITY

PHASE III - AJU CET NOTIFICATION 2024

THE UNIVERSITY INVITES APPLICATION FOR PHASE III OF COUNSELLING & COMMON ENTRANCE TEST (AJUCET) AGAINST VACANT SEATS AFTER 2ND ROUND OF COUNSELLING FOR THE FOLLOWING PROGRAMMES

- BBA
- B Com Hons.
- MBA
- BA Hons. (English, FD & JMC)
- Diploma in Engg.
- B Pharm
- BBA LLB Hons.
- BCA
- MCA (AI & DL) with IBM
- B. Tech
- M. Tech
- D Pharm
- B Optometry
- B Sc Biotechnology

Last date for Submission of AJUCET Application Form (Online/Offline) for III rd Phase of Counselling - 31st July, 2024

Dates of III rd Phase of online AJU CET - Between 1st July to 31st July 2024

* FOR MORE DETAILS, PLEASE REFER TO ADMISSION CALENDAR ON THE WEBSITE UNDER ADMISSION SECTION.

Student can procure AJUCET application form from Admission Office / University Campus or can apply Online through our website www.arkajainuniversity.ac.in

LATERAL ENTRY PROGRAMMES - DIPLOMA IN ENGINEERING (ME, EEE, CSE), BCA, B. TECH (ME, EEE, CSE), B. PHARM, B. OPTOMETRY

(Note :-Students having valid score card of CAT | MAT | XAT | CMAT (For MBA), JEE Mains (For B. Tech), PECE (For Polytechnic), NEET (For B. Pharm), JEE Mains & GATE (M. Tech) or common university entrance test (CUET) by NTA are exempted from appearing in AJU CET

1800-1200-200 | 0657-2220285 | 8406800562 Apply Online: www.arkajainuniversity.ac.in

Chaibasa/CKP: 8406800563 | Ghatshila: 9955062615 Hazaribagh: 7903233264 | Bokaro: 6201696510
Admission Office: D-28, Danish Arcade,Opposite Asian Inn Hotel, Dhatkidih, Jamshedpur - 831001
Campus Address: Opposite Kerala Public School, Mohanpur, Gamharia, District Seraikela Kharsawan, Jharkhand - 832108

जल संसाधन विभाग की उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा

हर खेत को पानी पहुंचाना सरकार का लक्ष्य सिंचाई परियोजना को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने विस्थापन से जुड़ी लंबित समस्याओं का त्वरित समाधान करने का दिया निर्देश

- हर खेत तक पानी पहुंचाना सरकार का लक्ष्य
- समय पर पूरी हो सिंचाई परियोजना

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। सीएम चंपई सोरेन ने कहा है कि हर खेत तक पानी पहुंचाना राज्य सरकार का लक्ष्य है। श्री सोरेन शुक्रवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित सचिवालय में जल संसाधन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। हमारे किसान सालों भर कृषि कर सकें, इसके लिए खेतों में पटवन की व्यवस्था होनी चाहिये। उन्होंने कहा कि आज सिंचाई की कई आधुनिकतम तकनीकें मौजूद हैं। इसमें मेगा लिफ्ट और भूमिगत पाइपलाइन सिंचाई परियोजनाएं काफी कारगर साबित हो रही हैं। झारखंड में भी भूमिगत पाइपलाइन सिंचाई परियोजनाओं को विस्तारित किया जा रहा है। इससे फायदा है कि ना तो जमीन अधिग्रहण की समस्या आयेगी और ना ही डैम और जलाशय की वजह से गांव डूबेंगे। इसके साथ भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से एक बड़े इलाके में बिना किसी अड़चन के काफी कम समय में सिंचाई सुविधाओं को पहुंचा सकते हैं। इससे जल का भी ज्यादा से ज्यादा सदुपयोग हो सकेगा।

छोटी और लघु सिंचाई परियोजनाओं पर करें फोकस : मुख्यमंत्री ने कहा कि वह छोटी सिंचाई परियोजनाओं पर विशेष जोर दे। इससे खेतों में जल्द पानी पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि वृहद एवं मध्यम सिंचाई परियोजनाओं के पूरा होने में काफी ज्यादा समय लगता है । इसकी लागत राशि भी काफी ज्यादा होती है और विस्थापन की समस्या पैदा होती है। ऐसे में छोटी-छोटी सिंचाई परियोजनाओं के क्रियान्वयन से इस तरह की समस्यायें नहीं आयेगी।

विस्थापन से जुड़ी समस्याओं का हो समाधान : मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में ऐसी कई बड़ी सिंचाई परियोजनायें वर्षों से लंबित है। उनके कार्य की गति काफी धीमी है। इन सिंचाई परियोजनाओं की वजह से विस्थापन से जुड़ी कई समस्याएं सामने आती है। ऐसे में विस्थापितों के समस्याओं का समाधान समाधान हो जाना चाहिये। विस्थापितों के पुनर्वास और मुआवजा से संबंधित मामले लंबित नहीं रहने चाहिये । उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं को इस तरह से धरातल पर उतरे कि कम से कम विस्थापन की नौबत आये।

सौर ऊर्जा आधारित सिंचाई प्रणाली आज की जरूरत : मुख्यमंत्री ने कहा कि सौर ऊर्जा से सिंचाई एक टिकाऊ और बेहतर विकल्प के रूप में उभर कर सामने आया है। ऐसे में सोलर सिंचाई प्रणालियों का इस्तेमाल हो। उन्होंने कहा कि सिंचाई पंपों और ड्रिप सिंचाई प्रणालियों को चलाने के लिए इसका इस्तेमाल होना चाहिये। इससे पर्यावरण के साथ पानी की बबार्दी को कम करने और फसल की पैदावार बढ़ाने में मदद मिल सकती है। इसका फायदा है कि किसानों को सिंचाई के लिए बिजली पर अनावश्यक खर्च नहीं करना पड़ेगा। बैठक में मुख्य सचिव एल खियांग्ते, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सीएम के सचिव अरवा राजकमल, जल संसाधन विभाग के सचिव प्रशांत कुमार आदि थे।

निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ

बीएलओ-सुपरवाइजर मतदाता सूची का करेंगे घर-घर भौतिक सत्यापन: सीइओ

लोकसभा चुनाव के अनुभवों से सीख लेते हुए विधानसभा चुनाव के लिए त्रुटि रहित मतदाता सूची बनाने का प्रयास

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य में चल रहे मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफलतापूर्वक कार्यान्यवन के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ एवं उप निर्वाचन पदाधिकारियों के लिए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय में दो दिवसीय क्रमागत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। दो दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण सत्र में पदाधिकारियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि बीते लोकसभा चुनाव के अनुभवों से सीखते हुये आगामी विधानसभा चुनाव के लिए त्रुटि रहित मतदाता सूची बनाये जाने की दिशा में सभी से बेहतर प्रयास अपेक्षित हैं। उन्होंने कहा कि सभी घरों तक बीएलओ सुपरवाइजर के स्तर से मतदाता सूची के पुनरीक्षण के कार्य का सत्यापन कराया जाना है। बीएलओ सुपरवाइजर घर-घर सत्यापन के उपरांत विभाग द्वारा प्रदत्त स्टिकर को सत्यापित घरों पर अपने हस्ताक्षर के साथ अनिवार्य रूप से लगायेंगे। इसे संबंधित ईआरओ, एईआरओ फील्ड विजिट के क्रम में भौतिक निरीक्षण करेंगे।

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में 80 प्रतिशत से कम मतदान वाले सभी मतदान केंद्रों का संबंधित ईआरओ अपने स्तर से निरीक्षण करते हुये उनके यथासंभव निराकारण का कार्य करेंगे।

इस अवसर पर संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने प्रशिक्षण में आये सभी पदाधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने विधानसभा क्षेत्रवार कार्ययोजना तैयार कर निर्वाचन कार्यों का ससमय दक्षतापूर्वक निष्पादन करना सुनिश्चित करेंगे।

ओएसडी गीता चौबे द्वारा ई रोल, उप निर्वाचन पदाधिकारी मुख्यालय संजय कुमार द्वारा मतदाताओं से प्राप्त शिकायतों के निवारण संबंधी पोर्टल, अवर निर्वाचन पदाधिकारी सुनील कुमार सिंह द्वारा मतदान केंद्रों के रेशनलाईजेशन, सिस्टम एनालिस्ट एसएन जमील द्वारा ईआरओ नेट 2.0 के बारे में पदाधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ एवं संबंधित जिलों के उप निर्वाचन पदाधिकारियों सहित मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के पदाधिकारी मौजूद थे।

कार्यालयः-वन प्रमण्डल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमण्डल
E-mail :forest-gumla@jharkhandmail.gov.in
Mobile No. – 8987790115,Pin Code - 835207

पत्रांक ...../ दिनांक ...../

आवश्यक सूचना

सूचित किया जाता है कि दिनांक 25.05.2024 को गुप्त सूचना के आधार पर सोगरा पी0 एफ0 थाना –सिसई के पास से एक ट्रैक्टर ट्रॉली सहित (बालू लदा हुआ)चेचीस न0–MBNAAADA PJRB00609, इंजन न0–RJB2DB N3826, को वनकर्मियों के द्वारा जप्त कर सिसई स्थायी पौधशाला परिसर में लाकर सुरक्षित रखा गया है। उक्त जप्त वन पदार्थ सहित वाहन के विरूद्ध प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में अधिहरण की कार्रवाई प्रारम्भ की गई है।

अतः समाचार पत्रों के माध्यम से जप्त वन पदार्थ के दावेदार (यदि कोई हो) एवं सम्बन्धित सभी को सूचित किया जाता है कि वे दिनांक 10.07.2024 को प्राधिकृत पदाधिकारी–सह–वन प्रमंडल पदाधिकारी, गुमला वन प्रमंडल के न्यायालय में 11:00 बजे पूर्वाहन स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें, अन्यथा उपलब्ध साक्ष्यों एवं अभिलेखों के आधार पर एक पक्षीय निर्णय ले लिया जायेगा।

:–वन है,तो जीवन है–:

प्राधिकृत पदाधिकारी,
–सह–
वन प्रमंडल पदाधिकारी,
गुमला वन प्रमंडल

PR 328047 Forest, Environment and Climate Changes(24-25).D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
WATER WAYS DIVISION, RANCHI.
(ROOM NO-503, JAL BHAWAN, DORANDA-834002)

Very Short Notice Inviting e-quotation
(2nd Call, PR No.- 325488)
Notice No.- 05/2024-25

Government of Jharkhand through its Public Works Department (PWD) is engaged in framing/revision of Schedule of Rates and as part of this endeavor, quotations through e-tender are invited for rate of items/materials annexed as Annexure-1 for Construction Works from Quarry owners/ Crusher owners/ Reputed Manufacturer/ Authorized dealers/ Suppliers and other stakeholders authorized for respective items having valid GSTIN on materials. The rates conforming to specifications for inclusion in the Schedule of Rates for Government of Jharkhand to be used in different Civil construction/infrastructure works and repair works shall be submitted online in the website Http:// Jharkhand tenders.gov.in Details of material and its Specifications are available on the above e-tender portal. The quotationer may download the documents from the website and quote their rate of materials online from 02.07.2024 at the 11:30hrs. to 10.07.2024 at 16:00 hrs. The quotation will be opened on 11.07.2024 at 16:00 hours.

The quotation is invited to ascertain and assess the Rate of Materials at par with lowest market rate for framing of Schedule of Rate.

PR 328002 Water Resource(24-25).D

Executive Engineer
Water Ways Division, Ranchi.

कार्यालय नगर परिषद सिमडेगा
ई–मेल :–simdeganagar@yahoo.in

अतिअल्पकालिन डाक बंदो बस्ती आमंत्रण सूचना संख्या :–05/2024–25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में (02 वर्ष 08माह 15 दिन के लिए) नगर परिषद सिमडेगा क्षेत्रान्तर्गत हो डिंग्स की बंदोबस्ती हेतु आमडाक की तिथि निर्धारित की गई है :–

1) विभाग का नाम :– नगर परिषद सिमडेगा
2) डाक प्राप्ति का स्थान :– नगर परिषद सिमडेगा
3) डाक की बिक्री का स्थान एवं तिथि :– नगर परिषद सिमडेगा / 03.07.2024 से 05.07.2024 को अपराह्न 05:00 बजे तक। (कार्यालय अवधि में)।
4) डाक की प्राप्ति तिथि एवं समय :– 06.07.2024 को अपराह्न 05:00 बजे तक।
5) डाक बोली का स्थान एवं समय :– नगर परिषद सिमडेगा / 08.07.2024 को अपराह्न 04:00 बजे।
6) डाक आमंत्रित का मुल्य :– प्रति आमंत्रण 1,000.00 (एक हजार) रूपये मात्र ।

क्रमांक	सैरात का नाम	डाक बोली की राशि	सुरक्षित जमा राशि
1	होर्डिंग्स (विभिन्न स्थानों पर होर्डिंग्स लगाने का कार्य)	1. Zone A में कुल 19 संरचना हेतु न्यूनतम डाक की बोली 40 रूपये / Sqft (51,300.00 रूपये) 2. Zone B में कुल 42संरचना हेतु न्यूनतम डाक की बोली 30 रूपये / Sqft (62,370.00 रूपये) 3. Zone C में कुल 20 संरचना हेतु न्यूनतम डाक की बोली 20 रूपये / Sqft (40,000.00 रूपये) (Zone C में 20 (10'X10') संरचना करना अनिवार्य होगा)।	Zone A, B एवं C में कुल 1,53,670.00 रूपये, (सुरक्षित जमा राशि का 10% 15,367.00 रूपये)

डाक की अध्यक्षता कार्यपालक पदाधिकारी, नगर परिशद सिमडेगा के द्वारा की जायेगी। खुले डाक में सम्मिलित होने के लिए डाक वक्ता को सुरक्षित राशि का 10% राशि का बैंकड्राफ्ट (जो कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिशद सिमडेगा के नाम से देय होगा) जो कार्यालय नगर परिषद सिमडेगा में जमा करना अनिवार्य है। बैंकड्राफ्ट के साथ पैनकार्ड, अद्यतन आयकर, स्वच्छता प्रमाण पत्र, चरित्र प्रमाण पत्र (उपायुक्त कार्यालय द्वारा निर्गत), मतदाता पहचान पत्र / आधार कार्ड कार्यालय नगर परिशद सिमडेगा में जमा करना अनिवार्य होगा। 10% राशि एवं कागजात दिनांक 06.07.2024 को अपराहन 05:00 बजे तक कार्यालय नगर परिषद सिमडेगा में जमा करना अनिवार्य है।

उक्त कागजातों के अलावा इस आय का शपथपत्र भी जमा करना अनिवार्य होगा कि उनका नाम काली सूची में दर्ज नहीं है एवं कार्यालय नगर परिशद सिमडेगा कोई टैक्स / बन्दोबस्ती राशि बाकी नहीं है।

वांछित कागजात नहीं रहने पर डाक में भाग नहीं ले सकेंगे एवं इसके लिए कोई भी दावामान्य नहीं होगा। पूर्व में की गई बन्दोबस्ती राशि से डाक की बोली कम होने पर उसे अमान्य कर दिया जायेगा।

होर्डिंग्सस्थल की सूची एवं अन्य शर्ते कार्यालय नगर परिशद सिमडेगा के सूचना पट्ट अथवा विभागीय वेवसाइट udhd.jharkhand.gov.in पर देखी जा सकती है।

प्रशासक,
नगर परिषद सिमडेगा

PR 327978 Simdega(24-25)#D

जमीन घोटाला के आरोप में जेल में बंद पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर झामुमो और भाजपा के बीच बयानबाजी

झारखंड क्रांतिकारियों की जमीन हमारे डीएनए में है संघर्ष : सुप्रियो

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेन्स कर कहा कि 148 दिन के बाद एक बड़ी राहत मिली है, जब झारखंड हाई कोर्ट ने जमानत दी है। हम शुरू से इस बात को कह रहे थे और हेमंत सोरेन ने विधानसभा के पटल पर भी यह बात रखी थी। कहा था कि 8 एकड़ रकबा वाली जमीन की अगर एक छटांक जमीन भी हमारे नाम पर होगी, तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। सुप्रियो ने कहा कि हेमंत सोरेन के कठोर प्रण वाली बातों में ईमानदारी और सच्चाई भरी थी, इस जमानत के आदेश से उन पर मुहर लगी है, जो आरोप लगे थे, यह कहीं से भी साबित नहीं हो पाये।

झारखंड के 4 करोड़ लोगों के विश्वास की जमानत : कहा कि जमानत कोई आसान शब्द नहीं है, यह झारखंड के 4 करोड़ लोगों के विश्वास की जमानत है। लोकसभा चुनाव के पूर्व एक सुनियोजित साजिश के तहत विरोधी चाहते थे कि एक प्रखर नेता की आवाज को शांत किया जाये। सुप्रियो भट्टचार्य ने कहा कि इंडिया गठबंधन के प्रखर नेता के पैरों में बेड़ियां लगाने की साजिश रची गयी। हाथों में हथकड़ी, पैरों में बेड़ियां डाली गयी थी कि चुनाव को प्रभावित किया जा सके। आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय बीजेपी की कठपुतली था, जो उसके इशारों पर काम कर रहा था, ताकि चुनाव में एनडीए को बढ़त मिले।

झारखंड में आदिवासियों की एक भी सीट बीजेपी के खाते में नहीं गयी : आदिवासियों ने दिखा दिया कि झारखंड में आदिवासियों की एक भी सीट बीजेपी के खाते में नहीं गयी। अगर चुनाव के दौरान हेमंत सोरेन बाहर रहते तो आज पूरे देश की राजनीतिक स्थिति कुछ अलग ही रहती। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष नहीं बल्कि प्रधानमंत्री होते। झारखंड में और 9 सीटें और पूरे देश में कम से कम 30 सीटों का इजाफा इंडिया गठबंधन का होता। सुप्रियो ने कहा कि साजिश का अंत हो गया, बाहर निकल गया अपना हेमंत, यह आज का नारा है। लोकसभा चुनाव अगर कल भी होता है तो हम भारतीय जनता पार्टी को सिंगल डिजिट में रोक देंगे, अपने बल पर झारखंडियों की सरकार बनायेंगे।

बीजेपी की गीदड़ भभकी हमें डरा नहीं सकती : बीजेपी की गीदड़ भभकी हमें डरा नहीं सकती, 30 जून हूल दिवस है। झारखंड क्रांतिकारियों की जमीन है और संघर्ष हमारे डीएनए में है। हम देश के आदिवासियों, दलितों, अल्पसंख्यकों की आवाज को नहीं छोड़ सकते। युवाओं की उम्मीद के साथ हम खिलवाड़ नहीं कर सकते। सुप्रियो भट्टाचार्य ने झारखंड हाईकोर्ट के साथ-साथ तमाम लोगों का आभार जताया।

सिर्फ जमानत मिली है, आरोप मुक्त नहीं हुए हैं: प्रतुल शाहदेव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने झामुमो के बयान पर पलटवार करते हुये तंज कसा है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन को जमानत मिलने से झामुमो इस तरीके से उत्सव मना रहा है कि जैसे उनको सारे आरोपों से दोष मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जमानत अदालत की प्रक्रिया का एक हिस्सा है और इस पर इतना छाती ठोकर दंभ भरने की आवश्यकता नहीं है। आज उच्च न्यायालय की सिंगल बेंच ने हेमंत सोरेन को जमानत जरूर दी है लेकिन, पूरे मुकदमे का ट्रायल अभी बाकी है। इसलिए झामुमो अभी से हेमंत सोरेन को दोष मुक्त मानकर अदालत की अवमानना कर रहा है।

उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय की डबल बेंच ने हेमंत सोरेन के खिलाफ जमीन घोटाले में लगे आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया था। हेमंत सोरेन ने उच्च न्यायालय में जब अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी तो 3 मई को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और न्यायमूर्ति नवनीत कुमार की बेंच ने अपने जजमेंट में प्रथम दृष्टया हेमंत सोरेन के खिलाफ लगे आरोपों को सही माना था। हाई कोर्ट की डबल बेंच ने ईडी की प्रारंभिक कार्रवाई को भी जायज ठहराया था। हेमंत सोरेन के द्वारा एक आदिवासी होने के कारण प्रताड़ित करने के आरोपों पर उच्च न्यायालय ने कहा था कि यह एक हारते हुए मुवकिल को बचने का अंतिम प्रयास लगता है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के खिलाफ रांची लैंड स्कैम, साहिबगंज का पत्थर खनन घोटाला, अवैध खनन घोटाला, ट्रांसफर पोस्टिंग घोटाला, प्रश्न पत्र लीक घोटाला आदि ढेर सारे संगीन आरोप लगे हैं। इस सरकार के कार्यकाल में 70,000 करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप लगा है। यह राज्य सरकार भ्रष्टाचार के मामलों को सामने आने देना नहीं चाहती है।

सत्यमेव जयते का नारा बुलंदः कांग्रेस

रांची। जमीन घोटाला के आरोप में जेल में बंद हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव राकेश सिन्हा ने कहा कि सत्य को परेशान किया जा सकता है, पराजित नहीं किया जा सकता।. आज सत्यमेव जयते का नारा बुलंद हुआ है और तानाशाही विचारधारा की हार हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा का असली चेहरा सामने आ गया है।

हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर झारखंड कांग्रेस में उत्साह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर प्रदेश कांग्रेस ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और इसे न्याय की जीत बताया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि न्यायपालिका पर अभी भी जनता का विश्वास कायम है। साजिश कितनी भी गहरी हो न्यायपालिका दूध का दूध पानी का पानी कर देती है। उन्होंने कहा कि एक साजिश के तहत हेमंत सोरेन को झूठे मामले में फंसा कर जेल भेजा गया और झारखंड में सरकार अपदस्त करने और लोकसभा चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश केंद्र सरकार द्वारा की गई थी लेकिन महागठबंधन के एकजुट रहने से सरकार स्थिर रही। उन्होंने कहा कि इस फैसला का झारखंड में बड़ा प्रभाव पड़ेगा और इंडिया गठबंधन अधिक मजबूती से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेगा और साजिश की सूत्रधार भाजपा को वर्तमान सीटों से भी कम सीटों पर सिमट देगी।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर झामुमो कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकारी अध्यक्ष और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से बेल मिलने के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। झारखंड मुक्ति मोर्चा रांची महानगर के पूर्व प्रवक्ता जीत गुप्ता नेतृत्व में शहीद अल्बर्ट एक्का चौक पर पटाखे जलाकर और लोगों के बीच मिठाइयां बाटकर खुशी का इजहार किया गया।

जीत गुप्ता ने कहा कि आज खुशी का दिन है हमारे नेता जेल से बाहर आ गये हैं। हम उच्च न्यायालय का धन्यवाद करते हैं। जनता का विश्वास बढ़ा है और गरीब, कमजोर, आदिवासियों, मूलवासियों सहित राज्य वासियों का हौसला बुलंद हुआ है। खुशी मनानेवालों में अजीत नायक, आयुष राज वर्मा, अकबर, अजय सिंह, वीरू, अशोक, अभिषेक वर्मा, विनोद साहू, राजेश, भोलू गुप्ता, फैयाज, पंकज कुमार, हीरालाल, भारत सिंह सहित कई नेता कार्यकर्ता शामिल थे।

14 लोकसभा क्षेत्र में 6 जुलाई से 15 जुलाई तक होगा विजय संकल्प कार्यक्रम

जनभावना गठबंधन सरकार के खिलाफ : बाबूलाल

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड की जनभावना गठबंधन सरकार के खिलाफ है। श्री मरांडी शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित जिलाध्यक्षों की बैठक में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता गठबंधन सरकार से त्रस्त है। जनता ने लोकसभा चुनाव में अपनी भावनाओं से अवगत करा दिया है। इंडी एलायंस के खिलाफ जनता ने मतदान किया। एनडीए को 9 सीट देकर प्रदेश की जनता ने तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के अपनी बड़ी भूमिका निभाई है। कहा कि कार्यकर्ता राज्य सरकार की विफलताओं को उजागर करें।

बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुये नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से तैयारी में जुट गई है। आगामी 100 दिन में झारखंड में नया सवेरा लाना है। उन्होंने कहा कि पार्टी राज्य में लूट, भ्रष्टाचार एवं ध्वस्त विधि व्यवस्था पर गंभीर है। हम लगातार जनता के बीच इसे लेकर जा रहे हैं। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की तैयारी, अभियान, 20 जून को प्रस्तावित कार्यसमिति बैठक, अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा के संबंध में विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भाजपा आगामी 6 जुलाई से 15 जुलाई तक सभी लोकसभा क्षेत्रों में अभिनंदन सह विजय संकल्प सभा आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि संथाल परगना में राज्य सरकार के संरक्षण में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण डेमोग्राफी में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में तो गुमला में एक मतदान केंद्र पर ऐसा मुस्लिम मतदाता आया जहां कोई मुस्लिम आबादी है ही नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे पर गंभीर है तथा चुनाव आयोग से इसकी शिकायत भी करेगी। उन्होंने कहा कि राजमहल में अनुपात से बहुत ज्यादा 50 हजार मुस्लिम वोटर बढ़ गये, जबकि पाकुड़ में 70 हजार मुस्लिम वोटर बढ़े हैं, जो एक साजिश के तहत हुआ है।

झामुमो कांग्रेस राजद का चरित्र दोहरा

श्री बाउरी ने कहा कि हेमंत सोरेन को बेल मिलना एक संवैधानिक प्रक्रिया है। न्यायपालिका ने एक निर्णय सुनाया है लेकिन झामुमो कांग्रेस को बताना चाहिये कि हेमंत सोरेन जेल भी गये थे तो न्यायालय की संवैधानिक प्रक्रिया के तहत और आज बेल भी मिला है तो वह भी एक संवैधानिक प्रक्रिया के तहत। लेकिन, भाजपा पर दोषारोपण कर जनता को दिग्भ्रमित करना इनका दोहरा चरित्र है। उन्होंने कहा कि ऐसे भी हेमंत सोरेन बेल पर जेल से बाहर आये हैं, ये अभी मुकदमों से बरी नहीं हुये हैं। बैठक में अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव के अलावा राकेश प्रसाद, मनोज सिंह, सरोज सिंह, सुनीता सिंह सहित मोर्चों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे।

बिरसा चौक में ज्वेलरी दुकान में लूटपाट, गोलीबारी भी हुई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सीआइडी डीएसपी सरिता मुर्मू की गले से चेन लूट की घटना के बाद दूसरे दिन अपराधियों ने जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के ज्वेलरी व्यवसायी को गोली मारकर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया। घटना शुक्रवार की दोपहर राजधानी के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक स्थित डीपी ज्वेलर्स में घटी। घटना के बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, बाइक पर सवार होकर पहुंचे अपराधियों ने वहां गोलीबारी की। गोलीबारी में दुकान के मालिक और उनके पिता को गोली लगी है। लूटपाट के दौरान अपराधियों ने फायरिंग भी की। दुकान के शीशे में गोली चलाई। पुलिस ने घटनास्थल से एक खोखा बरामद किया है। घटना की जानकारी मिलते ही सिटी एसपी राजकुमार मेहता, हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा, जगन्नाथपुर, डोरंडा और तुपुदाना थाना की पुलिस पहुंची।

पुलिस मौके पर पहुंच कर आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच और अपराधियों को गिरफ्तार करने में जुट गयी है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि बाइक पर सवार होकर आए अपराधी पहले ज्वेलरी दुकान में घुस गये और इस दौरान दुकान में रखे जेवरात को हथियार के बल पर लूटने का प्रयास किया। मालिक के द्वारा जब इसका विरोध किया गया तो अपराधियों ने गोलीबारी की।

अस्पताल में महिला को बंधक बना नवजात से 23 दिन तक दूर रखने के मामले में हाइकोर्ट गंभीर

स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव कार्रवाई के संबंध में सौंपें रिपोर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने रांची के बरियातू-बूटी रोड में स्थित जेनेटिक अस्पताल में बिल जमा नहीं करने पर अस्पताल प्रबंधन द्वारा एक मां को उसके नवजात से 23 दिन तक अलग रख बंधक बनाए जाने के मामले को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने मामले में संज्ञान लेते हुए प्रधान सचिव से जवाब मांगा है। कोर्ट ने मामले में रांची सिविल सर्जन को उक्त अस्पताल के रजिस्ट्रेशन की जांच करने का निर्देश दिया है। कोर्ट में मौजूद स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव ने आश्वस्त किया कि जांच कर जेनेटिक अस्पताल प्रबंधन पर कार्रवाई की जाएगी।

कोर्ट ने प्रधान सचिव को मामले की जांच कर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से बताया गया कि

जेनेटिक अस्पताल ने मरीज के साथ अमानवीय व्यवहार किया है। प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि रनिया के बनावीरा नवाटोली निवासी सुनीता कुमारी को 28 मई को प्रसव पीड़ा होने पर खूंटी सदर अस्पताल ले जाया गया था। वहां से उसे रिम्स रेफर कर दिया गया, यहां आते ही एक ऑटो चालक महिला के पति मंगलू को झांसा देकर जेनेटिक अस्पताल ले गया जहां महिला ने बच्चे को जन्म दिया।

अस्पताल प्रबंधन द्वारा मंगलू से 4 लाख रुपए मांगे गए। जमीन बेचकर 2 लाख उसने दे दिए, शेष 2 लाख देने में उसने असमर्थता जतायी। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन ने सुनीता को बंधक बना लिया था।

सूचना मिलने पर सीआईडी की टीम ने 27 जून को सुनीता को अस्पताल से मुक्त कराया था। कोर्ट को यह भी बताया गया कि जब अस्पताल प्रबंधन ने महिला के पति को नवजात शिशु के साथ घर भेज दिया तो उसने बकरी का दूध पिलाकर शिशु को जिंदा रखा, जब उसकी पत्नी अस्पताल से मुक्त होकर बीते गुरुवार को घर पहुंची तो करीब 23 दिन के बाद बच्चे ने अपनी मां का दूध पिया। मामले में सीडब्ल्यूसी ने भी स्वतः संज्ञान लिया है। मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई को होगी।

जेनेटिक अस्पताल का निबंधन समाप्त करे सरकार : वीएस नायक

रांची। शिशु से अलग कर मां को बंधक बनाने वाले जेनेटिक अस्पताल का निबंधन या मान्यता अविलंब समाप्त कर और रिम्स को सेना के हवाले करे चंपाई सोरेन सरकार। ये बातें संपूर्ण भारत क्रांति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव झारखंड छत्तीसगढ़ प्रभारी विजय शंकर नायक ने शुक्रवार को बयान जारी कर कही। उन्होंने कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री प्राइवेट गौतम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का आधारशिला रख रहे हैं और दूसरी तरफ सरकारी रिम्स हॉस्पिटल अव्यवस्था का शिकार होकर दम तोड़ रहा है।

जेनेटिक अस्पताल समेत अन्य निजी अस्पतालों की मनमानी पर जल्द लगे रोक : युवा आजसू

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। जेनेटिक अस्पताल द्वारा सिर्फ पैसों के लिए एक मां को अपने बच्चे से दूर करने की अमानवीय घटना के विरोध में युवा आजसू द्वारा उपायुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया गया और निजी अस्पतालों की मनमानी पर रोक लगाने के लिए ज्ञापन भी सौंपा। उपायुक्त से मिले युवा आजसू के प्रतिनिधि मंडल ने रांची में संचालित निजी अस्पतालों की मनमानी और लचर स्वास्थ्य व्यवस्था के चलते आम लोगों को हो रही समस्य से अवगत कराया। युवा आजसू ने बताया कि निजी अस्पतालों की मनमानी से राज्य की जनता हताश है। निजी अस्पताल मनचाहा बिल बनाकर आमजनों पर जुल्म कर रहे हैं। मनमानी करने वाले निजी अस्पतालों पर सख्त कार्रवाई की मांग युवा आजसू ने की। इसके साथ ही उन्होंने सरकारी अस्पतालों में इलाज कराने वाले गरीब मरीजों को बरगला कर निजी अस्पताल में इलाज के लिए ले जाने वाले बिचौलियों और एम्बुलेंस चालकों पर भी जल्द से जल्द कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग की। युवा आजसू द्वारा रिम्स समेत अन्य सरकारी अस्पतालों की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था की ओर ध्यान आकृष्ट कराते हुए स्वास्थ्य सुविधा को दुरुस्त करने और रिम्स में आने वाले मरीजों को पौष्टिक भोजन और स्ट्रेचर, एम्बुलेंस जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग उपायुक्त से की।

हाइकोर्ट में हाजिर हुए स्वास्थ्य सचिव और रिम्स के डायरेक्टर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के गुरुवार के निर्देश के आलोक में स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह, रिम्स के निदेशक एवं भवन निर्माण के प्रबंध निदेशक मनीष रंजन हाईकोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। शुक्रवार को इन अधिकारियों ने रिम्स के सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी कोर्ट को दी। जिसके बाद कोर्ट ने सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। अदालत में अब इस मामले की विस्तृत सुनवाई 18 जुलाई को होगी।

दरअसल रिम्स में बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने, बुनियादी सुविधा दिलाने, एमआरआई मशीन सहित अन्य चिकित्सा उपकरण को ऑपरेशनल रखने को लेकर ज्योति शर्मा की ओर से जनहित याचिका दायर हुई है। इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की खंडपीठ में हुई।

25 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर प्रोफेसर के खाते से निकाला था पैसा

₹1.89 करोड़ की ठगी करनेवाले आरोपी को रांची साइबर थाना पुलिस ने किया गिरफ्तार

साइबर ठगी का पैसा जिस एकाउंट में मंगाया गया था, उस अकाउंट में 28 मई को 4 .80 करोड़ रुपये हुआ क्रेडिट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची में 25 दिन तक प्रोफेसर को डिजिटल अरेस्ट करनेवाले आरोपी को सीआइडी की रांची साइबर थाना पुलिस ने गिरफ्तार

किया है। आरोपी प्रोफेसर के साथ-साथ एक अन्य को भी तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर साइबर ठगी की थी। साइबर अपराधियों ने पार्सल में ड्रग्स होने की बात कह कर दोनों पीड़ित से डिजिटल अरेस्ट कर 1.89 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। साइबर ठगी का पैसा जिस एकाउंट में मंगाया गया था, उस अकाउंट में 28 मई को 4.80 करोड़ रुपये क्रेडिट हुआ है। गिरफ्तार साइबर अपराधी पंकज कुमार बिहार के सारण जिले के सोनपुर थाना क्षेत्र स्थित भरपुरा टोला, चौलिया का रहने वाला है। आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त मोबाईल एवं सिम कार्ड और कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग के दस्तावेज बरामद किया है।

लेवी वसूलने आए पीएलएफआई के दो उग्रवादी गिरफ्तार

रांची। खूंटी पुलिस को शुक्रवार को नक्सलियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पीएलएफआई के नवनियुक्त एरिया कमांडर एंड्रियास कंडुलना समेत दो नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से हथियार भी बरामद किया है। पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव और टेबो थाना में एंड्रियास कंडुलना के खिलाफ आर्म्स एक्ट समेत कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसपी अमन कुमार ने बताया कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन पीएलएफआई के नवनियुक्त एरिया कमांडर एंड्रियास कंडुलना उर्फ तूफान को उसके सहयोगी निमुश कंडिर उर्फ मास्टरजी के साथ खूंटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इनके पास से देसी पिस्तौल, कारतूस, मोबाइल, मोटरसाइकिल और पीएलएफआई के पर्चा बरामद किया है। खूंटी एसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि पीएलएफआई का नवनियुक्त एरिया कमांडर एंड्रियास कंडुलना उर्फ तूफान अपने साथी निमुस कंडिर उर्फ मास्टरजी के साथ ठेकेदारों से लेवी वसूलने और इलाके में भय का माहौल बनाने के लिए रनिया थाना क्षेत्र के गढ़सिदम जंगल में आने वाला है। सूचना के आधार पर टीम गठित की गयी और दोनों नक्सलियों को धर दबोचा गया।

खबर एक नजर में

आर्म्स एक्ट का आरोपी बेच रहा था ब्राउन शुगर, गिरफ्तार

रांची। चुटिया थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कृष्णापुरी रोड नंबर दो में रहनेवाले रामबाबू शाह को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 20 पुड़िया ब्राउन शुगर जब्त किया है। बताया गया कि पकड़ा गया आरोपी पूर्व में भी आर्म्स एक्ट का आरोपी रहा है।

व्यवसायी की हत्या के पांच दोषियों को सश्रम उम्रकैद की सजा

रांची। कांके के बुकरू रोड स्थित जमीन पर चहारदीवारी निर्माण के विवाद में व्यवसायी मनोज कुमार साहू की पत्थर व लाठी से कूच कर हत्याकांड में दोषी पांच अभियुक्तों को अपर न्यायायुक्त विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने शुक्रवार को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने एक महिला समेत पांच अभियुक्तों को बुधवार को हत्याकांड में दोषी पाया था। अदालत ने मोहन उरांव, शनिचरवा उरांव, बबलू कच्छप उर्फ डैनी, रंजन फोगला व मानकी देवी को उम्र कैद की सजा सुनाई है। साथ ही, पांचों पर जुर्माना भी लगाया गया है। घटना को लेकर मृतक के भाई संतोष कुमार ने कांके थाना में तीन अप्रैल 2018 को प्राथमिकी दर्ज करायी थी। मामले में सुनवाई के दौरान एपीपी सिद्धार्थ सिंह ने अभियोजन पक्ष की ओर से सात गवाह प्रस्तुत किया था। अभियोजन पक्ष की ओर से गवाही समाप्त होने के बाद एफएसएल रिपोर्ट अंकित कराई गयी थी। गवाही और एफएसएल रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने हत्याकांड में पांचो अभियुक्तों को दोषी पाया और कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

यौन शोषण के दोषी को दस वर्ष कैद की सजा

रांची। अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की अदालत ने शुक्रवार को शादी का झांसा देकर सात साल तक यौन शोषण करने के मामले में दोषी करार अभियुक्त सुनील मुंडा उर्फ सुमित कुमार पाहन को 10 साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही, उस पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माने की राशि नहीं देने पर उसे अतिरिक्त जेल काटनी होगी। अदालत ने उक्त आरोप में 21 जून को दोषी पाया था। अभियुक्त ने जब शादी करने से इनकार किया तो पीड़िता ने बरियातू थाना में 2017 में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि पीड़िता नर्स का काम करती थी। अभियुक्त सुनील इलाज के बहाने पीड़िता के घर आता रहता था। इसी क्रम में आरोपी ने पीड़िता से नजदीकियां बढ़ाई और दोनों के बीच दोस्ती हुई, जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गया। एक दिन आरोपी ने शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद वह लगातार शारीरिक शोषण करता रहा। शादी करने के नाम पर वह टाल मटोल करता रहा। मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से ठोस साक्ष्य प्रस्तुत किया गया है। इसके आधार पर अदालत ने अभियुक्त को दोषी पाया है।

सीएम चंपई सोरेन से रेसलर विकास कच्छप ने मुलाकात की

मुख्यमंत्री ने सब जूनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी विकास कच्छप को दी बधाई

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। अंडर-17 सब जूनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता रेसलर विकास कच्छप ने शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में मुख्यमंत्री चंपई सोरेन से मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रेसलर विकास कच्छप को उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनायें दी।

मौके पर मुख्यमंत्री को रेसलर विकास कच्छप ने जोर्डन में आयोजित हुये अंडर 17 सब जूनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप प्रतियोगिता में भाग लेने से लेकर कांस्य पदक जीतने तक की यात्रा एवं अनुभव से अवगत कराया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उनसे कहा कि आप आगे भी इसी तरह मेहनत करते रहें। आप जैसे खिलाड़ियों पर राज्यवासियों को गर्व है।

मालूम हो कि रेसलर विकास कच्छप झारखंड राज्य खेल प्रोत्साहन सोसाइटी में रहकर प्रक्षिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। विकास कच्छप राज्य के पहले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित अंडर-17 कुश्ती प्रतियोगिता में पदक जीता है। इस अवसर पर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, सुखमनी तिर्की सहित उनके अन्य परिजन उपस्थित थे।

विभिन्न वादों के निस्तारण में मध्यस्थों और अधिवक्ताओं की भूमिका अहम : न्यायायुक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायामूर्ति-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा सुजित नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश तथा न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष डालसा के मार्गदर्शन में व्यवहार न्यायालय, रांची में आयोजित पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का समापन शुक्रवार को हो गया।

विशेष मध्यस्थता अभियान के अंतिम दिन कुल 39 मामले विभिन्न न्यायालय से स्थानांतरित होकर मध्यस्थता केंद्र रांची में आये थे। इनमें से कुल 37 मामलों को सुलझाने में सफलता मिली। पहले दिन कुल -30, दूसरे दिन-17, तीसरे दिन - 47, चौथे दिन - 41 एवं अंतिम दिन 37 वादों को मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाने में सफलता मिली। वादों के निस्तारण में व्यवहार न्यायालय के मध्यस्थों और अधिवक्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में खाद्य आपूर्ति से संबंधित समीक्षा बैठक

6 महीने से खाद्यान्न का उठाव नहीं करनेवाले कार्डधारियों का राशन कार्ड रद्द करने का निर्देश

पेट्रोल पर सब्सिडी पर भी समीक्षा हुई

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रांची जिला में जिन गुलाबी और हरा राशन कार्डधारियों ने पिछले 6 महीने से खाद्यान्न का उठाव नहीं किया है, उनका राशन कार्ड रद्द किया जायेगा। उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, रांची राहुल कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को खाद्य आपूर्ति से संबंधित बैठक के दौरान इस संबंध में निर्देश दिये। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप भगत, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी मोनी कुमारी, जिला के सभी पणन पदाधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी/कर्मी उपस्थित थे।

बैठक में मई एवं जून 2024 के लिए एनएफएसए योजनान्तर्गत एवं जुलाई एवं अगस्त 2023 के लिए जेएसएफएसएस योजनान्तर्गत खाद्यान्न का डोर स्टेप डिलीवरी लिफ्टिंग एवं खाद्यान्नों की स्थिति, अक्टूबर से दिसम्बर 2023 के लिए नमक, चीनी एवं अप्रैल 2024 में चना दाल के उठाव एवं वितरण की स्थिति, द्वितीय छमाही के लिए सोना सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना की स्थिति, पेट्रोल पर सब्सिडी देने के लिए सीएम-सपोर्ट की स्थिति आदि की समीक्षा की गयी।

खाद्यान्न वितरण में अनिमितता बरतने वालों पर होगी कार्रवाई

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत मई एवं जून 2024 तथा झारखण्ड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना अंतर्गत जुलाई एवं अगस्त 2023 तक खाद्यान्न का डीएसडी लिफ्टिंग एवं खाद्यान्नों की स्थिति की प्रखण्डवार समीक्षा करते हुए उपायुक्त द्वारा सभी प्रखण्डों में खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी को उपायुक्त ने खाद्यान्न वितरण में अनिमितता बरतने वाले जनवितरण प्रणाली दुकानदारों के विरुद्ध जांच कर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। कम खाद्यान्न वितरण पर डीएसओ द्वारा बताया गया कि कई राशन कार्डधारी राशन का उठाव नहीं कर रहे हैं, इस पर उपायुक्त द्वारा 6 महीने से खाद्यान्न का उठाव नहीं करनेवाले कार्डधारियों का राशन कार्ड रद्द करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्डधारियों के कार्ड डिलीशन का प्रोसेस रेग्युलर रखें।

पीडीएस डीलर्स को शोकॉज करने का निर्देश

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने 50 प्रतिशत से कम चीनी वितरण करनेवाले पीडीएस डीलर को शोकॉज करने को कहा। जिला आपूर्ति पदाधिकारी को इस संबंध में निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि जिन प्रखण्डों में नमक का वितरण नहीं किया गया है, वहां के जनवितरण प्रणाली दुकानदारों को भी शोकॉज करें। पीवीटीजी डाकिया योजनान्तर्गत खाद्यान्न का वितरण की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने वितरण और ऑनलाइन रिफ्लैक्शन में सुधार के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि पीवीटीजी डाकिया योजना अंतर्गत कार्ड का डिलीशन बिना वेरिफाई किये न करें। ई-आरसीएमएस में डीएसओ स्तर पर लंबित आवेदनों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा विभिन्न कैटेगरी में लंबित आवेदनों के निष्पादन का निर्देश दिया गया। मोबाईल सीडिंग, पेट्रोल पर सब्सिडी देने के लिए सीएम सपोर्ट ऐप की स्थिति, सोना सोबरन धोती-साड़ी वितरण योजना आदि की समीक्षा करते हुए भी उपायुक्त द्वारा उचित व आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

हेमंत सोरेन का हुआ स्वागत, अन्याय के खिलाफ न्याय की जीत : महताब अंसारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पांच महीने बाद जेल से रिहा हुए पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा, युवा मोर्चा रांची जिला के संयुक्त सचिव महताब अंसारी ने अपने नेता हेमंत सोरेन को फूलों की माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया। महताब अंसारी ने कहा आज झारखंडियों के लिए खुशी का दिन है। ऐसी खुशी मानो ईद, सरहुल, होली जैसा त्योहार है। हेमंत सोरेन जी की रिहाई खुशी लेकर आई है। स्वागत करनेवालों में धर्मेंद्र सिंह, अबुतलीब अंसारी, अंशु लकड़ा, सोहैल अंसारी, हाफिज अंसारी, फिरोज अंसारी शामिल थे।

आज से मॉनसून पकड़ेगा रफ्तार

रांची, गढ़वा, पलामू, चतरा, लोहरदगा, हजारीबाग, लातेहार और कोडरमा में भारी बारिश का येलो अलर्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड में मॉनसून के प्रवेश करने के एक सप्ताह बाद 28 जून को मॉनसून पूरे झारखंड में पहुंच गया। बता दें दक्षिण-पश्चिम मॉनसून छह दिन की देरी के बाद 21 जून को झारखंड में प्रवेश कर चुका था। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून पश्चिमी राजस्थान के कुछ और हिस्सों, पूर्वी राजस्थान के बचे हुए हिस्सों, हरियाणा के कुछ हिस्सों, पूरी दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ और हिस्सों, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार के बचे हुए हिस्सों, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ और हिस्सों और उत्तराखंड के बचे हुए हिस्सों में आगे बढ़ा।

मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया शनिवार से लगभग पांच दिनों तक पूरे राज्य में बारिश होने की संभावना है। रांची, गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, लोहरदगा, रांची, हजारीबाग और कोडरमा में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान गर्जन के साथ वज्रपात की संभावना है। पिछले 24 घंटे में राज्य में कुछ स्थानों पर गर्जन और आंधी के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई। सबसे अधिक वर्षा 32.4 एमएम मुसाबानी (पूर्वी सिंहभूम) में दर्ज किया गया। सबसे अधिक उच्चतम तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस डाल्टेनगंज में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज किया गया।

राज्य के बैंक केसीसी के तहत किसानों के वित्त पोषण पर भी ध्यान दें : रामेश्वर उरांव

एसएलबीसी की 87वीं बैठक में कहा- राज्य के बैंक ऋण प्रवाह में कर रहे हैं सहयोग

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की 87 वीं बैठक शुक्रवार को होटल रेडिसन ब्लू, रांची में हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वित्त मंत्री, झारखंड सरकार, डॉ. रामेश्वर उरॉव, विशिष्ट अतिथि कृषि मंत्री झारखंड सरकार बादल पत्रलेख और बैठक के अध्यक्ष बैंक ऑफ इंडिया, प्रधान कार्यलय के कार्यपालक निदेशक एम कार्तिकेयन के स्वागत के साथ हुआ। बैठक की औपचारिक शुरूवात एसएलबीसी- क्षेत्रिय महाप्रबंधक बैंक ऑफ इंडिया के मनोज कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुआ। उन्होंने बताया कि एसएलबीसी झारखंड को वर्ष 2023-24 मे पीएफआरडीए द्वारा अटल पेंशन योजना के तहत लक्ष्य का 158% हासिल करने के लिए मध्यम श्रेणी के राज्यों मे अवार्ड ऑफ अल्टीमेट लीडरशीप प्राप्त हुआ है। इस कार्य के लिए उन्होने ने सभी बैंक एव एलडीएमएस को बधाई दी। उन्होंने मौजूदा वित्तीय वर्ष मे ऋण-जमा अनुपात में आई वृद्धि का जिक्र किया एवं बताया की राज्य के ऋण जमा अनुपात में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है जो दशार्ता है कि राज्य के बैंक ऋण प्रवाह में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने एसएलबीसी के मार्च 2024 की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए राज्य के बैंकों से अनुरोध किया किया कि राज्य के सभी छात्र-छात्राओं के लिए झारखंड सरकार द्वारा प्रस्तावित गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड स्कीम में पूर्ण रूप से अपनी सहभागिता दिखाने का काम करें। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि वित्त मंत्री झारखंड सरकार डॉ. रामेश्व उराँव ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति झारखण्ड के सदस्य बैंकों को राज्य के आर्थिक योगदान मे मदद प्रदान करने के लिए धन्यवाद दिया साथ ही बैंकों को राज्य की ग्रामीण जनता के हितों को ध्यान मे रखकर कार्य करने की सलाह दी। उन्होंने कृषि क्षेत्र के महत्व के बारे में बात की और सभी बैंकों से केसीसी के तहत किसानों को वित्तपोषण पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। विशिष्ट अतिथि कृषि मंत्री झारखंड सरकार बादल पत्रलेख ने राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति झारखण्ड के सदस्य बैंकों को राज्य के किसानो को केसीसी के अंतर्गत दिये गए ऋण में झारखण्ड सरकार द्वारा चलाये जा रहे ऋण माफी अभियान को 3 महीने के अंदर पूर्ण रूप से पुरा करने का आग्रह किया है। वहीं उन्होंने अध्यक्ष एसएलबीसी को इसमे बैंको को सही मार्गदर्शन देते हुए, ऋण माफी अभियान को सफल करने का आग्रह किया। बैंक ऑफ इंडिया, प्रधान कार्यलय के कार्यकारी निदेशक सह राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति झारखण्ड के अध्यक्ष, एम कार्तिकेयन ने सभा मे उपस्थित सभी बैंकों के राज्य प्रमुख, अग्रणी जिला प्रबन्धक एवं मंचासीन गणमान्यों का अभिनंदन किया।

देश के आर्थिक विकास तथा वित्तीय समावेशन मे बैंकों की अहम भूमिका के बारे मे सभी सदस्यों को अवगत कराया एवं झारखण्ड राज्य के एकीकृत विकास मे राज्य सरकार के सहयोग की प्रशंसा की। कार्यकारी निदेशक ने राज्य के बैंकों से कृषि एवं संबन्धित गतिविधियों मे जैसे बकरी पालन, सुकर पालन, मछली पालन इत्यादि गतिविधियों के लिए ज्यादा से ज्यादा ऋण प्रवाह करने का आग्रह किया। कार्यक्रम मे क्षेत्रीय निदेशक, भारतीय रिजर्व बैंक, रांची क्षेत्रीय कार्यालय, प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने भारतीय रिजर्व बैंक की अग्रणी बैंक योजना की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए जिला स्तरीय विभिन्न बैंकिंग कमिटी की बैठक मे सार्थक परिचर्चा करने के विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य मे संचालित 88 सीएफएल प्रोग्राम के बारे मे सदन को अवगत कराते हुए राज्य मे सीएफएल द्वारा 4.00 लाख से अधिक लोगों को विगत वर्षो मे वित्तीय साक्षर करने की जानकारी प्रदान की। नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय, झारखंड के मुख्य महाप्रबंधक सुनील कृष्णा जहांगीरदार ने सभी बैंकों को राज्य के विकास मे योगदान देने हेतु आभार प्रकट किया एवं बैंकों को कृषि ऋण विशेषकर पशुपालन एवं मत्स्य पालन हेतु राज्य के संबन्धित विभागों से परस्पर संबंध स्थापित कर बैंकों को ग्रामीण क्षेत्रों की आमदनी बढ़ाने मे सहयोग का आह्वान किया। बैठक में धन्यवाद ज्ञापन एसएलबीसी के उपमहाप्रबंधक सीएचगोपाला कृष्णन ने किया। बैठक में सभी बैंको के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी मौजूद थे।

खबर एक नजर में

अधिवक्ता परिषद की इकाई ने स्टडी सर्किल आयोजित की

रांची। अधिवक्ता परिषद की इकाई ने शुक्रवार को सिविल कोर्ट रांची के फोर्टी कोर्ट्स के मध्यस्थता केंद्र के सभागार में स्टडी सर्किल का आयोजन किया। इसमें लोक अभियोजक अनिल सिंह, अवकाश प्राप्त न्यायाधीश कृष्ण कुमार, अधिवक्ता अखौरी अंजनी कुमार, स्टडी सर्किल के प्रमुख सुरोजित कुमार रॉय ने भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में विस्तार से बताया। वक्ताओं ने कहा कि भारतीय न्याय संहिता में कुल 358 धाराएं हैं और उसमें 20 नये अपराध को परिभाषित किया गया है। इनमें स्नेचिंग से लेकर मॉब लिंचिंग शामिल किया गया है। साथ ही, 33 अपराधों में सजा को बढ़ाया गया है। साथ ही 83 ऐसी धाराएं या अपराध हैं जिनमें जुर्माने की राशि भी बढ़ा दी गई है। ऐसे 23 अपराध हैं जिनमें न्यूनतम सजा का जिक्र नहीं था जिसें न्यूनतम सजा को शुरू किया गया है। मालूम हो कि हाल में केंद्र सरकार ने आईपीसीए सीआरपीसी में बदलाव करते हुये नये कानून को लागू कर रही है। उक्त तीनों नये कानून एक जुलाई से प्रभावी होंगे। कार्यक्रम का संचालन परिषद के अध्यक्ष प्रदीप चौरसिया व महामंत्री विजय पांडेय ने किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र कृष्णा, कोषाध्यक्ष शिवशंकर साहू, श्यामा राम सहित अन्य परिषद के सदस्य मौजूद थे।

बीआरपी-सीआरपी की सेवाशर्त नियमावली कैबिनेट ने की अनुमोदित, संघ ने राज्य सरकार को दी बधाई

रांची। बी.आर.पी. सी.आर.पी. की सेवाशर्त नियमावली कैबिनेट द्वारा शुक्रवार को अनुमोदित कर दिया गया। इस खुशी के मौके पर बीआरसीसीआरपीएसएस संघ झारखंड के अध्यक्ष कृष्णा प्रसाद ने सरकार को बधाई दी है,और कहा कि स्व. जगन्नाथ महतो, पूर्व शिक्षा मंत्री के अधूरे कार्य बी.आर.पी. सी.आर.पी. की सेवाशर्त नियमावली को कैबिनेट से पास कराकर उन्हें सच्ची श्रद्धांजली देने का कार्य झारखण्ड सरकार ने किया है। आज हम सभी साथी अपने पूर्व शिक्षा मंत्री टाईगर महतो को अविस्मरणीय पल में अपने बीच न पाकर काफी मायुस है, किन्तु संतोष इस बात का है कि उनके अधुरे कार्य को चम्पई सरकार ने पूर्ण किया। बी.आर.पी. सी.आर.पी. एस.एस. संघ, झारखण्ड प्रदेश राज्य परियोजना निदेशक, झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद्, रॉची, विभागीय सचिव, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखण्ड सरकार एवं मुख्यमंत्री, झारखण्ड सरकार को धन्यवाद देती है। उन्होंने आगे कहा कि सभी के समेकित प्रयासों से अत्यन्त अल्प मानदेय एवं बिना किसी बुनियादी सुविधा के 19 वर्षों की लगातार सेवा के उपरांत बी.आर.पी. सी.आर.पी के लिए आज ऐतिहासिक दिन है।

एक और पांच जुलाई को देर से चलेगी क्रिया योग एक्सप्रेस

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल के अंतर्गत सांकराईल सांतरागाछी रेलखंड पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाना है। इसके लिये रेलवे ने क्रिया योगा एक्सप्रेस के प्रस्थान समय में बदलाव किया है। इसमें ट्रेन संख्या 18616 हटिया हावड़ा क्रिया योग एक्सप्रेस एक जुलाई को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 1 घंटे विलंब से हटिया से प्रस्थान करेगी। ट्रेन संख्या 18616 हटिया हावड़ा क्रिया योग एक्सप्रेस पांच जुलाई को अपने निर्धारित प्रस्थान समय के स्थान पर 2 घंटे विलंब से हटिया से प्रस्थान करेगी।

प्रतिभा सम्मान समारोह की मुख्य अतिथि होगी कल्पना मुर्मू सोरेन

रांची। प्राइवेट स्कूल्स एंड चिल्ड्रेन वेलफेयर एसोसिएशन के झारखण्ड के कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद उस्मान ने शुक्रवार को प्रेस वयान जारी कर बताया कि कड़रु में जामिआ बैंक्विट हॉल में आगामी 1 जुलाई को 12वां प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी पूर्णरूप से चल रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष शमायल अहमद की अध्यक्षता में पुन:12वीं बार पासवा झारखण्ड द्वारा मैट्रिक एवं इंटर के जैक,सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड के प्रतिभाशाली छात्रों को सम्मानित किया जाएगा। इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि कल्पना मुर्मू सोरेन गांडेय विधायक झारखंड, उद्घाटनकर्ता सैयद शमायल अहमद होंगे। वहीं अतिथियों में डॉ अनिल कुमार महतो चेयरमैन जैक, धनंजय किशोर रिटायर ऑफिसर एयर इंडिया, एम सायद पेट्रोन अडारे-शरिया, मो असलम एक्स वार्ड कॉउन्सिलर होंगे।

संत अलोइस इंटर कॉलेज में विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों का स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। संत अलोइस इंटर कॉलेज में नए सत्र 2024-26 के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों का स्वागत समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया। प्राचार्य ब्रदर क्लेमेंट कडुंलना एवं वरीय शिक्षक इग्नासियुस बारला, आलोक असीम कुजूर एवं विकास कुमार के द्वारा दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। प्राचार्य ब्रदर क्लेमेंट कडुंलना ने इस अवसर पर छात्रों के शैक्षणिक एवं सर्वांगीण विकास पर जोर दिया। शिक्षक विकास कुमार ने अपने भाषण में छात्रों से अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर द्वितीय वर्ष के छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। समारोह में वरीय शिक्षक रवि शंकर कुमार, सुनीता रॉय, रेवा ठाकुर, फिलीसिता एक्का, स्टेला बोदरा, प्रियंका लकड़ा, शिल्पी मिश्रा, सुदीप्त एक्का, अमित कुजूर, रवि शंकर महतो उपस्थित थे।

जयंती पर प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने स्व. पीवी नरसिम्हा राव को याद किया

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय पीवी नरसिम्हा राव की जयंती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री राव को विद्धान, राजनीतिज्ञ तथा कई भाषाओं का ज्ञाता थे। वक्ताओं ने कहा कि इनके प्रधानमंत्रित्व काल में देश का समग्र विकास हुआ। स्व. राव के कार्यकाल में ही आर्थिक सुधार की बुनियाद रखी गयी, जिसके कारण आज भारतवर्ष विकसित देशों के समकक्ष खड़ा है। अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में स्व. राव ने जिस तरह से सरकार को स्थायित्व प्रदान की वह भी अनुकरणीय है। एक किसान परिवार में पैदा होकर देश की सत्ता के सर्वोच्च शिखर तक की सफर से हम सबों को सीखने एवं उसका अनुकरण करने का प्रयास ही उनके प्रति सही सम्मान है।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने किया मेगा रिटेल एक्सपो का आयोजन

रांची। ग्राहकों की खुदरा ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा अंचल कार्यालय, के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय कार्यालय राँची द्वारा शुक्रवार सुबह से श्यामली कॉलोनी में मेगा रिटेल एक्सपो का आयोजन किया गया। मेगा रिटेल एक्सपो कार्यक्रम का उदघाटन राजकुमार सिन्हा, मुख्य महाप्रबंधक-वित्तपोषण, सेल, आलोक कुमार, क्षेत्र प्रमुख, शशिकांत, उप-अंचल प्रमुख, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के करकमलों से किया गया। रिटेल एक्सपो कार्यक्रम का सफलतम आयोजन यूनियन बैंक ऑफ इंडिया उप-क्षेत्र प्रमुख विभाष कुमार व नीरज कंधवे के संरक्षण में किया गया। इस कार्यक्रम में राँची के प्रतिष्ठित बिल्डरों एवं कार डीलरों को बैंक के विभिन्न ग्राहकों को खुदरा ऋण का लाभ प्रदत करने के उद्देश्य से आमंत्रित किया गया। एक्सपो में सभी ग्राहकों को न्यूनतम ब्याज दर, त्वरित मंजूरी, बिना प्री क्लोजार चार्ज तथा और भी अन्य सुविधाओं सहित रिटेल लाभ प्रदान किए गए। कार्यक्रम में कुल 22 करोड़ के खुदरा ऋण की मंजूरी प्रदान की गई, जिसमें से 7.50 करोड़ रुपये की त्वरित मंजूरी प्रदान की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में यूनियन बैंक के विपणन अधिकारियों एवं शाखा प्रमुखों की अहम योगदान रहा।

अमरनाथ यात्रियों का जत्था रवाना

रांची। अमरनाथ यात्रियों का जत्था शुक्रवार को रांची रेलवे स्टेशन से जम्मू के लिए प्रस्थान किया। स्टेशन पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता आलोक कुमार दूबे ने सभी यात्रियों को रवाना किया। महिला ,पुरुष एवं बच्चों को लगाकर लगभग 60 यात्री अमरनाथ के लिए प्रस्थान किये। बाबा बफार्नी के दर्शन को लेकर भक्तों में खासा उत्साह और जोश था। सभी यात्री 2 जुलाई को बाबा बफार्नी के दर्शन करेंगे। 3 जुलाई को वैष्णो देवी के लिए प्रस्थान करेंगे। 6 जुलाई को जम्मू से दिल्ली और फिर दिल्ली से 8 जुलाई को वापस रांची आएंगे। अमरनाथ जाने वाले यात्रियों में नवीन सिंह, संजय झा, विजय कुमार, गौतम दूबे(गोपी), अवधेश कुमार, बबलू मोहंती, अशोक कुमार, विनोद कुमार सिन्हा, धर्मेंद्र कुमार, अजित कुमार, नवीन केशरी, आलोक शर्मा, विनका देवी, विपिन कुमार, राजेश कुमार, अतुल कुमार, संजीव कुमार शामिल है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्य के विभिन्न प्रखंडों में आजसू का हल्ला बोल कार्यक्रम आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राज्य के हर वर्ग के लोगों को भ्रष्टाचार की वजह से आज कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। छात्र अपने जाति व आवासीय प्रमाण पत्र बनाने में हो रही देरी से परेशान हैं तो अबुआ आवास का लाभ उचित लाभार्थियों को मिलने की जगह जिनके पास पैसे हैं उन्हें मिल रहा है। भ्रष्टाचार ने हर विभाग हर कार्यालय को खोखला कर दिया है जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है। इन्हीं समस्याओं को लेकर आजसू पार्टी राज्य के सभी प्रखंड और नगर ईकाई कार्यालयों में हल्ला बोल कार्यक्रम कर रही है। हल्ला बोल कार्यक्रम के तीसरे दिन पार्टी पदाधिकारियों द्वारा विभिन्न प्रखंड व नगर इकाई कार्यालयों में संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा कर जनता को आ रही सभी समस्याओं का अविलंब समाधान करने का आग्रह किया गया। आज रांची जिला के अनगड़ा प्रखंड, पूर्वी सिंहभूम के जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति, हजारीबाग जिला के बरही और विष्णुगढ़, बोकारो के चंदनकियारी, देवघर के देवीपुर, पलामू के छतरपुर, गिरिडीह जिला के डुमरी और गढ़वा के मेराल प्रखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ पार्टी पदाधिकारियों द्वारा ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में जमीन के दाखिल खारिज के आवेदनों पर कार्रवाई करने, अबुआ आवास के चयन में पारदर्शिता, मनरेगा से संबंधित भुगतान शीघ्र करने और योजनाओं का क्रियान्वयन करने, छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न - प्रमाण पत्र बनाने में शीघ्रता लाने, किसानों को समय पर खाद बीज की आपूर्ति करने, विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार, सरकारी कर्मियों की कार्यालय में समय पर उपस्थिति सुनिश्ति करने, झारखंड आंदोलनकारी को सरकारी योजनाओं में प्राथमिकता देने, पेंशनधारियों को नियमित भुगतान करने, राशन कार्ड धारियों को समय पर राशन आपूर्ति, खराब पड़े चापाकलों की शीघ्र मरम्मत समेत अन्य समस्याओं के जल्द समाधान की मांग की गई।

खेलगांव में वज्रकीट पकड़ाया, ग्रामीणों ने पुलिस को सौंपा

रांची। खेलगांव में शुक्रवार की देर शाम वज्रकीट को पकड़ा गया। बज्रकीट को पकड़ कर ग्रामीणों ने खेलगांव थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने इस संबंध में वन विभाग को सूचित कर दिया है। वन विभाग की टीम वहां पहुंची और वज्रकीट को बिरसा जैविक उद्यान भेज दिया गया।

रिपोर्ट के आधार पर सरकार को रबी फसल की एमएसपी तय करने में मिलेगी मदद

रांची में सीएसीपी की बैठक में पांच राज्यों के कृषि विशेषज्ञों ने की अमंत्रणा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। किसानों को उनकी फसल की लागत के अनुरूप कीमत मिले, इसके लिए केंद्र सरकार अब गंभीर और सार्थक प्रयास कर रही है। शुक्रवार को वर्ष 2025-26 में देश के पूर्वी राज्यों के अन्नदाता किसानों को उनकी रबी फसल जैसे गेहूं, बार्ली, चना, मसूर,सरसों-राई, सूरजमुखी की खेती में लागत मूल्य जानने के लिए उच्च स्तरीय बैठक हुई। जिसमें भारत के पांच पूर्वी राज्य बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के कृषि पदाधिकारियों के साथ-साथ दिल्ली से सीएसीपी (कमीशन फॉर एग्रिकल्चरल कॉस्ट एंड प्राइस) के निदेशक प्रो. विजय पॉल शर्मा, कमीशन के मेंबर सेक्रेटरी अनुपम मित्रा और कमीशन के मेंबर ऑफिशियल डॉ नवीन प्रकाश सिंह, झारखंड कृषि निदेशालय के निदेशक डॉ कुमार ताराचंद बैठक में शामिल हुए। सीएसीपी के निदेशक प्रो. विजय पॉल शर्मा ने बताया कि पूर्वी भारत के पांच महत्वपूर्ण राज्यों के कृषि पदाधिकारियों, कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और अन्य विशेषज्ञों के साथ एक प्लेटफॉर्म पर इसलिए बैठे हैं, क्योंकि हमें आगामी वर्ष 2025-26 के लिए रबी फसलों का लागत मूल्य जानना है। किस राज्य में रबी की अमुक फसल को उगाने में किसान को कितना खर्च करना पड़ता है अन्य राज्यों में उसी फसल का उत्पादन कॉस्ट क्या है। यह जानने के बाद एक रिपोर्ट कमीशन तैयार करेगा। जिसके आधार पर भारत सरकार को रबी फसलों की एमएसपी तय करने में आसानी होगी और रबी फसल उत्पादक किसानों को इसका लाभ मिलेगा।

रबी फसल की एमएसपी तय करने में राज्य सरकार को रिसर्च से मिलेगी सहूलियत

डॉ पॉल ने कहा कि सीएसीपी का मुख्य लक्ष्य यह जानना है कि पूर्वी भारत के राज्यों के किसानों को रबी फसल उत्पादन में क्या-क्या परेशानी आती है और उनकी फसलों का लागत मूल्य क्या है, ताकि एमएसपी के तहत आनेवाली रबी फसलों का नया न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने में कोई दिक्कत न हो। बैठक में बीएयू (बिरसा एग्रिकल्चर यूनिवर्सिटी)के प्रो डॉ बीके झा, समिता के निदेशक विकास कुमार, उपनिदेशक समेति अभिषेक तिर्की सहित बिहार, झारखंड, छतीसगढ़, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया।

दलहन, तिलहन और मोटे अनाज की खेती पर जोर

बैठक के दौरान सीएसीपी के निदेशक प्रोफेसर विजय पॉल शर्मा ने कहा कि झारखंड प्रदेश में तिलहन, दलहन और मिलेट्स की खेती की अपार संभावनाएं हैं। इस दिशा में भारत सरकार विशेष पहल कर रही है, ताकि झारखंड राज्य के किसानों के जीवन को समृद्ध बनाया जा सके।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने नेशनल इंटर स्कूल इंटर डिसिप्लिनरी आर्ट्स कॉन्क्लेव प्रतिध्वनि की मेजबानी की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में 28 से 30 जून तक आयोजित नेशनल इंटर स्कूल इंटर-डिसिप्लिनरी आर्ट्स कॉन्क्लेव के दूसरे संस्करण प्रतिध्वनि का शानदार उद्घाटन हुआ। यह कॉन्क्लेव सरला बिरला की जन्म शताब्दी को समर्पित है। इस शानदार कार्यक्रम में पूरे भारत के 35 स्कूलों के 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों और प्रतिभागियों के स्वागत के साथ हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बीबीएमकेयू, धनबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) अंजनी कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे। अन्य गणमान्य अतिथियों में सरला बिरला विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रोफेसर (डॉ) वी.के. सिंह, जेवीएम, श्यामली के प्राचार्य समरजीत जाना, और गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, कमड़े की प्राचार्या शालिनी ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को सफल बनाया। निर्णायक मंडल में कला एवं संस्कृति क्षेत्र के विशेषज्ञ शामिल थे। दीप प्रज्वलन से शुभ दिन की शुरूआत हुई इसके बाद स्वागत नृत्य हुआ। प्राचार्या ने भाग लेने वाले स्कूलों को संबोधित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रतिभागी स्कूलों को प्रतियोगिता के सामान्य नियमों से अवगत कराया गया।

तीन दिवसीय कार्यक्रम में सामान्य प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, क्वाट्रेर्ट अंग्रेजी में प्रायोगिक थिएटर प्रोडक्शन, फ्रेम्स- कैमरे के लिए पश्मि नृत्य, टॉर्क-एकीकृत नृत्य संवाद, संदर्भ- गीतों और शब्दों के माध्यम से एक यात्रा, सेमियो टेक्स्ट विजुअल आर्ट जैसी प्रतियोगिताओं की एक श्रृंखला तथा बहु-प्रारूप वाद-विवाद और रचनात्मक लेखन जैसी प्रतियोगिताएं शामिल की गई हैं। प्रथम दिन आयोजित प्रतियोगिताएँ पुरस्कार वितरण के साथ समापन हुई। मुख्य अतिथि प्रोफेसर (डॉ.) अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने इस भव्य कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए स्कूल को धन्यवाद दिया। उन्होंने जी. डी. बिरला से जुड़ी अपनी यादें साझा की और सभी को उनके दूरदर्शी व्यक्तित्व के बारे में बताया। उन्होंने समाज में श्रीमती सरला बिरला के योगदान और पूरे भारत में 45 स्कूलों की स्थापना में उनके प्रयासों के बारे में भी बात की।

स्पीड न्यूज

इटकी : ट्रक-पिकअप वैन की भिड़ंत में चालक घायल

इटकी। रांची-गुमला मार्ग पर पलमा बस्ती के समीप गुरुवार की रात करीब पौने दस बजे ट्रक और पिकअप वैन में सीधी भिड़ंत हो गयी। जिससे पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। पिकअप चालक फिरोज खान स्टेरिंग में फंस कर गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से पिकअप में फंसे हुए चालक को बाहर निकाल इलाज के लिए बेड़ो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। पिकअप खिरा लादकर रांची की ओर जा रहा था जबकि ट्रक गुमला की ओर जा रही थी। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना में रांची से गुमला जाने वाली वन वे सड़क करीब दो घंटे जाम रहा। सूचना पर घटना स्थल पहुंची इटकी पुलिस द्वारा दुर्घटनाग्रस्त वाहन को जेसीबी से हटवा कर सड़क पर आवागमन चालू कराया गया।

उग्रवादियों के खिलाफ चला सर्च अभियान

ठाकुरगांव। ठाकुरगांव पुलिस ने शुक्रवार को थाना क्षेत्र में उग्रवादियों के खिलाफ सर्च अभियान चलाया। इस दौरान थाना प्रभारी विनीत कुमार के नेतृत्व में एसएसबी की टीम और सुरक्षा बलों ने बगदा, बेती, मुरेठा, मेड़ी और पतरातू आदि गांवों के जंगलों में सघन अभियान चलाया। विदित हो कि कि दो दिन पहले ठाकुरगांव के करंजुआ टोली में उग्रवादियों ने हवाई फायरिंग किया था। पुलिस इस घटना को लेकर वरीय अधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया। थाना प्रभारी विनीत कुमार ने कहा कि भविष्य में भी उग्रवादियों के विरुद्ध अभियान चलाया जाएगा।

हरहंजी विद्यालय में प्रबंध समिति का चुनाव

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के हरहंजी गांव स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय में शुक्रवार को विद्यालय प्रबंध समिति का चुनाव संकुल साधन सेवी विकास कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में शांति पूर्वक संपन्न हुआ। जिसमें भीम गोप प्रबंध समिति के अध्यक्ष चुने गए। वही सचिव प्रभारी प्रधानाध्यापिका अर्पणा तिग्गा व सुनीता तिग्गा को उपाध्यक्ष शिवनारायण गोपए सुषमा मुंडाएप्रतिमा देवी सदस्य चुने गए। वही बाल सांसद पुष्पा कुमारी व करमु कांडिर को चुना गया। मौके पर मनबोध सिंहए सुमित्रा लकड़ाए टिंकू सिंह एतवा लोहरा केशव गोप प्रमिला देवी रीता देवी हिमकांति लता देवी पूनम कुमारी सहित बच्चों के अभिभावक मौजूद थे।

प्रखंड कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आजसू का हल्ला बोल

अनगड़ा प्रखंड कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन

खबर मन्त्र संवाददाता

अनगड़ा। प्रखड में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अफसर शाही के विरोध में प्रखंड आजसू पार्टी के अध्यक्ष जगरनाथ महतो के नेतृत्व मे पार्टी का हल्ला बोल कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को प्रखंड मुख्यालय के मुख्य गेट के सामने धरना और प्रदर्शन किया गया। मौके पर आजसू पार्टी के केन्द्रीय सचिव सह पूर्व प्रत्याशी पारसनाथ उरांव ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की लापरवाही के कारण गत दिनों तूफान से उजड़े घर और छत के पीड़ित परिवारों को आज तक मुवाजा नही मिला। कहा कि प्रखंड स्तर पर ग्रामीण चक्कर लगाते लागते थक जाते हैं। लेकिन प्रखंड में अफसरशाही हावी है। चेतावानी दी गयी कि इनका जल्द समाधान नही हुआ तो उग्र आंदोलन होगा। केंद्रीय सचिव राजेंद्र साही मुंडा ने कहा आजसू अलग राज्य लड़ करके लिया है समस्या का समाधान नही हुवा तो लड़कर समस्या का समाधान करना जानती है। महिला जिला अध्यक्ष वीणा कुमारी ने कहा महिलाओं पर हो रहे अत्याचार आजसू पार्टी बर्दाश्त नही करेगी। बाद मे बीडीओ जयपाल सोय को समस्याओं के समाधान को लेकर एक प्रतिनिधिमण्डल ज्ञापन सौपा।

धरना में थे शामिल

घरना प्रदर्शन में केंद्रीय सचिव जितेंद्र सिंह आतिश महतो रोशन मुंड एबिनोद बर्णवाल शंकर मुंडा महाबीर महतो दिलीप बेदिया योगेंद्र महतो प्रकाश सिंह राजेश पाहन पापु अंसारी अर्जुन राम जगदीश भोगता अजीत महतो संजय महतो किरण देवी निर्मला देवी संगीता देवी वीणा देवी ज्योतिष महतो कृष्ण कन्हैया केसरीअनुज महतो दिलीप पाहन कर्मी देवी संभु सिंह बालेश्वर सिंह घटवार कार्तिक सिंह रन्तु मुंडाए भुनेश्वर बेदिया जयशंकर पाहनएजालेंद्र मुंडा शंकर सिंह सैकड़ो सैकड़ों कार्यकर्त उपस्थित थे। धरना प्रदर्शन का सचालन धरमेन्द्र सिंह ने किया।

रातू : पाली के काली मंदिर से दानपेटी की चोरी, मामला दर्ज

सीसीटीवी के फुटेज से चलेगा चोरी का पता

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। पाली शिव मंदिर परिसर स्थित मां काली मंदिर का दरवाजा तोड़कर तीन अज्ञात अपराधियों ने गुरुवार की रात दानपेटी चोरी कर ली। शुक्रवार की सुबह थाने को इसकी टेलीफोनिक सूचना दी गयी। लेकिन शाम 5 बजे तक कोई भी पदाधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचे। इससे लोग नाराज हैं। पुजारी रामावतार तिवारी ने मंदिर में लगे सीसीटीवी के हवाले से बताया कि रात 10 बजे तीन अज्ञात व्यक्ति मंदिर में आये। आपस में बातचीत की और चले गये। थोड़ी देर बाद वह फिर आये और पेटी लेकर फरार हो गये। घटना की खबर जंगल में आग की तरह फैली। इसके उपरांत ग्रामीणों की ओर से दानपेटी की खोजबीन की गयी। मंदिर से करीब 1 हजार फीट दूरी पर पेटी टूटी हुयी मिली। उससे रुपये गायब थे। देर शाम थानेदार शशिभूषण चौधरी व अवर निरीक्षक बमशंकर यादव पाली गये और लोगों से घटना की जानकारी ली। मामले को लेकर थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

पेटी में थे 50 हजार

श्री तिवारी ने बताया कि दानपेटी को पिछले सावन महीने में खोला गया था। उसके बाद से नहीं खुला था। अनुमान है कि उसमें 50 हजार रुपये थे। उन्होंने जानकारी दी कि फुटेज खंगाले जा रहे हैं। कॉल डंप भी कराया जायेगा। ताकि गुनाहगारों की पहचान हो सके।

हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर झामुमो कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न, बांटी मिठाई

हर्ष का माहौल

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल से बेल मिलने के बाद घर वापस आने पर खलारी प्रखण्ड के झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं ने हिंदू गड़ी चौक के डी में जमकर आतिशबाजी करते हुए लड्डू एवं रसगुल्ला सभी कार्यकताओं ने एक दूसरे को खिलाएं और खलारी के जानताओ के बीच भी लड्डू का वितरण किया गया। इस दौरान एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर खुशी मनाएं। जेएमएम के नेताओ ने केंद्र सरकार के खिलाफ बरसे कहा कि तानाशाही केंद्र सरकार ने बेवजह इडी के माध्यम से 5 महीने तक जेल में रखने का काम किया। जो कि हाईकोर्ट ने माननीय पूर्व मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन को जमानत मिली। जमानत मिलने पर झारखंड के जनता व कार्यकर्ता हाई कोर्ट को सम्मान करते हैं और दिल से आभार प्रकट करते हैं। बेल मिलने की खुशी का नेतृत्वकर्ता खलारी प्रखंड अध्यक्ष अनिल पासवानएचितरंजन सिंहएमुकेश यादव रँथु उराँव थे। इस मौके पर नंदू मेहता महेंद्र चौहान कलम रिजवी चितरंजन सिंह राजेश प्रसाद राजकुमार गंझू नौशाद आलम कमलेश प्रसाद सुधीर चौहान सुभाष प्रजापति अमजद खान पिंटू पांडे एहसान अंसारी सज्जाद अंसारी सचिन सिंह इसराइल अंसारी हैदर अली खान रविंदर यादव विवेक पासवान बीरबल सिंह भोक्ता निखिल चौहान शिवनारायण कुशवाहा मरियाणास किंडो सुनील यादव सत्येंद्र खरवार जालम सिंह अनवर अंसारी सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांके प्रखंड अध्यक्ष ने बांटी मिठाई

कांके। हेमंत सोरेन की शुक्रवार को जेल से जमानत पर हुई रिहाई के बाद झामुमो कांके प्रखंड समिति मे खुशी की लहर देखने को मिली। झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी ने हेमंत सोरेन की रिहाई की जानकारी मिलने के बाद खुेशी से लबरेज होकर क्षेत्र में लोगों के बीच जमकर मिठाई बांटी।

मारुति वैन-बाइक की टक्कर में दो घायल

खलारी। खलारी थाना क्षेत्र के मोहन नगर के समीप मारुति इको वैन व मोटरसाइकिल में टक्कर हो गया। जानकरी के अनुसार खलारी हजारीबाग मुख्यपथ के मोहननगर के पास मारुति इको वैन जेएच01 एफसी 0687 ने मोटरसाइकिल में सावर दो व्यक्तियों को अपने चपेट में ले लिया। घटना लगभग 10रू45 बजे दिन के बताया जाता है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मारुति वैन डकरा के तरफ से खलारी की ओर तेज रफ्तार में जा रहता था। इसी क्रम में बाइक में सवार होकर दो व्यक्ति कुंदन नोनिया और सुनील कुमार चौहान मोहननगर कॉलोनी के तरफ से मुख्य पथ से डकरा की जाने के क्रम में मारुति वैन अपने चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वैन से टक्कर इतनी जोर था कि 50 से 60 मीटर तक घसीटते हुए आगे जाकर रुका। सड़क दुर्घटना में बाइक में सवार दो व्यक्तियों को गंभीर चोट आई है। जिसे ग्रामीणों के मदद से सेंट्रल हॉस्पिटल डकरा लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद राची रेफर कर दिया।

कूदाडीह गांव में लगा नया ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों में हर्ष

सोनाहातू। प्रखंड के जिंतु पंचायत अंतर्गत कुदाडीह गांव में शुक्रवार को विधायक सुदेश महतो के प्रयास से नया ट्रांसफार्मर लगाया गया। गांव में एक पखवाड़े पूर्व ट्रांसफार्मर जल गया था। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी विधायक सुदेश महतो को दिया। विधायक महतो ने तत्काल पहल करते हुए गांव में नया ट्रांसफार्मर भेजा। शुक्रवार को इसे लगा दिया गया।

जिला अभियंता का कार्यालय, जिला परिषद्, लातेहार

अति अल्पकालीन निविदा आमंत्रण-सूचन

निविदा आमंत्रण सूचना संख्या- 07 वर्ष 2024-25
D.M.F.T मद

1. विज्ञापन दाता का नाम : जिला अभियंता, जिला परिषद्, लातेहार।
2. परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि : 06.07.2024 (अपराहन् 03:00 बजे तक)
3. परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान : जिला अभियंता, जिला परिषद्, लातेहार।
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : 08.07.2024 को 03:00 बजे अपराहन् तक
5. निविदा प्राप्ति, का स्थान : जिला नियंत्रण कक्ष, (पुलिस अधीक्षक, लातेहार के कार्यालय के समक्ष)
6. निविदा खोलने की तिथि, समय एवं स्थान : 08.07.2024 को 03:30 बजे अपराहन्, कार्यालय जिला परिशद, लातेहार।
7. कार्य का विस्तृत विवरण :-

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	प्रखण्ड लातेहार पंचायत परसही ग्राम परसही में पंचायत सचिवालय से कानी महुआ तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	16,29,500	33,000.00	5000.00	03 माह
2	प्रखण्ड लातेहार पंचायत परसही ग्राम डुडंगीखूर्द में आंगनबाडी केन्द्र से हिकमत सिंह के घर मेन रोड तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	24,79,000	50,000.00	5000.00	03 माह
3	प्रखण्ड लातेहार पंचायत शीशी ग्राम शीशी में लेवड़ा टांड प्राथमिक विद्यालय से कालीकरण रोड तक पी0सी0सी0 पथ निर्माण।	24,64,300	50,000.00	5000.00	03 माह

8. परिमाण विपत्र भारतीय स्टेट बैंक से निर्गत ही मान्य होगा जो **जिला अभियंता, लातेहार** के पदनाम से देय होगा एवं भारतीय स्टेट बैंक, लातेहार में भुगतेय होगा। परिमाण विपत्र का मूल्य लौटाया नहीं जायेगा।
9. अग्रधन की अंकित राशि (NSC) 05 वर्षीय/03 वर्षीय/डाकघर सावधि जमा पत्र/03 वर्षीय/05 वर्षीय/बैंक सावधि जमा पत्र (F.D) 05 वर्षीय/03 वर्षीय, कम्पनी के मामले में झारखण्ड राज्य के राष्ट्रीयकृत बैंक का B.G जो **जिला अभियंता, लातेहार** के नाम से प्रतिज्ञिप्त (प्लेज) कराते हुए निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
10. उक्त निविदा में जिला परिशद, लातेहार अन्तर्गत समुचित श्रेणी में निबंधित संवेदक जो प्रखण्ड लातेहार से है वही भाग ले सकते है।
11. Ucan Certificate (Updated New Version) की प्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
12. वैसे संवेदक जिनके पास पूर्व से D.M.F.T अन्तर्गत ली गयी योजना लंबित है वैसे संवेदक को B.O.Q नही दिया जाएगा।

जिला अभियंता
जिला परिषद्, लातेहार

PR 328005 Rural Development(24-25)#D

बिजली ट्रांसफार्मर का उद्घाटन, ग्रामीणों में हर्ष

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के सुदूवर्ती गांव रौताजरा में शुक्रवार को नये बिजली ट्रांस्फार्मर का उद्घाटन सदमा पंचायत के मुखिया सुनील उरांव के द्वारा किया गया। मुखिया ने बताया ट्रांसफार्मर जल जाने से पिछले एक सप्ताह से गांव पुरा अंधेरा था। ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बच्चों की पढाई लिखाई वाधित होने के साथ गांव वालों को अपना मोबाईल चार्ज करने में भी परेशानी हो रही थी। रांची लोकसभा सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को गांव की समस्या की जानाककरी होने के दूसरे दि नही विभाग द्वारा नये बिजली ट्रांसफार्मर उपलब्ध करा दिया गया। इधर ट्रांस्फार्मर का उद्घाटन होते ही गांव में विद्युत अपूर्ति बहाल हो गई और गांव जगमगा गई, और ग्रामीणों के हर्षित हो उठे। मौके पर उपस्थित भाजपा के संदीप उरांव, रोपना मुंडा, विक्की साहू, मातिया देवी, कर्मू बैठा, बरतू बैठा, सुरेश कुमार, किशोर कुमार व समूह की दीदियों द्वारा सांसद सह केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ के प्रति अभार जताया गया।

प्रपत्र VI 'क'
समाहरणालय, गढ़वा (जिला भू-अर्जन शाखा, गढ़वा) या समाहर्त्ता या समुचित सरकार

प्रारंभिक अधिसूचना (अधिनियम-30/2013 की धारा-11(1) के अधीन)
अधिसूचना संख्या 466/भू0अ0,गढ़वा, दिनांक 18.06.2024

चूंकि झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता को यह प्रतीत होता है कि ग्राम-केरवा, थाना नं0-128, थाना-रमकंडा, अंचल-रमकंडा, जिला-गढ़वा में भूमि सार्वजनिक प्रयोजन, यथा परियोजना रंका-रमकण्डा पथ (कुल लम्बाई 20.925 कि0मी0) का चौड़ीकरण एवं मजबुतीकरण का कार्य अपेक्षित है। प्रभावित परिवारों के पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन के प्रयोजनार्थ अपर समाहर्त्ता अथवा नियम 2 (1) (ख) के तहत नियुक्त पदाधिकारी प्रशासक के रूप में नियुक्त किए गए है। अतएव अधिसूचित किया जाता है कि ग्राम-केरवा, थाना नं0-128, थाना-रमकंडा, अंचल-रमकंडा, जिला-गढ़वा में उपर्युक्त कथित परियोजना के लिए कमोवेश- **0.891** एकड़ मानक माप का भूखंड, जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है, अर्जनाधीन है :-

क्र.	खाता संख्या	सर्वे प्लॉट संख्या	स्वामित्व का प्रकार	भूमि का प्रकार	अर्जन के अधीन क्षेत्रफल (एकड़ में)	पूरा पता सहित वर्त्तमान रैयत का नाम	सीमा (भूखंड से) उ0	द0	पू0	प0
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	23	410	रैयती	टॉड़ दो	0.04	रेका कोरवा पिता गेयार कोरवा बंधिका रामनाथ ठाकुर पिता केदार ठाकुर	रास्ता	409	411	410
2	34	521	रैयती	टॉड़ दो	0.04	विजय यादव पिता वंशीधर यादव	520	रास्ता	रास्ता	522
3	37	522	रैयती	टॉड़ दो	0.031	1 विजय यादव 2 भारदुल यादव पिता स्व0 वंशीधर यादव	518	523	रास्ता	512
4	34	523	रैयती	टॉड़ दो	0.037	भारदुल यादव पिता स्व0 वंशीधर यादव	522	524	रास्ता	526
5	18	524	रैयती	मकान मय सहन	0.084	विनोद यादव पिता स्व0 वंशीधर यादव	523	रास्ता	रास्ता	525
6	42	525	रैयती	टॉड़ दो	0.079	1 जीतनारायण यादव 2 विनोद यादव पिता स्व0 वंशीधर यादव	526	रास्ता	524	529
7	36	702	रैयती	टॉड़ दो	0.06	1 षिवलाल भुईयां पिता स्व0 बंधन भुईयां राजकुमार भुईयां पिता स्व0 बेलास भुईयां	रास्ता	698	रास्ता	699
8	59	698	रैयती	टॉड़ दो	0.064	1 राजेश यादव 2 शिवशंकर यादव 3 जीतनारायण यादव पिता स्व0 वंशीधर यादव	702	697	रास्ता	694
9	26	681	रैयती	धान दो	0.006	गफ्फार मियां पिता ओजाह मियां	680	रास्ता	680	680
10	71	707	रैयती	टॉड़ दो	0.013	नरेश कोरवा पिता स्व0 जोदड कोरवा	रास्ता	708	707	705
11	18	717	रैयती	मकान मय सहन	0.01	दुखन कोरवा पिता दिलदान कोरवा के वंशज	704	719	719	रास्ता
12	18	719	रैयती	टॉड़ दो	0.055	1 शेवधर यादव 2 देवेन्द्र यादव 3 विनोद यादव पिता फागु यादव	717	रास्ता	716	रास्ता
13	15	740	रैयती	टॉड़ दो	0.058	अकलू सिंह पिता रामप्रसादसिंह	रास्ता	739	रास्ता	742
14	31	742	रैयती	टॉड़ दो	0.064	भोला यादव पिता भगवान यादव	रास्ता	749	740	741
15	37	745	रैयती	टॉड़ दो	0.011	सत्यनारायण यादव पिता स्व0 वंशीधर यादव	744	रास्ता	746	रास्ता
16	13	764	रैयती	टॉड़ दो	0.044	शिवनायण यादव पिता रामवृक्ष यादव	रास्ता	765	761	रास्ता
17	13	765	रैयती	टॉड़ दो	0.02	मनोज यादव पिता स्व0 रामदास यादव	764	766	761	रास्ता
18	13	766	रैयती	मकान मय सहन	0.019	1 मनोज यादव पितास्व0 रामदास यादव 2 विपती कुंवर पति स्व0 रामदास यादव	765	767	765	रास्ता
19	13	767	रैयती	टॉड़ दो	0.034	विपती कुंवर पति स्व0 रामदास यादव	766	768	761	रास्ता
20	42	459	रैयती	टॉड़ दो	0.004	पुरन चौधरी पिता रामदेनी चौधरी	458	रास्ता	455	458
21	42	460	रैयती	धान दो	0.004	पुरन चौधरी पिता रामदेनी चौधरी	460	रास्ता	रास्ता	460
22	42	461	रैयती	टॉड़ दो	0.063	पुरन चौधरी व विगन चौधरी पिता रामदेनी चौधरी	460	रास्ता	रास्ता	461
23	47	432	रैयती	टॉड़ दो	0.029	चन्दन चौरसिया संजय चौरसिया वगैरह पिता स्व0 रामराज चौरसिया	रास्ता	428	199	रास्ता
24	42	415	रैयती	धान दो	0.004	रामलाल कोरवा पिता रेका कोरवा	रास्ता	414	416	412
25	42	412	रैयती	धान दो	0.012	रामलाल कोरवा पिता रेका कोरवा	रास्ता	413	415	411
26	42	411	रैयती	धान दो	0.006	तिलक देवार पिता वृज देवार वंधिका भारदुल यादव पिता स्व0 वंशीधर यादव	रास्ता	407	412	410
कुल :-					0.8910					

यह अधिसूचना भू-अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता अधिकार अधिनियम,2013 (अधिनियम संख्या 30/2013), की धारा-11 (1) के उपबंधों के अधीन सभी संबंधित व्यक्तियों के लिए जारी की जाती है।

भूमि की योजना का निरीक्षण जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के कार्यालय में किसी कार्य दिवस को कार्यावधि में किया जा सकेगा। झारखण्ड सरकार/समाहर्त्ता-सह-समुचित सरकार उक्त अधिनियम की धारा 12 में यथा उपबंधित एवं यथाविनिर्दिष्ट कार्यो के समुचित निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भूमि का सर्वेक्षण एवं उसकी प्रविष्टि करने, किसी भूमि के किसी स्तर को मापने के लिए, अवभूमि खोदने या भू-वेधन-छिद्र करने सहित सभी अन्य कार्यो के संचालन करने हेतु जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा और उनके अमीन फैजुल्लाह अंसारी, को प्राधिकृत करता हूँ।

अधिनियम की धारा 11 (4) के अधीन कोई व्यक्ति जिला समाहर्त्ता के पूर्विक अनुमोदन के बिना इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से प्रारंभिक अधिसूचना में विनिर्दिष्ट भूमि का कोई अंतरण यथा क्रय/विक्रय नहीं करेगा या ऐसा कोई अंतरण नहीं करवाएगा या ऐसी भूमि पर कोई अवभार नहीं उत्पन्न करेगा। अधिनियम की धारा 15 के अधीन यथा उपबंधित इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से साठ (60) दिनों के अंतर्गत भू-अर्जन की बाबत किसी प्रकार की आपत्तियां हितबद्ध व्यक्ति द्वारा जिला भू-अर्जन पदाधिकारी, गढ़वा के समक्ष दर्ज की जा सकेगी।

झारखण्ड सरकार, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, (भू-अर्जन निदेशालय) राँची, झारखण्ड की अधिसूचना संख्या सं0सं0-08द0/भू0अ0नि0 (अधिनियम)-129/2017/नि0रा, दिनांक 09.10.2018 के आलोक में यह परियोजना सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन की कार्यवाही से मुक्त है।

उपायुक्त, गढ़वा।

PR.NO.328019 District(24-25):D

बेड़ो पुलिस ने बरामद की चोरी गयी दो पल्सर बाइक

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। बेड़ो थाना की पुलिस ने गुरुवार की रात्रि में वाहन जांच अभियान के दौरान अलग.अलग थाना क्षेत्र से चोरी हुई दो मोटर साइकिल को बरामद किया है। घटना को लेकर बेड़ो थाना प्रभारी नकुल शाह ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गुरुवार की रात्रि को वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी दौरान रात्रि करीब 11.00 बजे रांची की ओर से दो मोटरसाइकिल गुमला की ओर जा रही थी। इसी दौरान बेड़ो थाना प्रभारी नकुल शाह को बाइक स्वरों पर शक हुआ और वे बाइक सवार को रोकने लगेए इसी दौरान सामने पुलिस को देखकर दोनों बाइक सवार अपने गाड़ी घुमा कर वापस रांची रोड की ओर भागने लगे। इसके बाद सशस्त्र बल के साथ बाइक सवार का पीछा किया गया तो एक बाइक पर सवार दो युवक पूजा रेस्टोरेंट तेतदटोली के समीप अपने बाइक को खड़ा कर अंधेरा का फायदा उठाकर भाग निकले जिसे पुलिस ने बरामद किया। वहीं दूसरी बाइक सवार को भी पुलिस ने पीछा करते हुए केशा मोड़ से पुरियो की ओर पीछा किए लेकिन उक्त बाइक पर सवार तीन युवक भी अंधेरा का फायदा उठाकर बाइक खड़ा कर अलग-अलग दिशा में भाग निकले। जिसे पुलिस ने बरामद कर अपने साथ थाना ले आई। बेड़ो पुलिस ने बरामद दोनों बाइक की मिलान करते हुए बताया कि बरामद दोनों पल्सर बाइक में एक पल्सर बाइक पूर्व में मांडर थाना क्षेत्र से चोरी हुई थी। इस संबंध में अज्ञात चोर के विरूद्ध मांडर थाना में मामला भी दर्ज कराया गया है।

युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत थे युवराज : माधुरी

चौदहवीं पुण्यतिथि पर याद किये गये जीएसएन शाहदेव

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। छोटानागपुर राज के युवराज सह हटिया विधान सभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक स्व गोपाल शरण नाथ शाहदेव 14 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धा के साथ याद किये गये। किला सभागार में आयोजित समारोह में उनकी चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गयी। राजकुमारी माधुरी मंजरी ने कहा कि युवराज युवाओं के लिये प्रेरणास्त्रोत थे। वहीं अजय नाथ शाहदेव ने दिवंगत शाहदेव को गरीबों का मसीहा बताते हुये कहा कि उनकी कमी हमेशा खलती रहेगी। मौके पर कौशलेंद्र सिंह, प्रो आदित्येन्द्र नाथ शाहदेव, राजेश नाथ शाहदेव, नितेश नाथ शाहदेव, अभिरित देव, रमेश नाथ शाहदेव, अतुल राज, दामोदर नाथ मिश्र, भोला शंकर मिश्र, करुणा नाथ मिश्र, भोला देवधरिया, अर्जुन विशि, बालेश्वर बड़ाईक, अंजुम खान, महावीर सिंह, ओमप्रकाश मिश्र, अरविंद पांडेय, रमेश दयाल सिंह, कुशल उरांव, जितेंद्र तिवारी व कुसुम देवी आदि मौजूद थे।

काठीटांड़ में भी कार्यक्रम

युवराज चौक काठीटांड़ में भी दिवंगत शाहदेव की पुण्यतिथि मनायी गयी। कार्यक्रम में पृथ्वीनाथ शाहदेव, अरविंद पांडेय, अशोक तिर्की, राजेंद्र साहू, सुषमा तिर्की, मोहन साहू, प्रदीप सिंह, हीरामणि साहू, सरवर खान, विजय सिंह, जगदीश साहू, अतुल राज, कृष्णा रजक, कृष्णा गोप, संजय साहू, जितेश्वर मुंडा, हुसे उरांव, पंकज दयाल सिंह व रमेश दयाल आदि शामिल थे। इधर क्षेत्र के कई अन्य स्थानों में भी पुण्य तिथि मनाये जाने की खबर है।

प्रदूषण का प्रभाव

यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एनर्जी पॉलिसी इंस्टिट्यूट की हाल ही में जारी रिपोर्ट उत्तर भारत में प्रदूषण के घातक प्रभावों को दशार्ती है। रिपोर्ट इस बात का खुलासा करती है कि वायु में व्याप्त घातक प्रदूषण से उत्तर भारत के पचास करोड़ लोग प्रदूषण के चलते अपनी उम्र के सात वर्ष खो देंगे। दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तो स्थिति ज्यादा विकट है क्योंकि यहां औसतन दस साल उम्र कम होने की आशंका बनी हुई है। यह एयर क्वॉलिटी लाइफ इंडेक्स रिपोर्ट बताती है कि पूरे देश में प्रदूषित हवा के चलते देशवासियों की औसत आयु पांच साल घट जाती है। यह पहला मौका नहीं कि जब किसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी ने भारत में भयावह प्रदूषण की स्थिति का आईना दिखाया हो। कमोबेश महानगरों में ही नहीं देश के छोटे शहरों की हवा भी अब दूषित होने लगी है, जिसके चलते भारत की गिनती दुनिया के दूसरे सबसे अधिक प्रदूषित देश के रूप में हो रही है। वहीं देश की राष्ट्रीय राजधानी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार है। देश में प्रतिवर्ष लाखों लोग प्रदूषित वायु के चलते असमय मौत के मुंह में चले जाते हैं। इसके बावजूद यह मुद्दा सत्ताधीशों की प्राथमिकता में नहीं है। विडंबना यह भी कि जनता के स्तर पर ही जागरूकता नहीं है कि सत्ताधीशों को कारगर कदम उठाने के लिये बाध्य करें। साथ ही इसे चुनावी घोषणापत्र में शामिल करके जमीनी हकीकत को बदलने का प्रयास करें। दुखद स्थिति यह है कि प्रदूषण से मुक्ति के प्रयास सिर्फ प्रतीकात्मक स्तर या सिर्फ कागजों में होते नजर आते हैं। कहने को तो केंद्र सरकार के राष्ट्रीय स्वच्छ हवा कार्यक्रम यानी एनसीएपी में 2024 तक हवा में घातक पी.एम. मैटर के स्तर को वर्ष 2017 के मुकाबले तीस प्रतिशत तक लाने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन इस दिशा में गंभीर प्रयास हो रहे हों, ऐसा नजर तो नहीं आता।

टोल टैक्स का औचित्य

यह बात सर्वविदित है, लेकिन केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के हालिया बयान ने इस बहस को तेज किया है। अपनी बात को बेबाकी से कहने वाले नितिन गडकरी ने अधिकारियों को दो टूक शब्दों में कहा कि यदि सड़कें अच्छी हालत में न हों और लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हो, तो राजमार्ग पर एजेंसियों द्वारा टोल टैक्स वसूलने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने कहा कि टोल टैक्स वसूलने से पहले हमें अच्छी सेवाएं देनी चाहिए। लेकिन हम अपने आर्थिक हितों की रक्षा के लिये टोल टैक्स वसूलने की जल्दी में रहते हैं। केंद्रीय भूतल परिवहन मंत्री ने स्वीकारा कि सड़कें अच्छी नहीं होने पर तमाम शिकायतें हमें मिलती हैं। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर लोग अपना गुस्सा जाहिर करते हैं। सही मायनों में गुणवत्ता की सड़क प्रदान करने पर ही हमें टोल वसूलने का अधिकार मिलता है। जाहिर सी बात है कि गड्ढों व कीचड़ वाली सड़कों पर टैक्स वसूलने पर पब्लिक की नाराजगी स्वाभाविक रूप से सामने आएगी। निस्संदेह, परिवहन मंत्री की स्वीकारोक्ति एक अच्छा कदम है और हर विभाग के मंत्री को अपने अधीनस्थ विभागों की कारगुजारियों पर नजर रखनी चाहिए। अब चाहे मामला राष्ट्रीय राजमार्गों पर कार्यरत एजेंसियों का हो या फिर बिजली-पानी जैसे मूलभूत जरूरतों वाले विभागों का, अधिकारियों को उपभोक्ताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस-वे आदि के बनने से यात्रियों का आवागमन सुविधाजनक हुआ है। लोगों के समय व वाहनों में पेट्रोल-डीजल में बचत हुई है। लेकिन कई स्थानों पर सड़कों की गुणवत्ता में कमी या सड़कों के निर्माण में तकनीकी खामियों का उजागर होना, उपभोक्ताओं को परेशान करता है।

हूल आजादी की पहली लड़ाई थी

- नसीम अहमद

इस ऐतिहासिक परिघटना संथाल हूल को इतिहासकार संथाल विद्रोह मानते हैं जबकि सच्चाई यह है कि यह कोई विद्रोही आंदोलन नहीं था बल्कि ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ जंग था इसे समझने के लिए जंग और विद्रोह के बीच फर्क को समझना होगा विद्रोह किसी भी सत्ता से असंतुष्ट जन आंदोलन को कहा जा सकता है जबकि जंग दो सत्ताओं के बीच अपनी सत्ता बचाए रखने के लिए होता है और संथाल हूल संथालो द्वारा अपनी सत्ता बचाए रखने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ जंग था।

30 जून अट्ठारह सौ पचपन को शुरू हुआ भारत में प्रथम सशस्त्र जन संघर्ष जो बाद में चलकर प्रथम छापामार जंग भी बना 26 जुलाई अट्ठारह सौ पचपन को संथाल हूल के सृजन कताओं में से प्रमुख व तत्कालीन संथाल राज्य के राजा सिद्धू और उनके सलाहकार व उनके सहोदर भाई कान्हू को वर्तमान झारखंड के साहिबगंज जिला के बरहेट प्रखंड में भोगनाडीह गांव में 1815 ईसवी को और सिद्धू का जन्म 1820 में हुआ था। संथाल विद्रोह में सक्रिय भूमिका निभाने वाले इनके और दो भाई भी थे जिनका नाम चांद मुर्मू और भैरव मुर्मू था चांद का जन्म 1825 एवं भैरव का जन्म 1835 ईस्वी में हुआ था इनके अलावा इनकी दो बहने भी थी जिनका नाम फूलों मुर्मू और जानू मुर्मू था इन छह भाई-बहनों का पिता का नाम चुन्नी मांझी था। अपने वतन व जनचेतना की सुरक्षा हेतु वह निरंतर संघर्ष करता है बिहार जनजातीय समाज में अब तक जितने भी संघर्ष हुए उनका प्रमुख पहलू सामुदायिक पहचान बचाना रहा है जोत जमीन जल जंगल की रक्षा व समानता पर आधारित समाज निर्माण हेतु जमीन से जुड़े आदिवासियों के आंदोलन का एक लंबा इतिहास है।

पाट,शोषण, बलात्कार जैसे उत्पीड़न व जुल्म से त्रस्त संथाल भागते फिर रहे थे लेकिन उनकी अधीनता स्वीकार करने को कतई तैयार नहीं थे इन तमाम घटनाक्रम को देखते हुए विद्रोह किया 1789 से 1831- 32 के बीच कई जनजातियां आंदोलन हुए हैं जिनके लिए खुंट - कट्टी व्यवस्था के विघटन के प्रति प्रतिशोध की भावना प्रमुख रूप से रही 1831 में मुख्य कोल विद्रोह हुआ मुंडा, हो, उरांव आदि सभी विद्रोह में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया मानसून में भूमिजो का विद्रोह हुआ इस विद्रोह के दौरान गांव लूटे गए जलाए गए तथा पुलिस सैनिकों सहित कई नागरिक मारे गए। रांची पलामू जिले विद्रोह के केंद्र बिंदु रहे।

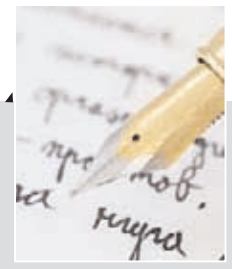

> राजा सिद्धू व उनके सहोदर भाई कान्हू को वर्तमान झारखंड के साहिबगंज जिला के बरहेट प्रखंड में भोगनाडीह गांव में 1815 ईसवी को और सिद्धू का जन्म 1820 में हुआ था। संथाल विद्रोह में सक्रिय भूमिका निभाने वाले इनके और दो भाई भी थे जिनका नाम चांद मुर्मू और भैरव मुर्मू था चांद का जन्म 1825 एवं भैरव का जन्म 1835 ईस्वी में हुआ था इनके अलावा इनकी दो बहने भी थी जिनका नाम फूलों मुर्मू और जानू मुर्मू था।

ब्रिटिश शासन के शुरू के 100 वर्षो में नागरिक विद्रोह का सिलसिला किसी खास मुद्दे व स्थानीय असंतोष के कारण चलता रहा 1763 से 1856 के मध्य देशभर में अंग्रेजो के खिलाफ 40 से अधिक बड़े विद्रोह में छोटे पैमाने पर तो इनकी संख्या बेशुमार है धार्मिक नेताओं के मौलवी पंडित ने भी विद्रोह के झंडे लहराए जनजातीय विद्रोह में उनकी जातीय हित की बुनियादी कारण रहे हैं जनजातियों में संथाल का विद्रोह ठोस, व्यापक और आक्रमक था भारत से अंग्रेजों को भगाने के लिए प्रथम जनक्रांति थी जो संथाल हुल के नाम से प्रसिद्ध हुई।

संथालो में जनजातियों की संख्या सर्वाधिक है और उनका निवास संथाल परगना है उस समय छोटनागपुर के उत्तरी पूर्वी छोर पर स्थित है। इनकी अधिसंख्या के वजह ही संथाल परगना नाम दिया छोटनागपुर में दाखिल के बाद संथाल में इसी इलाके को अपना निवास स्थल बनाया संथाल परगना तब भागलपुर कमिश्नरी का अंग था हजारीबाग और वीरभूम जिले में संथाल बहुत पहले आ बसे थे इन्हीं इलाको से आकर ये मूल निवासी भोले भाले पहाड़िया की ओर से कोई खास विरोध नहीं हुआ।

और कई गैर संथाली लोगों ने बड़ी हिस्सेदारी निभाई जिनमें मंगरा पूजोहर (पहाड़िया) गुरैया पुजहर (पहाड़ियां) हरदास जमादार (ओबीसी) ठाकुरदास (दलित) बेचू अहीर (ओबीसी) गंदू लोहरा, चुकू डोम दलित वर्ग से मानसिंह ओबीसी और गुरु चरण दास शामिल थे

जंगल को साफ कर खेती के लायक जमीन तैयार करते गए गांव बसाते गए सर्वप्रथम 1790- 1810 के बीच यहां बसे इनका आना-जाना जारी रहा 1836 तक 427 गांव से कम नहीं बसाए गए 1851 तक यहां संथालो के 1473 गांव बस चुके थे जिनकी आबादी लगभग 82795 हो गई थी।

छोटनागपुर में अंग्रेजों का वर्चस्व 1756 से ही हो चुका था परंतु यहां की जनजातियों पर नहीं धीरे-धीरे शोषण, अत्याचार और जुल्म का शिकंजा जकड़ता गया 1850 तक यहां के चप्पे-चप्पे में शोषण छा चुका था संथाल भी इससे अछूता नहीं रहा । 71 साल बाद संथाल हूल का नेतृत्व भोगनाडीह निवासी चुन्नी मांझी के चार पुत्रों ने किया ये थे सिद्धू कान्हु चांद और भैरव हुल के समय कान्हु की उम्र 35 ,चांद की आयु 30 वर्ष, और भैरव की उम्र 20 वर्ष, बताई जाती है सिद्धू सबसे बड़ा था

जब सिधु कान्हू ने शोषण और अत्याचार के विरुद्ध विद्रोह करने का संकल्प ले लिया तो जनमानस तथा जनसमूह को एकजुट करने व अपने मुहिम को मुकाम तक पहुंचाने का अहद लेते हुए जनसमूह को एकजुट व संगठित करने तथा एकत्रित करने के लिए अंग्रेजों हमारी भूमि छोड़ो कि नारे से गूंज उठा और फिर सिद्धू ने ललकारा था करो या मरो अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ दो।

अपने परंपरागत ढंग को अपनाया । डुगडुगी पिटवा दी और सालटहनी का संदेश गांव गांव में दिया। सिद्धू को अगस्त 1855 में पंचकठिया नामक स्थान पर बरगद के पेड़ पर फांसी दे दी गई वह पेड़ आज भी उसी स्थान पर स्थित है जिसे शहीद स्थल कहा जाता है जबकि कन्हू को भोगनाडीह ने फांसी दी गई पर आज भी वह संथालो के दिलों में आज भी जिंदा है और याद किए जाते हैं।

(लेखक अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ झारखंड प्रदेश मुख्य प्रवक्ता है।)

खास बात

सिंधु दर्शन

धीरज बसाक

सिंधु नदी का तट भारत के अतीत की गौरव गाथा है। यहीं प्राचीन सिंधु नदी घाटी सभ्यता जन्मीं। मान्यता है कि यहीं वेद लिखे गये। यहीं रहस्यवादी प्राचीनतम बौद्धमठों की शृंखला निर्मित हुई। जी हां, हम हर साल बुद्ध पूर्णिमा के बाद तीन दिनों तक आयोजित होने वाले सिंधु दर्शन महोत्सव की सरजमीं की ही बात कर रहे हैं। इस साल यह सांस्कृतिक आयोजन 23 जून से 26 जून तक चलेगा। हर साल आयोजित होने वाले इस सांस्कृतिक कार्यक्रम को आधिकारिक तौर पर सिंधु दर्शन महोत्सव के नाम से जाना जाता है। आमतौर पर तीन दिन के इस टूर में 9 से 10 हजार रुपये प्रतिव्यक्ति का खर्च आता है।

इस सांस्कृतिक पर्यटन सिंधु दर्शन यात्रा की शुरूआत लेह आगमन से होती है। हिंदुस्तान के विभिन्न कोनों से लेह एयरपोर्ट जुड़ा हुआ है और जब आप सांस्कृतिक पर्यटक के रूप में लेह एयरपोर्ट पर पहुंचते हैं तो जिस टूर एंड ट्रैवल कंपनी ने आपका पैकेज बुक किया होता है, उसके प्रतिनिधि आपका लेह एयरपोर्ट पर स्वागत करते मिलते हैं। वे आपको होटल ले जाते हैं और फिर आपको होटल में पूरे दिन आराम करने के लिए छोड़ देते हैं ताकि आप लेह की ऊंचाई और जलवायु के हिसाब से खुद को ढाल लें। शाम की हाई टी के बाद आपको ट्रैवेल कंपनी का कोई प्रतिनिधि स्थानीय पहाड़ी की चोटी पर स्थित सफेद गुंबद वाले शांति स्तूप तक ले जाता है, वहां कुछ देर गुजारने के बाद तथा शांति और आध्यात्मिक वातावरण को फील करने के बाद आप उसके इर्दगिर्द के स्थानीय बाजार में अपनी पसंद की चीजें खरीदते हैं।

दूसरे दिन जो कि वास्तव में सिंधु महोत्सव का मुख्य दिन होता है। सीधे सिंधु घाटी की ओर प्रस्थान करते हैं, जो हमें अपनी कल्पना और आध्यात्मिक यात्रा में हजारों साल पीछे सिंधु सभ्यता के पैदाइशी समय में ले जाते हैं, जहां भारतीय सभ्यता जन्म ले रही होती है। जहां हमारे ऋषि-मुनि भारतीय मेधा की अमिट छाप छोड़ने वाले वेदों का अध्ययन, मनन, चिंतन और लेखन कर रहे होते हैं। सांस्कृतिक पर्यटकों का यह पूरा दिन एक ट्रांस में गुजरता है।

न्याय और प्रेम

धर्म-प्रवाह

स्वामी सत्यानंद जी परमहंस

न्याय भी हो जाए और प्रेम भी ऐसा सिर्फ ईश्वर ही कर सकता है। ईश्वर ही ऐसा कर सकता है जिसमें न्याय भी हो और प्रेम भी। राजा दिलीप की कथा बताते हुये उन्होंने कहा कि गुरु वशिष्ठ की गाय नंदनी की रक्षा में उन्होंने अपने प्राण की परवाह नहीं की। इस जीवन में जो कुछ भी किया जाता है उसका परिणाम अवश्य मिलता है। इस त्याग के बाद ही राजा दिलीप पिता बने और पुत्र रघु के नाम पर ही रघु कुल को संसार जानती है जिस कुल के राजा राम की चर्चा सर्वाधिक होती है। कश्यप मुनि और तक्षक के प्रकरण पर स्वामी जी ने कहा कि कश्यप मुनि ने तक्षक को दिखा दिया कि वे राजा परीक्षित को बचा सकते हैं। तब तक्षक ने कहा कि क्या आप प्रकृति के न्याय को बदलना चाहते हैं। कश्यप मुनि लौट गये उन्होंने ईश्वर के न्याय का सम्मान किया। वहीं शुकदेव मुनि ने राजा परीक्षित को सात दिनों में ही ज्ञान और वैराग्य से परिपूर्ण कर दिया जिसके कारण तक्षक के काटने और प्राण निकलने का कष्ट उन्हें नहीं हुआ। इस प्रकार न्याय और प्रेम दोनों संभव हुआ। कश्यप मुनि का न्याय और शुकदेव जी के प्रेम से ईश्वर के नियम की रक्षा हो सकी। भारतीय संस्कृति, धर्म का आधार क्षमा है। ईश्वर आपको अनेको बार क्षमा करता है। आपको सुधरने, परोपकारी बनने का अवसर देता है आवश्यकता है आप उसे समझें और गंभीरता से लें। हमारी संस्कृति की विराटता को समझें बिना इस पर किसी प्रकार का सवाल उठाना गलत है। निश्चित है जो किया है वही पाना है।

अब अगर आप सही हो
तो कुछ भी साबित करने की कोशिश मत करो ,
बस सही बने रहो
गवाही वक़्त खुद दे देगा।
-अनुपम खेर अभिनेता

आपके ट्वीट

आत्म विस्मृति ही मनुष्य के दुःख का मूल कारण है । हमारी आत्म-सत्ता स्वयं ही आनन्द और अबाध शान्ति का स्रोत है । अंतमुर्खी होते ही स्थिरता, आनन्द, परिपूर्णता और अस्तित्व की संपूर्ण दिव्यतायें अनुभूत होने लगती हैं ।
- स्वामी अवधेशानंद गिरी

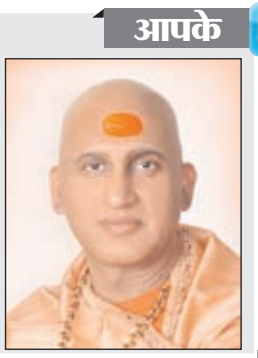

जल संसाधन विभाग की योजनाओं को लेकर वरीय अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस दौरान उनके द्वारा अधिकारियों को योजनाओं की गति तेज करने समेत कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। **चंपई सोरेन, सीएम**

मीडिया ट्रायल बनाम समानान्तर अदालती व्यवस्था

सामयिक

डॉ. हरवंश दीक्षित

नीट में लापरवाही के आरोपों और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच एक और खबर आयी। अपनी फटी ओएमआर सीट दिखाते हुए भावुक आरोप लगाने वाली छात्रा आयुषी पटेल की याचिका पर उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उसे फर्जी पाया। अदालत के सामने प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच के बाद यह पाया गया कि छात्रा ने फर्जी एप्लीकेशन नम्बर से एनटीए को मेल किया था। लखनऊ बेंच ने छात्रा के रवैये को अफसोसजनक बताते हुए याचिका को खारिज कर दिया और यह भी कहा कि एनटीए चाहे तो छात्रा के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई कर सकता है। इस तरह की परीक्षाओं में करोड़ों लोगों का भविष्य जुड़ा रहता है। राष्ट्रहित में यह जरूरी है कि उनके संचालन में पूरी शुचिता बरती जाए, किन्तु अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रानिक मीडिया जिस तरह से समानान्तर अदालती व्यवस्था खड़ी कर देती है, उससे ऐसे सामाजिक दबाव का सृजन होता है कि वह न्याय की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाता है। बिना सुबूत और अदालती निर्णय के ही समाज की निगाह में लोगों को दोषी ठहरा देता है। कुछ समय बाद चाहे भले ही अदालत उन्हें निर्दोष ठहरा दे, किन्तु उनकी जो प्रतिष्ठा खो चुकी होती है, वह कभी भी वापस नहीं आती।

बीते वर्षों में रिया-सुशांत, आरुषि-तलवार की हत्या और दिल्ली के जसलीन कौर-सर्वजीत कौर के मामले ऐसे कई उदाहरणों में से कुछ गिनाए जा सकते हैं, जब इलेक्ट्रानिक मीडिया ने अपनी टीआरपी के लिए लोगों को अपूर्णीय क्षति पहुंचायी है। रिया-सुशान्त के मामले में इलेक्ट्रानिक मीडिया ने रिया को कहीं का नहीं छोड़ा। खुद ही सुबूत इकट्ठा करके उसके ऊपर जादू-टोना से लेकर कई काल्पनिक आरोप लगाए। अदालत ने उन्हें नाकाफी और अविश्वसनीय माना, किन्तु रिया उससे अब तक नहीं उबर पायी और लांछन उनके साथ सदैव के लिए चस्पा हो गया। इसी तरह आरुषि हत्याकांड में इलेक्ट्रानिक मीडिया ने उसके मां-बाप को जीते जी मार डाला।

बगैर किसी पुख्ता सुबूत और अदालती निर्णय के आरुषि की मौत के बाद उसके चरित्र पर जिस तरह छींटाकशी की गई, वह किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है। राजेश और नुपूर तलवार मीडिया के सामने गिड़गिड़ाते रहे कि उन्हें परेशान न किया जाए, किन्तु उनकी किसी ने एक नहीं सुनी और अपनी टीआरपी के लिए नित नई कहानियां तैयार करते रहे। नौ साल की यन्त्रणादायक कानूनी लड़ाई के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उन्हें बरी कर दिया, किन्तु इलेक्ट्रानिक मीडिया ने उन्हें समाज में रहने लायक नहीं छोड़ा।

नीट से जुड़े मामले सर्वोच्च अदालत के सामने हैं। अदालत सभी पहलुओं पर गौर कर रही है, किन्तु इलेक्ट्रानिक मीडिया ने समान्तर अदालती व्यवस्था खड़ी कर ली है। उसमें उनके अभियोजक और गवाह हैं। निर्णय लेने की जिम्मेदारी उन्होंने खुद ले ली है। जानकारी की कमी या टीआरपी के दबाव में उन लोगों को भी दोषी ठहराया जा रहा है, जो केवल औपचारिक प्रमुख की भूमिका में है। मसलन एनटीए के अध्यक्ष का पद विश्वविद्यालयों के चांसलर की तरह होता है। नीति निर्माण या क्रियान्वयन में उसकी कोई भूमिका नहीं होती, किन्तु मीडिया बगैर सुबूत के ही उन्हें मुजरिम की तरह पेश कर रहा है। यह जब किसी विषय पर अदालत विचार कर रही हो तो इस तरह का मीडिया ट्रायल न्यायिक कार्यों में दखलंदाजी और अदालत की अवमानना है।न्यायशास्त्र का आधारभूत सिद्धांत यह है कि किसी व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाएगा जब तक उसे अदालत द्वारा दोषी साबित न कर दिया जाए, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के ऊपर यह नियम लागू नहीं होता।

कॉर्टून वर्ल्ड

लेटर टू एडीटर

विकास के पीछे

विकास की चकाचौंध के पीछे भी कई गंभीर समस्याएं छुपी हुई हैं। राज्य की अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर करती है। लेकिन किसान कई मुश्किलों का सामना करते हैं, जैसे कि सिंचाई के लिए पानी की कमी, फसल उत्पादों के लिए लाभकारी मूल्य न मिलना और बढ़ता हुआ कर्ज का बोझ। किसान आत्महत्या जैसे कदम भी उठा लेता है। वहीं शिक्षित युवाओं की बेरोजगारी दर भी बढ़ रही है। **-रवि, रांची**

बुनियाद मजबूत

देशी-विदेशी रेटिंग एजेंसियों, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक तक ने भारत को लेकर आर्थिक वृद्धि के अपने अनुमान कम कर दिए हैं। यह अलग बात है कि सरकार लगातार दावे कर रही है कि अर्थव्यवस्था की बुनियाद मजबूत है।अर्थव्यवस्था में जान फूंकने के लिए बेशक रिजर्व बैंक की कोशिशों में कमी नहीं है। लेकिन स्थितियां विपरीत है।
- निवास, हजारीबाग

संथाल हूल के नायक थे गरभू मांझी

जेरोम जेराल्ड कुजूर

1857 के सिपाही विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की पहली लड़ाई कहा जाता है, लेकिन झारखंड के इतिहास में इसके पूर्व ही यहां के शूरवीरों ने अंग्रेजी सम्राज्य के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। अमर शहीद तिलका मांझी का आंदोलन 1772 के आसपास हुआ था। जिन्हें अंग्रेजों ने फांसी दी। 1832 में कोल विद्रोह हुआ जिसमें पूरे आदिवासी शामिल हुए थे। 1855 का संताल हूल सिद्धो-कान्हो के नेतृत्व में लड़ी गयी। इस संताल हूल के एक नायक थे गरभू मांझी। गरभू मांझी न होते तो शायद संताल हूल न होता।

गरभू मांझी का जन्म बरहेट क्षेत्र के आमगाछी गांव में हुआ था। उस समय संथालपरगना में अंग्रेज महाजनी प्रथा चला रहे थे। उनके गांव में महाजनी के लिए कुबिरा गांव के दो भाई किनाराम और बेचाराम भगत आया करते थे। वे दोनों लोगों का तीन चार मुर्गा और ज्यादा पैसा वसूल ले जाते थे। पैसा नहीं देने पर गाय-बैल, भेड़-बकरी भी जबरन उठा ले जाते थे। यह सब देखकर गरभू मांझी को रहा नहीं जाता था। चूंकि मांझी था इसलिए गांव की जिम्मेवारी उसी पर थी। ग्रामीणों की पीड़ा देखकर वह महाजनों के खिलाफ आवाज उठाया। गरभू मांझी की शक्ति देखकर महाजन किनाराम और बेचाराम भगत व्याकुल हो उठे। उसे दबाने के लिए दोनों महाजनों ने बरहेट थाना में महेश लाल दरोगा के समक्ष गरभू मांझी के खिलाफ झूठा केस दायर कर दिया। इस पर दरोगा ने आमगाछी गांव आकर गरभू मांझी को गिरफ्तार कर लिया।

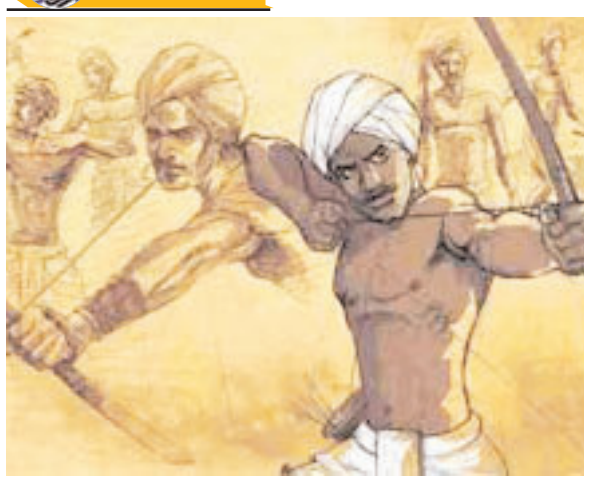

विचार

यह खबर संतालपरगना में आग की तरह फैल गयी। उस समय का जेल भागलपुर में था, इसलिए गरभू मांझी को बरहेट से भागलपुर जेल ले जाना था। इसकी सूचना पडेरकोला श्यामपरगना लिप्तीपाड़ा के विजय मांझी एवं भोगनाडीह के संताल भाइयों सिदो-कान्हो तक भी पहुंच गयी।

अतः गरभू मांझी को छुड़ाने के लिए सिदो-कान्हो ने हजारों संतालियों को जमा करके बरहेट थाना का घेराव किया। बरहेट थाना में सिदो ने गरभू मांझी की हथकड़ी खोल दी। हथकड़ी खुलते ही गरभू मांझी ने संताल भाई से तलवार छीनकर दारोगा महेशलाल की कान काट दी। और सभी संतालों ने एक साथ चिल्लाया हूल-हूल, फिर उन्होंने ने बरहेट थाना जला दिया गया। यहीं से संताल हूल की शुरुआत हुई। यह घटना 1855 की है। अगर गरभू मांझी नहीं होते तो सिद्धो-कान्हो और उनके भाई तथा अन्य संताली यह आंदोलन नहीं करते। लेकिन जिस प्रकार अन्य मामलों और आंदोलनों की इतिहास में उपेक्षा की गयी है उसी प्रकार इस आंदोलन के कई महत्वपूर्ण पात्र अनजान है और उनके बारे में कोई नहीं जानता है।

झारखंड की धरती रत्नगर्भा होने के साथ वीर भी पैदा करती रही है। संताल हूल गरभू मांझी के कारण ही प्रारंभ हुआ लेकिन आज वे इतिहास के पन्नों से गायब हैं।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता और चिंतक हैं।)

एक नजर में

झारखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ जिप सदस्य रामप्रसाद दिल्ली तक करेंगे साइकिल यात्रा

टाटीझरिया। झारखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ टाटीझरिया जिप सदस्य रामप्रसाद उर्फ कंपनी ने पैतृक निवास झरपो से दिल्ली स्थित प्रधानमंत्री आवास तक साइकिल से यात्रा करने नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने रांची पुलिस महानिरीक्षक को पत्रांक संख्या 46 के तहत लिखित आवेदन देकर सुरक्षा की मांग की । उन्होंने कहा कि झारखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार को अंकुश लगाने को लेकर झरपो से 30 जून सुबह 6 बजे साइकिल से यात्रा करेंगे। जीप सदस्य ने कहा के मुझे रांची पुलिस महानिरीक्षक द्वारा आश्वासन दिया गया है कि सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।

विस्थापित नेता गोविन्द महतो को जमानत

बड़कागांव। पिछले महीने विस्थापित प्रभावित नेता गोविन्द महतो पश्चिमी जिला परिषद प्रत्याशी सिंदुवारी निवासी त्रिवेणी कंपनी के प्रबंधन ने मारपीट की लिखित आवेदन थाना में देकर उन्हें जेल में डाल दिया गया था, पिछले दो महीने से वे जेल में थे। बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रौशनलाल चौधरी के प्रयासों से आखिर उन्हें इंसाफ मिला और न्याय की जीत हुई और विस्थापित नेता गोविंद महतो को जमानत मिला इसी क्रम उन्हें पकरी बरवाडीह भोक्ता स्थान से आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी रौशनलाल चौधरी के अगुवाई मे ढ़ोल नगाड़े के साथ माला पहनाकर स्वागत किया गया।

यातायात नियमों का करें पालन : थाना प्रभारी

बरही। उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में एसपी अरविंद कुमार सिंह के निर्देश पर विभिन्न स्थानों पर बरही पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग अभियान लगातार चलाया जाएगा। थाना प्रभारी चंद्रशेखर कुमार ने आम जनता से अपील करते हुए कहा कि वाहन चालक अपने वाहन के साथ सभी कागजात जैसे इन्सुरेंस, ड्राइविंग लाइसेंस, प्रदूषण, आरसी साथ रखें। साथ ही वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करें। उन्होंने कहा कि खुद सुरक्षित रहे, दूसरे को भी सुरक्षित रखें। साथ ही उन्होंने कहा कि सड़क के किनारे किसी प्रकार के वाहन, मोटरसाइकिल, ठेला, खोमचा एवं किसी प्रकार के दुकान आदि लगाकर अतिक्रमण नहीं करें। अतिक्रमण करने वाले अथवा यातायात नियमों का पालन नही करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घायल को मनोज यादव ने किया मदद

बरही। बरसोत निवासी महेंद्र रविदास का पिछले दिनों एक सडक दुर्घटना में पैर टूट जाने से उनकी आर्थिक हालत काफी खराब हो जाने से वह काफी परेशान थे। जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव महेंद्र रविदास के घर पहुंचकर उनका कुशल क्षेम जाना और बेहतर मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराने हेतु भरोसा देते हुए आर्थिक सहयोग किया। पूर्व विधायक कहा कि बरही के लोगों ने उन्हें जो सम्मान और प्यार दिया है उसका वह आभारी है। लोगों के सुख दुख का साथी बनना और क्षेत्र के विकास में अपनी सहभागिता निभाना उनका दायित्व है। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, स्थानीय मुखिया मोतीलाल चौधरी, पंसस प्रतिनिधि सुजीत कुमार, बासुदेव साव, रमेश चंद्रवंशी, बीरेंद्र सिंह, अजय कुमार रामराज, कैला रविदास, मुकेश बक्शी सहित कई लोग उपस्थित थे।

बीडीओ ने किया मनरेगा का निरीक्षण

चौपारण । नवपदस्थापित बीडीओ सीमा कुमारी ने पदभार संभालते ही प्रखंड के विकास कार्यो में जुट गई है। शुक्रवार सुबह उन्होंने पांडेयबारा पंचायत के कमलवार में मनरेगा अंतर्गत चल रहे कई योजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने ने बागवानी योजना, कूप योजना एवं प्राथमिक विद्यालय कमलवार का निरीक्षण किया। बागवानी योजना में चल रही काम की समीक्षा की । पुरानी योजना की जांच में पाया कि कुछ पौधे ही बागवानी योजना के तहत लगी हुई है जो मृतक अवस्था में है। बीडीओ ने ठेकेदार मोइनुद्दीन को फटकार लगाकर नियम संगत काम करने का हिदायत दी।

हेमंत सोरेन को बेल मिलने पर बांटी मिठाई

इचाक। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बेल हो जाने की खुशी में इचाक प्रखंड में मिठाई बांटकार खुशी का इजहार किया । पूर्व जिला अध्यक्ष शंभू लाल यादव ने कहा कि हेमंत सोरेन को बेल मिलने पर झारखंड मुक्ति मोर्चा कार्यकर्ता खुशी मना रहे हैं । प्रखंड और पंचायत में कार्यकताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दे रहे हैं। विधानसभा के चुनाव में बखूबी से विपक्षियों और तानाशाही सरकार के रवैया को जवाब दिया जायेगा। केंद्रीय सदस्य टेकोचांद महतो पूर्व जिला संगठन सचिव संजय राय प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष मनोहर राम, पार्टी के वरिष्ठ नेता रामचंद्र मेहता पूर्व प्रखंड अध्यक्ष गंगेश्वर प्रसाद मेहता प्रखंड 20 सूत्री सदस्य दिगम्बर कुमार मेहता रामप्रवेश सिंह संतोष मेहता बांसी मेहता रामफल मेहता सुरेंद्र मेहता राजू यादव रामदिप मेहता कुलदीप राम एम दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मृतक के परिजनों से मिले 20 सूत्री अध्यक्ष

चौपारण। सियरकोणी निवासी कैलाश भुइयां के परिजनों से मिले 20 सूत्री अध्यक्ष नंदकिशोर यादव व सवेदना प्रकट किया।उन्होंने कहा कि विधायक उमा शंकर अकेला गरीबों के मसीहा हैं वे हमेशा सभी के सुख दुख में शामिल होते है। आगे भी होते रहेंगे। कैलाश भुइयां की मृत्यु के पश्चात उनके घर जाकर विधायक द्वारा आर्थिक सहयोग भी दिया। इस दौरान साथ में बालकिशुन यादव, मन्नू भगत,मनोज सिंह,नकुल यादव,उमेश सिंह,सुरेंद्र यादव, मनोज यादव,संतोष भुइयां, ब्रह्मदेव भुईया, बोधा भुईया, काली भुईया, मनोज भुईया, विकास भुईया,गुँजन भुईया, राजेश भुईया,रामस्वरूप भुईया, कार्तिक भुईया,धनंजय यादव,दिलचंद यादव,राधे भुईया, रामविलास कुमार,सुनील कुमार पीयूष कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

जिप सदस्य के पिता का निधन

गोला(रामगढ़)। गोला के पूर्व प्रमुख सह वर्तमान जिला परिषद् सदस्य (गोला मध्य) जलेश्वर महतो के पिता स्व. नन्हकू महतो का निधन गुरुवार को देर रात उनके निवास स्थान में हो गया। स्व.महतो करीब 100 साल के थे। इनका दाह संस्कार शुक्रवार को ग्राम – बड़की कोईया के भैरवी नदी स्थित मुक्ति धाम में किया गया। उनके निधन पर सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, विधायक सुनिता चौधरी, जिला परिषद् अध्यक्ष सुधा चौधरी, पूर्व जिला परिषद् अध्यक्ष ब्रह्मदेव महतो, गोपाल चौधरी, रोशन लाल चौधरी आदि ने शोक व्यक्त किया।

हाथियों ने आम बागवानी को किया नष्ट

कुजू। जंगली हाथियों के झुंड ने सारूबेड़ा पंचायत में करीब दो एकड़ में लगाये गये आम बागवानी को पूरी तरह से नष्ट कर दिया। गुरूवार रात करीब 9:30 बजे अचानक हाथियों का झुंड सारूबेड़ा पहुंचा। रामकुमार मांझी के दो एकड़ भूमि पर लगाये गये आम बागवानी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया। हाथियों के आने के बाद ग्रामीणों ने जानकारी वन विभाग को दिया। इसके बाद करीब 3 बजे सुबह वन विभाग की टीम पहुंचकर ग्रामीणों के साथ हाथियों का भगाने का प्रयास किया।

नीट पेपर लीक मामले में तीसरे दिन भी सीबीआइ का एक्शन जारी

हजारीबाग से तीन और गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग/ चरही। नीट पेपर लीक मामले में शुक्रवार तीसरे दिन भी सीबीआई का एक्शन जारी रहा। लगातार दो दिनों से किये जा रहे ताबड़तोड़ एक्शन के बाद शुक्रवार को तीन और लोगों की गिरफ्तारी की सूचना है। ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल एहसान उल हक, वाइस प्रिंसिपल इम्तियाज और एक पत्रकार को सीबीआई की टीम ने गिरफ्तार किया है। चरही में इन तीनों से पूछताछ के बाद उन्हें टीम पटना ले जायेगी। गुरूवार को टीम द्वारा दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जिसमे एहसान उल हक और इम्तियाज शामिल थे।

▸▸ ओएसिस स्कूल के प्रिंसिपल वाइस प्रिंसिपल और एक पत्रकार से हो रही पूछताछ

शुक्रवार को एक पत्रकार को गिरफ्तार किया गया और उन तीनो को साथ बिठाकर पूछताछ की गयी। सीबीआई उन तीनो को साथ लेकर हजारीबाग से पटना ले जायेगी। आशंका जताई जा रही है कि उन्हें स्पॉट पर ले जाकर टीम सबूत पुख्ता करेगी। सीबीआई और पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 3 मई को क्वेश्चन पेपर कूरियर एजेंसी ब्लू डार्ट के हजारीबाग नूतन नगर सेंटर से बैंक ले जाने की बजाय पहले ओएसिस स्कूल लाया गया था। इसके बाद यहां से बैंक भेजा गया। ऐसे में संदेह का दायरा बढ़ रहा है कि क्वेश्चन पेपर का पैकेट खोलने का खेल स्कूल में ही हुआ है। हालांकि, इस जानकारी पर सीबीआई ने अभी कुछ नहीं कहा है। आज जब स्कूल में पूछताछ चल रही थी, तब एफएसल की टीम को भी बुलाया गया था। टीम ने भी कुछ सबूत इकट्ठे किए हैं। एक अन्य जानकारी यूजीसी नेट से भी जुड़ी है जो इसी स्कूल की है। यूजीसी नेट परीक्षा भी इसी सेंटर पर हुई थी। ऐसे में कहा जा रहा है कि इसी स्कूल से उसके प्रश्नपत्र लीक होने का शक भी है।

टीम ने शुक्रवार को स्कूल के वाइस प्रिंसिपल सह सेंटर सुपरिंटेंडेंट इम्तियाज आलम का एक मोबाइल और लैपटॉप जब्त किया है। एजेंसी को शक है कि ओएसिस स्कूल से ही पेपर लीक किया गया है और इम्तियाज के लैपटॉप से इसकी सबूत मिलने की उम्मीद की जा रही है।

अडाणी फॉउंडेशन ने 80 टीबी मरीजों को दिया पोषण किट

बड़कागांव। गोंदलपुरा खनन परियोजना के तहत अडाणी फॉउंडेशन ने गोद लिए 80 टीबी मरीजों को शुक्रवार को निःशुल्क पोषण किट दिया। बड़कागांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में फाउंडेशन की ओर से वितरित किए गए प्रत्येक किट में च्वयनप्राश, अरहर दाल, चना, गुड़, हरा मूंग, सरसों तेल और हॉर्लिक्स जैसी आहार सामग्रियां शामिल हैं। प्रधानमंत्री निक्षय पोषण योजना के तहत अगले छः महीने के ईलाज के दौरान रोगियों को हर माह पोषक आहार प्रदान किया जाएगा। ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर नवीन कुमार ने बताया कि फॉउंडेशन की ओर से अब तक 130 टीबी के मरीजों को गोद लिया जा चुका है, जो अब स्वस्थ हो चुके हैं।इस अवसर पर टीबी विभाग के ट्रेनिंग सुपरवाइजर दीपक कुमार, सीएसआर विभाग के उप प्रबंधक मोहित गुप्ता, एग्जीक्यूटिव अधिकारी शरद मिश्रा और तारकेश्वर कुमार शर्मा आदि मौजूद थे।

एनटीपीसी पकरी बरवाडीह में तैनात हुये सीआइएसफ जवान

बड़कागांव। सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर करने को लेकर एनटीपीसी पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना ने एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया। पकरी बरवाडीह ने परियोजना की सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसफ) को सौंप दी है। सिकरी स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस मनोरंजन केंद्र में आयोजित सीआईएसफ इंडक्शन कार्यक्रम में डीआईजी सीआईएसफ डॉक्टर दिनेश प्रताप परिहार ने पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना के परियोजना प्रमुख फैज तैय्यब को सीआईएसफ शील्ड देकर इसकी औपचारिक प्रक्रिया को पूर्ण किया। परियोजना प्रमुख के द्वारा भी पकरी बरवाडीह परियोजना की संपूर्ण सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसफ को सुरक्षा चाभी सौंप कर की गई। इस मौके पर डीआईजी सीआईएसफ डॉक्टर दिनेश प्रताप परिहार एवं परियोजना प्रमुख श्री फैज तैयब ने सभागार में मौजूद ऑडियंस को संबोधित किया। डीआईजी सीआईएसफ ने अपने जवानों को निर्देश देते हुए कहा की नई जगह पर आने के बाद आपको यहां के बारे में अच्छे से जान लेनी चाहिए ताकि आप अपने कार्यों को बेहतर ढंग से कर पाएंगे। पकरी बरवाडीह परियोजना के परियोजना प्रमुख श्री फैज तैयब ने आश्वासन देते हुए कहा कि हम परस्पर सहयोग से आगे बढ़ेंगे और अपने लक्ष्यों को हासिल करेंगे। डिप्टी कमांडेंट श्री मृत्युंजय स्वामी ने भी अपना वक्त रखा और सीआईएसएफ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मानव संसाधन विभाग के अपर महाप्रबंधक अमित कुमार अस्थाना ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी सीआईएसएफ अधिकारियों के अलावा परियोजना के विभिन्न विभागों के विभाग अध्यक्ष एवं कर्मचारियों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि आपके सहयोग और समर्पण के बिना यह इंडक्शन कभी भी पूर्ण नहीं हो सकता था।

अल्ट्रासाउंड केंद्रों का निरीक्षण करें सिविल सर्जन : उपायुक्त

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त चंदन कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट 1994 के तहत जिला सलाहकार एवं जिला निरीक्षण व अनुश्रवण समिति की बैठक हुई। उपायुक्त ने सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद से जिले के अलग-अलग प्रखंडों में संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जानकारी ली। उन्होंने सिविल सर्जन को नियमित रूप से जिले के अलग-अलग प्रखंडों में चल रहे अल्ट्रासाउंड केंद्रों, अस्पतालों का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया। अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को अल्ट्रासाउंड मशीनों का नवीनीकरण एवं नए अल्ट्रासाउंड मशीनों के स्थापन के संबंध में सम्पूर्ण जाँच प्रक्रिया पूर्ण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को अल्ट्रासाउंड केंद्र में प्रतिनियुक्त चिकित्सकों के रोस्टर की जांच करते हुए केंद्रों का संचालन नियम अनुसार सुनिश्चित करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ स्वराज, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ प्रभात शंकर, गैर सरकारी संगठनों के सदस्यों सहित अन्य उपस्थित थे।

आजसू ने भ्रष्टाचार के खिलाफ बीडीओ व सीओ को सौंपा ज्ञापन

विष्णुगढ़। राज्य में भ्रष्टाचार और प्रशाशनिक उदासीनता के खिलाफ आजसू पार्टी के केंदीय अध्यक्ष सुदेश महतो के निर्देशानुसार हल्ला बोल कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अजय कुमार मंडल जबकि संचालन बिनोद बिहारी महतो ने किया। मुख्य अतिथि पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह मांडू विधानसभा प्रभारी तिवारी महतो उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज झारखंड में बिना पैसे का कोई काम नही हो रहा है गरीब असहाय जनता कुव्यस्था से त्रस्त है इस अराजक व्यस्था के खिलाफ पार्टी राज्यभर मे हल्ला बोल आंदोलन चला रही है ज्ञापन मे जमीन के दाखिल खारिज के आवेदनों पर करवाई करने, अबुवा आवास के चयन मे पारदर्शिता, मनरेगा से संबंधितभूगतान शीघ्र करने योजनाओं का क्रियान्वयन करने, छात्र छात्राओं के लिए विभिन्न प्रमाण पत्र बनाने में शीघ्रता लाने, किसानो को समय पर खाद बीज की आपूर्ति करने, विधुत आपूर्ति व्यस्था मे सुधार, सरकारी कर्मियों को कार्यालय में समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने झारखंड आंदोलनकारी को सरकारी योजनाओं मे प्राथमिकता देने, पेंशन धारियों को नियमित भुगतान करने, राशन कार्ड धारियों को समय पर राशन आपूर्ति, खराब पड़े चापाकलों की शीघ्र मरम्मत एवं बिष्णुगढ प्रखंड को पूर्ण अनुमंडल की दर्जा की मांग की गई । मौके पर रंजीत गुप्ता, महादेव देहाती, लिलो महतो, दिपु अकेला गौतम वर्मा, सतीश कुमार,हितेंद्र पटेल राजकुमार सिंह, दामोदर महतो रवि कुमार, लकी कुमार, टेकलाल यादव,जय नारायण महतो सुधीर कुमार चुनिया देवी, अनिता देवी, सोनी देवी संगीता देवी, सुरेश कुशवाहा, विकास महतो, गोविंद महतो, धीरज साव दिवाकर दिव्यदर्शी , राज यादव, राजेश साव, जागेश्वर महतो समेत कई उपस्थित थे।

नव निर्माण मोर्चा ने डीसी व एसपी को सौंपा ज्ञापन

भुरकुंडा (रामगढ़)। भुरकुंडा नव निर्माण मोर्चा के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 12 सूत्री मांगो को लेकर शुक्रवार को उपायुक्त रामगढ़ और पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। नव निर्माण मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें सभी मुद्दों से अवगत कराया। जिसमें विशेष कर भुरकुंडा में आए दिन होने वाले सड़क जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की बात कही। डीसी और एसपी ने मोर्चा से कहा कि भुरकुंडा बाजार में जाम की समस्या है इससे निजात दिलाने के लिए जल्द ही ट्रैफिक पुलिस देने का प्रयास किया जायेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में मोर्चा के मुकेश राउत, अजय साहु, देवानंद प्रसाद, बिहारी मांझी, रुस्तम कुमार शामिल थे।

आजसू का हल्ला बोल 5 को

कुजू। 5 जुलाई को आजसू पार्टी के 11 सूत्री मांग को लेकर मांडू प्रखंड मुख्यालय में हल्ला बोल कार्यक्रम को शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस हुआ। केंद्रीय महासचिव सह मांडू विधानसभा प्रभारी तिवारी महतो ने कहा कि पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो व गिरीडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के निर्देश पर पूरे राज्य में पार्टी द्वारा हल्ला बोल कार्यक्रम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आपको जनता की सेवा के लिए चुना है। आम जनता के समस्याओं का समाधान करना आपका धर्म है।

श्री अग्रसेन स्कूल में मधुमेह की हुयी जांच

भुरकुंडा (रामगढ़)। रोटरी क्लब रांची के तत्वावधान में शुक्रवार को श्री अग्रसेन स्कूल भुरकुंडा में मधुमेह और रक्तचाप जांच शिविर लगा। शिविर का उद्घाटन चिकित्सक सह रोटरी क्लब रांची के अध्यक्ष डॉ विनय कुमार ढांढनिया, रोटरी क्लब रांची के निदेशक अमित अग्रवाल, स्कूल के निदेशक प्रवीण राजगढ़िया ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में 70 लोगों की मधुमेह और रक्तचाप की निःशुल्क जांच की गई। जांचोपरांत डॉ ढांढनिया ने मरीजों को आवश्यक परामर्श दिया। इससे पूर्व बच्चों और अभिभावकों के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में डॉ ढांढनिया ने मधुमेह की रोकथाम और इसकी जटिलताओं पर चर्चा की। डॉ ढांढनिया ने कहा कि डायबिटीज से बचने के लिए स्वस्थ जीवनशैली को अपनाना आवश्यक है। स्लीप और वेक अप टाइम का पालन करें। कम से कम आठ घंटे की नींद अवश्य लें। नींद का पूरा नहीं होना इस बीमारी का पहला बड़ा कारण है। भोजन करने का टाइम भी फिक्स करें

हेमंत सोरेन को बेल मिलने पर झामुमो कार्यकर्ताओं में हर्ष

भुरकुंडा (रामगढ़)। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल से बेल मिलने के बाद झामुमो कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। हेमंत सोरेन को बेल मिलने की सूचना कार्यकर्ताओं तक पहुंची तो खुशी से झूम उठे। बेल मिलने पर झामुमो के केंद्रीय सचिव सह झारखंड परिवहन पाधिकार सदस्य संजीव कुमार बेदिया ने कहा कि हेमंत सोरेन झारखंड के कर्मठ योद्धा हैं। उन्होंने झारखंड के लोगो के लिए बहुत काम किया है।

उन्होंने कहा कि एक साजिश के तहत भाजपा की केंद्र सरकार ने हेमंत सोरेन को जेल भेज दिया था, लेकिन उनका बेल मिल जाना भाजपा के मुह पर करारा तमाचा है।

2019 में ज्वाइनिंग और 2023 में सस्पेंशन

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। डीएवी पब्लिक स्कूल प्रबंधन ने अनुशासनहीनता के आरोप में बीते 26 अक्तूबर 2023 को शारीरिक शिक्षक रविन्द्र कुमार पांडेय को निलंबित कर दिया है। निलंबन के संबंध में जानकारी देते हुए प्राचार्य अशोक कुमार सिंह ने पत्रकारों को बताया कि उक्त शिक्षक का व्यवहार उनके पदस्थापना वर्ष 2018 से ही स्थानीय प्रबंधन के खिलाफ रहा है। प्राचार्य के आदेश की अवहेलना और बच्चो को विद्यालय के प्रबंधन के खिलाफ भड़काना, विद्यालय के पीटी कक्ष में छात्राओं से अकेले में बात करना आदि जैसे कई मामले आते रहे है। कई बार समझाने का कार्य भी किया गया, कारण बताओ नोटिस भी जारी किए गए परंतु आदतन सुधार नही हुए। जिसकी सूचना उच्चाधिकारियों को भी दी गई है। इसी क्रम में बीते 20 जुलाई को विद्यालय के ही तीन अभिभावको ने उक्त शिक्षक पर अपनी बच्ची को मिसगाइड करने, रात में मोबाईल पर वीडियो कॉल करके बात करने, व्हाट्सएप चैटिंग करने आदि संबंधित शिकायत करते हुए एक मोबाईल भी विद्यालय प्रबंधन को सुपुर्द किया। जिसमे उक्त शिक्षक की छात्राओं के साथ फोटो और अन्य कई बातें रिकॉर्ड है।इससे अभिभावकों में काफी रोष था और अपनी बच्चियों का नाम भी विद्यालय से कटवा दिया। इस संबंध में आरोपी शिक्षक से स्पष्टीकरण भी मांगा गया, जिसका उन्होंने कोई जवाब नही दिया। इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों को की गई।मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएवी प्रबंधन ने 26 अक्तूबर को उक्त शिक्षक को निलंबित कर दिया। जिसे लेकर निलंबित शिक्षक द्वारा मामले को कोर्ट ले जाया गया, जहां मामला हियरिंग में चल रहा है। उन्होंने बताया कि जब निलंबन से संबंधित उक्त शिक्षक से पक्ष मांगा गया तो उन्होंने बतौर चेतावनी देते हुए स्पष्ट कहा कि मामला कोर्ट में है, जो भी जवाब देना होगा कोर्ट में दिया जाएगा, परंतु बीते कुछ दिनों से जब मामला कोर्ट में चल रहा है तो अनर्गल बयान बाजी और धरना प्रदर्शन की बात कर रहे है। उनकी सारी एक्टिविटी को लीगल एडवाइजर तक सूचना दे दी गई है, जिसके सलाह के आधार पर प्रबंधन उचित कदम उठाएगी।

▸▸ अनुशासनहीनता और गलत एक्टिविटी निलंबन का है प्रमुख कारण : प्राचार्य

आरोपी शिक्षक का सांकेतिक धरना : आरोपी शिक्षक ने निलंबन वापसी और प्राचार्य पर तानाशाह का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को एक दिवसीय सांकेतिक धरना देने का काम किया। इस संबंध में उनका पक्ष लेने पहुंचे पत्रकारों से उन्होंने बात करने से मुकरते हुए स्वयं पक्ष न रखकर फोन से किसी और से बात करवाने का प्रयास किया, मानो किसी के कहने के आधार पर कार्य किया जा रहा हो। जिसका पत्रकारों ने विरोध किया और बिना उनसे उनका पक्ष लिए वापस लौट गए।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, सिमडेगा
सर्किट हाउस सिमडेगा के पीछे, सिमडेगा,
दूरभाष– 7209721521, ई–मेल–simdegafisheriesdfo@gmail.com

"आम सूचना"

एतद् द्वारा सिमडेगा जिले के सभी केज मत्स्य पालकों/रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम लाभुकों/बायोफ्लॉक टैंक लाभुकों/बायोफ्लॉक तालाब के लाभुकों को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में अम्ब्रेला योजना (Umbrella Scheme) के तहत् राज्य योजनान्तर्गत राज्यादेश संख्या 04 रा0(वि0), दिनांक–30.05.2024 द्वारा अनुदान पर फिश फीड उपलब्ध कराने हेतु लक्ष्य प्राप्त है। इच्छुक मत्स्य पालक इस योजना का लाभ लेने हेतु कार्यालय में 10.07.2024 तक आवेदन जमा करें। आवेदन जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा में कार्यालय अवधि में प्राप्त किया जा सकता है। नियम एवं शर्तें निम्न है :–

1. विस्तृत शीर्ष–03–प्रशासनिक व्यय–23–आपूर्ति एवं सामग्री मद में स्वीकृत राशि में मत्स्य कृषकों/केज मत्स्य पालकों को मछली के उत्पादन हेतु 50 प्रतिशत् अथवा 25.00 (पच्चीस रू0) मात्र प्रति कि0ग्रा0 अधिकतम् अनुदान पर कम से कम 24 प्रतिशत् प्रोटीन गुणवत्तायुक्त 2 mm से बड़े 4 mm तक का फिश फीड उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग द्वारा स्थापित फिश फीड मिल अथवा झास्कोफिश से उत्पादित फिश फीड अथवा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत सरकारी अनुदान से स्थापित फिश फीड मिल से उत्पादित फीड पर ही यह लाभ कृषकों को फीड के रूप में ही दिया जाएगा।
2. कंडिका 01 के अतिरिक्त विगत मत्स्य पालकों को 2 mm अथवा उससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड (खुले बाजार से) के क्रय पर 50 प्रतिशत् अथवा अधिकतम मो0 25.00 (पच्चीस) रू0 मात्र प्रति कि0ग्रा0 फीड की दर से ही अनुदान देय होगा। एक लाभुक को अधिकतम कुल 700 कि0ग्रा0 2 mm अथवा इससे छोटे साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर मो0 25 (पच्चीस) रू0 मात्र प्रति कि0ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अधिकतम मो0– 17500/– (सतरह हजार पाँच सौ) रू0 मात्र अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी।
3. कंडिका 02 एवं 03 के अतिरिक्त केज मत्स्य पालकों को दूसरे crop से मछली उत्पादन के लिए 2 mm से बड़े 4 mm तक के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड (खुले बाजार से) के क्रय पर 50 प्रतिशत् अथवा अधिकतम मो0 25.00 (पच्चीस) रू0 मात्र प्रति कि0ग्रा0 फीड की दर से अनुदान देया होगा। एक लाभुक को अधिकतम कुल 1200 कि0ग्रा0 2 mm से बड़े 4 mm तक के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर मो0 25.00 (पच्चीस) रू0 मात्र प्रति कि0ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अधिकतम मो0– 30000/– (तीस हजार) रू0 मात्र अनुदान की राशि लाभुक के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी। इसके अतिरिक्त रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम, बायोफ्लॉक टैंक तथा बायोफ्लॉक तालाब के लिए भी अनुदान पर फीड उपलब्ध कराया जाएगा जो निम्न है :–

(क) रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (RAS) :– रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम में दूसरे Crop से मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को 90 m^3 के प्रति टैंक (अधिकतम 08 टैंक) के लिए अधिकतम् 650 कि0ग्रा0 प्रति टैंक की दर से 4 mm तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर मो0 18.00 (अट्ठारह) रू0 प्रति कि0ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुकों के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी।

(ख) बायोफ्लॉक टैंक (Biofloc Tank) :– इसी प्रकार बायोफ्लॉक टैंक में दूसरे Crop से मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को 10 m^3 के प्रति टैंक (अधिमतम् 50 टैंक) के लिए अधिकतम् 100 कि0ग्रा0 प्रति टैंक की दर से 4 mm तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर मो0 25.00 (पच्चीस) रू0 प्रति कि0ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुकों के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी।

(ग) बायोफ्लॉक तालाब (Biofloc Pond) :– बायोफ्लॉक तालाब (0.1 ha) में दूसरे Crop से मछली उत्पादन के लिए एक लाभुक को अधिकतम् 2000 कि0ग्रा0 प्रति तालाब (0.1ha) की दर से 4 mm तक के साईज के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड के क्रय पर मो0 25.00 (पच्चीस) रू0 प्रति कि0ग्रा0 के समानुपातिक दर पर अनुदान की राशि लाभुकों के बैंक खाते में डी0बी0टी0 की जाएगी।

4. केज मत्स्य पालकों/रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम लाभुकों/ बायोफ्लॉक टैंक लाभुकों/ बायोफ्लॉक तालाब के लाभुकों को अनुदान पर फिश फीड उपलब्ध कराने हेतु इनके चयन में यह ध्यान रखा जाएगा कि लाभुक सक्रिय केज मत्स्य पालक/सक्रिय रिसर्कुलेटरी सिस्टम संचालक/सक्रिय बायोफ्लॉक टैंक संचालक/सक्रिय बायोफ्लॉक तालाब संचालक हो तथा उसके द्वारा केज में/ रिसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम/बायोफ्लॉक टैंक संचालक/बायोफ्लॉक तालाबों में वर्तमान में मछली पालन किया जा रहा हो। उसके पास कम से कम पिछले एक Crop का रिकॉर्ड हो। मात्स्यिकी गतिविधियों (मत्स्य बीज संचयन की विवरणी, संचित मत्स्य बीज की संख्या तथा उपलब्ध मछली, मछलियों के ग्रोथ, उत्तरजीविता तथा बिक्री की गई मछलियों का Data) से नियमित रूप से जिला मत्स्य कार्यालय, सिमडेगा को अवगत कराने के लिए सहमत हो।
5. लाभुक द्वारा 2 mm अथवा उससे छोटे साईज/ 2mm से बड़े 4 mm तक के फैक्ट्री उत्पादित फ्लोटिंग फीड (खुले बाजार से) का वास्तविक रूप में क्रय किया गया है एवं इसकी GST Billing हुई है। GST Billing के बिना लाभुक के खाते में राशि डी0बी0टी0 नहीं ही जाएगी। लाभुक को देय अनुदान की राशि उसके द्वारा व्यय की गई राशि से 50 प्रतिशत् अथवा मो0 25.00 (पच्चीस) रू0 मात्र प्रति कि0ग्रा0 अधिकतम् अनुदान से ज्यादा नहीं हो।

जिला मत्स्य पदाधिकारी,
सिमडेगा

PR 328121 Fish(24-25)#D

30 जून 1855 जब संथालों ने ब्रितानी हुकूमत को हिला दिया था

हूल दिवस : गोरी सरकार के खिलाफ बजा था पहल बिगुल

- **अंग्रेजों ने दस हजार रुपये का ईनाम रखा था सिद्धू कान्हू पर**
- **सूदखोरो और अंग्रेजो के भूमि कानून से नाराज आदिवासियों की हूल भारत की पहली जनक्रांति**
- **30 जून 1955 को भोगनाडीह में विशाल जनजुटान से डरे अंग्रेंज**

वंदना टेटे

देश का पहला स्वतंत्रता संग्राम होने के बावजूद संताल हूल पर इतिहास और साहित्य में नहीं के बराबर लिखा गया है।

1855 में अंग्रेजी शासकों, जमींदारों, महाजनों और दलालों के विरूद्ध हुआ संताल युद्ध भारतीय आजादी का पहला संगठित युद्ध था। इतिहासकार आदिवासी युद्धों को 'विद्रोह' कह कर इसकी व्यापकता को संकुचित करते हैं। वहीं गैरआदिवासियों जैसे कुंअर सिंह, लक्ष्मीबाई आदि को स्वतंत्राता संग्राम का नायक स्थापित करते हैं जो वास्तव में राजा-रानी थे और जहां पीड़ित जनता उनके नेतृत्व और आह्वान पर लड़ाई में ड्डाग लेती है। लेकिन आदिवासी युद्धों में इसके विपरीत पूरी जनता सामूहिक कंससनेस से ब्रिटिश सरकार के खिलाफ युद्ध का फैसला करती है। गांव-गांव और पंचायत स्तर पर जनता खुद ही संगठित होती है और पूरा इलाका एक साथ युद्ध में उतरता है। संताल हूल में सिदो-कान्हू को 'नायक' और 'नेता' आदिवासी जनता ने नहीं बनाया बल्कि उन लोगों ने बनाया जो बाहर से आए। वे इतिहासकार थे, रिसर्चर थे या फिर साहित्य से जुड़े हुए लोग। सच्चाई यही है कि पारंपरिक आदिवासी स्वशासन व्यवस्था के अनुसार सिदो-कान्हू ने अगुआई की। नायक बनाने के चक्कर में न सिर्फ संताल हूल में शामिल अन्य अगुआ लोगों की उपेक्षा हुई बल्कि महिलाओं की ड्डागीदारी को भी समुचित स्थान नहीं मिल सका। चांद-भैरव और फूलो-झानो के बारे में हमलोग इसीलिए नहीं जान पाते हैं क्योंकि सिदो-कान्हू के नायकत्व में इन्हें भूला दिया गया।

संताल हूल सोच-समझकर लिया गया सामूहिक निर्णय था। यह निर्णय 30 जून 1855 को भोगनाडीह, बरहेट में आयोजित विशाल जन-जुटान में लिया गया। इस जन-जुटान में संताल परगना और जंगल तराई इलाके के आदिवासियों ने हजारों की संख्या में भाग लिया था और इसमें सदान मूलवासी जनता की भी भरपूर भागीदारी थी। जबकि 1857 में शुरू हुआ विद्रोह मंगल पांडेय नामक सिपाही के धार्मिक सोच की वजह से शुरु हुआ था। संताल हूल और सिपाही विद्रोह की शुरुआत के कारण बिल्कुल अलग थे। संताल हूल जहां ब्रिटिश शासकों और जमींदार-महाजनों के खिलाफ युद्ध का सीधा फैसला था तो सिपाही विद्रोह व्यक्तिगत रूप से धार्मिक कारण के चलते अनायास शुरु हुआ था। जो आगे चलकर एक बड़े विद्रोह के रूप में परिणत हुआ और इसमें शामिल होने वाले या नेतृत्वकर्ता अधिकांश राजा-सामंत थे जो ब्रिटिश शासन के हस्तक्षेप को अपने राज-काज में स्वीकार नहीं करना चाहते थे। परंतु संताल हूल किसी व्यक्तिगत निजी कारण से नहीं वरन सामूहिक स्तर पर युद्ध करने का फैसला था। लेकिन आदिवासियों को असभ्य, जंगली और बर्बर मानने की नस्ली दृष्टि के कारण 1855 में हुए संताल हूल को इतिहास और साहित्य में भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम नहीं स्वीकार किया गया। यह सम्मान दो साल बाद निजी कारण से शुरू हुए सिपाही विद्रोह को दिया गया।

संगठित संथाल हूल कितना प्रभावी था इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि तोप और बंदूकों के बावजूद अनेक बार उन्हें पीछे हटना पड़ा था। दो सौ साल के ब्रिटिश शासनकाल में यह पहला ऐसा व्यापक जनयुद्ध था जिसे दबाने के लिए सरकार को मार्शल लॉ लगाना पड़ा। यह जनयुद्ध रुक-रुक कर कई चरणों में 1956 तक चला और इस दौरान हजारों आदिवासी लड़ाके शहीद हुए जिनमें महिलाएं भी शामिल थी। 1830-32 के महान कोल ब्रिदोह के करीब 20 साल बाद हुआ संताल हूल ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ हुआ दूसरा सबसे बड़ा जनयुद्ध था। इसके पूर्व देश के किसी हिस्से में ऐसे जनयुद्ध का विवरण नहीं मिलता। तथाकथित तौर पर भारत का प्रथम राष्ट्रीय संग्राम कहा जाने वाला 1857 का सिपाही विद्रोह हो या पचास के दशक तक चला आजादी का संघर्ष, इन सबकी नींव में संताल हूल जैसे आदिवासी युद्ध थे। संताल हूल ने अपने सरेंडर विहीन युद्ध से पूरी दुनिया का ध्यान खींचा था। लंदन के अंग्रेजी अखबारों में संताल हूल पर लंबी-लंबी रपटें छपी थीं और युद्ध की तस्वीरें चित्राकार से बनवाकर छापी गई थीं। इससे कार्ल मार्क्स जैसे राजनीतिक दार्शनिकों को आदिवासियों के इस अदम्य संघर्ष की जानकारी हुई। कार्ल मार्क्स ने अपनी विश्वप्रसिद्ध रचना 'नोटस ऑफ इंडियन हिस्ट्री' में जून 1855 में हुए इस आदिवासी जनयुद्ध संताल हूल को जनक्रांति कहा है। हमारे देश के इतिहासकारों ने कभी भी आदिवासी इतिहास पर कलम नहीं चलाई। आदिवासी लोग बहुत बाद में पढ़े-लिखे। इसलिए संताल हूल जैसे आदिवासी जनयुद्ध अड्डी ड्डी इतिहास के अंधेरे में हैं। आदिवासी लोकगीतों, लोककथाओं और वाचिक परंपरा के अन्य विधाओं में बहुत सारी ऐतिहासिक सामग्री संजोयी हुई है। ब्रिटिश दस्तावेजों और जिला गजेटियरों में भी बहुत से तथ्य हैं। जिनकी चर्चा जानबूझकर इतिहासकार नहीं करते। आदिवासी लेखकों, बुद्धिजीवियों और समाज-राष्ट्र में समानता की चाह रखने वाले लोतांत्रिक शक्तियों को श्रमपूर्वक खोज-अध्ययन करते हुए आदिवासी जनयुद्धों के इतिहास के सभी आयामों को उजागर करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

(लेखिका सामाजिक कार्यकत्ता और लेखन से जुड़ी हैं)

हूल ज्ञापन नहीं जीने का अधिकार पत्र है!

अश्विनी पंकज

पत्नी, बच्चे, घर-द्वार के लिए भाई
बछड़े, बकरों के लिए भाई
हूल हम जरूर करेंगे
पहले जैसी आजादी के लिए भाई
पहले जैसी मुक्ति के लिए भाई
हूल हम जरूर करेंगे

हूल, उलगुलान, धूमकाल और सन 47 के बाद किये गये संवैधानिक वायदों की अनदेखी बढ़ती जा रही है। इसलिए हूल दिवस के इस अवसर पर इतिहास और वर्तमान को याद करना जरूरी होगा, जिससे हम 1855 से जारी जनयुद्ध के कारणों को सामाजिक न्याय के परिप्रेक्ष्य में देख सकें। इसके आलोक में अपनी समझदारी विकसित कर सकें कि कोई भी समाज-राष्ट्र आखिर अपने ही देशज-आदिवासी समुदायों के, वह भी संवैाानिक प्रावाानों के बावजूद, क्यों जीने के आकिार से वंचित करते हुए उन्हें अलगाव में डाल रहा है, उन्हें जनयुद्ध की ओर धकेल रहा है।

भारत के आदिवासी जनों के साथ भेदभाव इतिहास लेखन के साथ ही शुरू हो जाता है। जब हम सभी पाठ्य पुस्तकों, इतिहास की किताबों में सिर्फ और सिर्फ यही पढ़ते हैं कि भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के सिपाही विद्रोह से शुरू होता है। झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार की सीमा पर राजमहल के जंगलों में जबकि 1880 में तिलका मांझी उर्फ जबरा पहाड़िया का जनयुद्ध हो चुका था। इसके करीब 70 साल बाद 1855 में हुआ हूल आंदोलन तो एक व्यापक, संगठित और रणनीतिक रूप से सुनियोजित युद्ध था, जिसके विस्तार और प्रभाव को अंग्रेज अधिकारियों से लेकर तत्कालीन लेखकों ने समान रूप से स्वीकार है।

इस दृष्टि से 1935 में लिखित आर कार्सटेयर्स लिखित 'हाड़मा विलेज' महत्वपूर्ण ऐतिहासिक दस्तावेज है, जिसमें हूल का आंखों देखा विवरण दर्ज है। कार्सटेयर्स 1855 से 1859 तक संताल परगना में डिप्टी कमिश्नर रहा था। 'हाड़मा विलेज' का संताली अनुवाद आरआरके रापाज किस्कू ने 1946 में 'हाड़मावाक् आतो' का रोमन लिपि में प्रकाशित किया था। हिंदी अनुवाद 2012 में शिशिर टुडू ने किया। जो 'ऐसे हुआ हूल' के नाम से प्रकाशित हुआ है।

यह दस्तावेज हूल के जिन कारणों पर विस्तार से प्रकाश डालता है, उससे अलग आज की परिस्थिति बिल्कुल नहीं है। बल्कि पहले से ज्यादा बदतर हुई है। पहले तो कम से कम एक बड़ा विभाजन यही था कि शासक बाहरी अर्थात विदेशी थे। लेकिन 47 के बाद शासक देशी हुए और कहा गया कि देश आजाद हो गया, सभी नागरिक अब स्वतंत्र हैं। झूठी स्वतंत्रता और भ्रष्ट लोकतंत्र के कारण विरोध करना, असहमति जताना, अन्याय-अत्याचार की खिलाफत करना और आत्मरक्षार्थ हथियार उठाना देशद्रोह मान लिया जाता है। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के साथ शासक वर्ग का रवैया कसाई और बकरी की तरह है। ऐसे में आदिवासी जनता क्या करे? हम जानते हैं कि तमाम संवैाानिक प्रावाानों, कानूनों, सराकरी नीतियों-कार्यक्रमों, घोषणाओं और आश्वासनों के बावजूद देश के आदिवासी इलाके हूल की तरह ही त्रास्त हैं और प्रतिरोध में लगातार उबल रहे हैं।

1855 में हुए देश के इस प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में सिर्फ संताल ही नहीं शामिल थे। उस इलाके सारे समुदाय, जो सूदखोरी, महाजनी, जमींदारी जुल्म, पुलिसिया अन्याय और औपनिवेशिक लूट से पीड़ित थे, हूल में शामिल थे। संतालों की आबादी चूंकि राजमहल के इलाके में सबसे ज्यादा थी और उन्होंने ही इस जनयुद्ध का नेतृत्व किया था, इसलिए इसे संताल हूल कहा जाता है। लेकिन यह वास्तव में संतालों के नेतृत्व में हुआ देश का पहला जनयुद्ध था। इसीलिए हूल के तुरंत बाद 15 अगस्त 1855 को अंगरेजी सरकार ने यह घोषणा करते हुए उस इलाके में 14 हजार सैनिकों को तैनात किया था

'जान पड़ता है, संताल आदिवासियों ने सरकार के विरुद्ध विद्रोह किया, लूट-पाट की, लोगों के प्राण लिये और सरकारी फौजों का सामना किया, फिर भी उनमें से अधिकांश अपना मूर्खता को महसूस करते हुए क्षमा चाहते हैं, पहले की तरह मिलजुलकर रहना चाहते हैं। इसलिए सरकार की ओर से यह घोषणा की जाती है कि चूंकि सरकार अपनी प्रजा की भलाई चाहती है, अतः संताल लोग पथभ्रष्ट हो चुकने के बाद भी हाकिमों, अधिकारियों के पास दस दिनों के अंदर आत्मसमर्पण कर दें, तो जांच के बाद नेताओं को छोड़कर अन्य लोगों को क्षमा प्रदान कर दिया जाएगा। और अगर इस घोषणा के बाद भी कोई

सरकार के विरुद्ध खड़ा होगा, तो उसे अविलंब सजा दी जाएगी।'

लेकिन योद्धाओं ने समर्पण नहीं किया। महाजनी-सामंती और अंगरेजी राज के खिलाफ नारा और बुलंद हुआ - 'जुमीदार, महाजन, पुलिस राजदेन आमला को गुजुकमाड़' अर्थात 'जमींदार, महाजन, पुलिस और सरकारी अमलों का नाश हो।' 'बिर-बुरु ओकेया-ओकेया' (जल, जंगल, जमीन हमारा है हमारा है)। आज भी देश के आदिवासी क्षेत्रों में यही नारा है। कोई नया नारा नहीं है। जब नारा नया नहीं है, तो जाहिर है परिस्थितियां वही हैं। सवाल, मुद्दे और मांगें भी वही हैं। हद तो तब हो जाती है, जब देश का संवैधानिक प्रमुख, जिस पर आदिवासी इलाकों के लिए संविधान में किये गये विशेष प्रावाान पांचवीं अनुसूची की रक्षा का दायित्व है,वह भारी जन विरोध के बावजूद कॉरपोरेट का साथ देता है। आदिवासियों को उनसे से मिलने नहीं दिया जाता। समूचे क्षेत्र में अघोषित कर्फ्यू लगा दिया जाता है। सरकार और समाज को हूल की असहमतियों पर विचार करना ही होगा।

हूल मांग का कोई ज्ञापन नहीं है। यह ऐतिहासिक अस्वीकार है लूट, दमन और आज के विवंसकारी विकास मॉडल का। यह दावा है प्रकृति जनों का प्रकृति और पूरी समष्टि के लिए। प्रकृति, जानवर, वनस्पतियां, ग्रह, नक्षत्र और इंसान सभी के हित सुरक्षित रहें इसकी कामना है हूल।

आज के राजनेता सिद्धो-कान्हू से सीखें

संथाल हूल के जननायक से सीख लें झारखंडी युवक-युवतियां

डॉ हरि उरांव

झारखंड में आज आदिवासी नेतृत्व पर सवाल उठाये जाते हैं लेकिन इतिहास के पन्नों को पलटें तो आदिवासी नेतृत्व में कहीं भी कमजोरी नहीं दिखायी देती है। वीर तिलका मांझी, सिदो-कान्हू, चांद, भैरव, वीर बुद्धु भगत, तेलंगा खड़िया, बिरसा मुंडा, नीलांबर पीतांबर, जतरा टाना भगत सहित कई ऐसे व्यक्तित्व हुए जिन्होंने अपनी नेतृत्व क्षमता का लोहा मनवाया है। ऐसे में यह कहना कि आदिवासियों में नेतृत्व क्षमता की कमी है यह हजम नहीं होता है। बस इसे देखने का नजरिया होना चाहिए। संताल हूल के जननायक सिदो-कान्हू से झारखंड के युवाओं को प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी अंग्रेजों से लोहा लिया और वीर गति को प्राप्त किया। आज के आदिवासी नेताओं, विधायकों, मंत्रियों के ऐसे वीरों की जीवन से सीख लेनी चाहिए। आज आदिवासियों नेतृत्व पर इसलिए सवाल उठाये जाते हैं क्योंकि आज उनके अंदर विजन नहीं है। वे व्यक्तिवादी हो गये हैं। पैसा,नाम और पहचान चाहते हैं, निःस्वार्थ सेवा की भावना नहीं है। सिर्फ अपना एक्सपोजर चाहते हैं। सामज की चिंता नहीं करते हैं, जबकि सिदो-कान्हू जैसे अन्य वीरों ने समाज के लिए संघर्ष किया। अपने को बलिदान कर दिया। पहले के आदिवासी अगुवों में इतनी बेइमानी नहीं थी। जनता उनपर विश्वास करती थी, लेकिन आज उलटा हो रहा है। मुद्दों पर भी जनता एकजुट नहीं हो रही है। क्योंकि आज के आदिवासी नेता विश्वास को तोड़ चुके हैं। जनता उनपर विश्वास ही नहीं करती है। इसलिए जनता का विश्वास जीतना होगा। आज शहीद सिदो-कान्हू, वीर बुद्धु भगत, बिरसा मुंडा, तिलका मांझी की तरह समाज के लिए समर्पित होना होगा। झारखंड को सही नेतृत्व देना होगा। आज देश, राज्य के नेता बस अपनी सुरक्षा और लाभ के लिए राजनीति कर रहे हैं। समाज और देश की भलाई नहीं सोचते। ऐसे परिस्थिति में इन शहीदों की जीवन ही हमें समाज के लिए सोचने ओर काम करने के लिए प्रेरित करता है। आज मंथन और चिंतन के बाद भी झारखंड विकास के रास्ते नहीं चल रहा है। आज विजनपूर्ण नेतृत्व की जरूरत है। इसी से झारखंड का भला होगा। तमाम तामझाम के बावजूद विजन वाला नेतृत्व झारखंड को नहीं मिल पाया है।

(जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग रांची)

हूल के जनक: गरभू मांझी

जेरोम जेराल्ड कुजूर

1857 के सिपाही विद्रोह को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की पहली लड़ाई कहा जाता है, लेकिन झारखंड के इतिहास में इसके पूर्व ही यहां के शूरवीरों ने अंग्रेजी सम्राज्य के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। अमर शहीद तिलका मांझी का आंदोलन 1772 के आसपास हुआ था। जिन्हें अंग्रेजों ने फांसी दी। 1832 में कोल विद्रोह हुआ जिसमें पूरे आदिवासी शामिल हुए थे। 1855 का संताल हूल सिद्धो-कान्हो के नेतृत्व में लड़ी गयी। इस संताल हूल के एक नायक थे गरभू मांझी। गरभू मांझी न होते तो शायद संताल हूल न होता।

गरभू मांझी का जन्म बरहेट क्षेत्र के आमगाछी गांव में हुआ था। उस समय संथालपरगना में अंग्रेज महाजनी प्रथा चला रहे थे। उनके गांव में महाजनी के लिए कुबिरा गांव के दो भाई किनाराम और बेचाराम भगत आया करते थे। वे दोनों लोगों का तीन चार मुर्गा और ज्यादा पैसा वसूल ले जाते थे। पैसा नहीं देने पर गाय-बैल, भेड़-बकरी भी जबरन उठा ले जाते थे। यह सब देखकर गरभू मांझी को रहा नहीं जाता था। चूंकि मांझी था इसलिए गांव की जिम्मेवारी उसी पर थी। ग्रामीणों की पीड़ा देखकर वह महाजनों के खिलाफ आवाज उठाया। गरभू मांझी की शक्ति देखकर महाजन किनाराम और बेचाराम भगत व्याकुल हो उठे। उसे दबाने के लिए दोनों महाजनों ने बरहेट थाना में महेश लाल दरोगा के समक्ष गरभू मांझी के खिलाफ झूठा केस दायर कर दिया। इस पर दरोगा ने आमगाछी गांव आकर गरभू मांझी को गिरफ्तार कर लिया।

यह खबर संतालपरगना में आग की तरह फैल गयी। उस समय का जेल भागलपुर में था, इसलिए गरभू मांझी को बरहैट से भागलपुर जेल ले जाना था। इसकी सूचना पड़ैरकोला श्यामपरगना लिट्टीपाड़ा के विजय मांझी एवं भोगनाडीह के संताल भाइयों सिदो-कान्हो तक भी पहुंच गयी।

अतः गरभू मांझी को छुड़ाने के लिए सिदो-कान्हो ने हजारों संतालियों को जमा करके बरहेट थाना का घेराव किया। बरहेट थाना में सिदो ने गरभू मांझी की हथकड़ी खोल दी। हथकड़ी खुलते ही गरभू मांझी ने संताल भाई से तलवार छीनकर दारोगा महेशलाल की कान काट दी। और सभी संतालों ने एक साथ चिल्लाया हूल-हूल, फिर उन्होंने ने बरहेट थाना जला दिया गया।

यहीं से संताल हूल की शुरुआत हुई। यह घटना 1855 की है। अगर गरभू मांझी नहीं होते तो सिद्धो-कान्हो और उनके भाई तथा अन्य संताली यह आंदोलन नहीं करते। लेकिन जिस प्रकार अन्य मामलों और आंदोलनों की इतिहास में उपेक्षा की गयी है उसी प्रकार इस आंदोलन के कई महत्वपूर्ण पात्र अनजान है और उनके बारे में कोई नहीं जानता है। झारखंड की धरती रत्नगर्भा होने के साथ वीर भी पैदा करती रही है। संताल हूल गरभू मांझी के कारण ही प्रारंभ हुआ लेकिन आज वे इतिहास के पन्नों से गायब है।

(लेखक सामाजिक कार्यकर्ता और चिंतक हैं।)

सामग्री संकलनः प्रो कोरनेलियुस मिंज खूंटी कॉलेज झारखंड

स्व केके सिंह ताउम्र मानवता की सेवा में जुटे रहे : रघुवर दास

समाजसेवी केके सिंह की स्मृति में 178 यूनिट रक्तदान

रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते राज्यपाल रघुवर दास। साथ में हरि बल्लभ सिंह आरसी, विकास सिंह व अन्य।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के पेट्रन व इस शहर के जाने माने समाजसेवी स्व के के सिंह ने अपने पूरे जीवन में मानवता की सेवा के कार्यों को बखूबी किया, जिसका परिणाम आज सामने है कि लोग उनकी स्मृतियों के साथ यहां इस रक्तदान शिविर में जुड़े हैं। निजी जीवन में कोई कितना भी बड़ा हो इसकी कोई चर्चा नहीं होती, लेकिन सामाजिक जीवन के आपके छोटे से छोटे योगदान को भी समाज याद रखती है। उक्त विचार उड़ीसा के राज्यपाल रघुवर दास ने यहां साकची स्थित रेड क्रॉस भवन में स्व के के सिंह की जयंती पर आयोजित रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किया। उन्होने आशा व्यक्त किया कि उनके नाम पर होने वाले सामाजिक कार्यों को उनका परिवार इसी तरह आगे बढाते रहेगा, जिससे मानवता के सेवा कार्यों से जरुरतमंदों को लाभ मिलेगा। आज यहां रेड क्रॉस भवन में स्व सिंह की जयंती पर आयोजित रक्तदान महायज्ञ में श्री दास के साथ श्री कृष्ण सिंहा संस्थान के संस्थापक महासचिव हरबल्लभ सिंह आरसी, रेड क्रॉस के उपाध्यक्ष बालमुकुन्द गोयल, रक्तदान प्रभारी अरुण बाकरेवाल, टाटा मोटर्स के पूर्व जीएम मानस मिश्रा, राजकिशोर सिंह, अनील ठाकुर ने संयुक्त रूप से स्व के के सिंह की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अतिथियों का स्वागत रेड क्रॉस के उपाध्यक्ष विकास सिंह ने किया। रघुवर दास नेरक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए रक्तदाताओं को पुष्पगुच्छ प्रदान किया। संध्या 5 बजे तक चले रक्तदान शिविर में 178 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस दौरान रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए रबीन्द्र नाथ चौबे, बीएनपी गुप्ता, रामबाबू तिवारी, राम उदय प्रसाद सिंह, एसडीएसएम स्कूल के चेयरमैन दिवाकर सिंह, के के एजुकेशनल फाउण्डेशन ट्रस्ट की संरक्षक एवं स्व सिंह की धर्मपत्नी उर्मिला सिंह, निदेशक रश्मि सिंह, उषा सिंह, देवानन्द सिंह, सिद्धनाथ दुबे, धर्मेन्द्र प्रसाद एवं अन्य लोगों ने रक्तदाताओं को पुष्प गुच्छ प्रदान किया। संचालन रेड क्रॉस पूर्वी सिंहभूम के सचिव विजय कुमार सिंह ने किया। ब्लड सेन्टर की टीम ने रक्त संग्रहण का कार्य किया। समाजसेवी दिवाकर सिंह द्वारा विकास सिंह को स्मृति चिन्ह व शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

रेडक्रॉस का तीन दिवसीय नेत्र शिविर आज से

जमशेदपुर। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया सेवा संस्थान द्वारा यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिडेट के सीएसआर कार्यक्रम के तहत 29 जून से तीन दिवसीय नेत्र शिविर का आयोजन बागबेड़ा थाना चौक स्थित राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में किया जायेगा। 29 जून शनिवार को प्रातः 11 बजे से नेत्र रोगियों का रजिस्ट्रेशन किया जायेगा तथा नेत्र रोगियों के आंखों की जांच दोपहर 1 बजे नेत्र चिकित्सक एवं उनकी सहयोगी चिकित्सीय टीम द्वारा की जायेगी। 30 जून को उपयुक्त पाये गये नेत्र रोगियों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण नेत्र चिकित्सक डॉ बी पी सिंह, डॉ पूनम सिंह, डॉ विवेक केडिया, डॉ राशि एवं सहयोगी चिकित्सीय टीम द्वारा किया जायेगा तथा 1 जुलाई को इन सभी नेत्र रोगियों की पट्टी खोलकर उन्हें चश्मा व दवा प्रदान कर विदा किया जायेगा। रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव विजय कुमार सिंह ने इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं समाजसेवियों से आग्रह किया है कि वे जरूरतमंद नेत्र रोगियों को शिविर तक पहुंचने में मदद करें।

स्पीड न्यूज

डीसी से मिले डॉ दिनेशानंद गोस्वामी

जमशेदपुर। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिनेशानंद गोस्वामी ने 4 महीनों से लम्बित वृद्धावस्था पेंशन का शीघ्र भुगतान करने ग्रीनकार्डधारी राशन उपभोक्ताओं को नियमित राशन मुहैया कराने जैसी मांगों को लेकर आज पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त से उनके कार्यालय में मिले। डॉ गोस्वामी ने उपायुक्त से कहा कि विगत 4 महीनों से वृद्धावस्था एवं विधवा पेंशन का भुगतान नहीं हुआ है। कई बुजुर्ग तो वृद्धावस्था पेंशन से ही अपना जीवन यापन करते हैं। नियमित पेंशन न मिलने के कारण अनेक लोगों को अपना जीवन निर्वाह करने में कठिनाई हो रही है। वहीं ग्रीनकार्डधारी राशन उपभोक्ताओं को अगस्त 2023 से राशन उपलब्ध नहीं हो रहा है। डॉ गोस्वामी ने अबुआ आवास योजना की धीमी रफ्तार के संबंध में उपायुक्त को बताया तथा अबुआ आवास की विसंगतियों को दूर करने हेतु आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। उपायुक्त से मिलने गोस्वामी के साथ भाजपा महानगर उपाध्यक्ष संजीब सिंहा तथा दिनेश शर्मा भी सम्मिलित थे।

पटमदा में विधायक मंगल कालिंदी ने किया सड़क निर्माण योजना का शिलान्यास

ः फोटो मंगल

पटमदा। पटमदा के बामनी गांव में शुक्रवार को विधायक मंगल कालिंदी ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 22 लाख की योजना से स्वीकृत सड़क का चौड़ीकरण सह सुदृढ़ीकरण कार्य का नारियल फोड़कर शिलान्यास किया। मौके पर सांसद प्रतिनिधि महावीर महतो, विधायक प्रतिनिधि चन्द्रशेखर टुडू, जिला परिषद सदस्य प्रदीप बेसरा, बीस सूत्री अध्यक्ष कालिपद महतो, पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष बासुदेव मंडल, विमल मंडल, झामुमो नेता सुभाष कर्मकार, अश्विनी महतो, माणिक महतो, विनय मंडल, स्वपन महतो, मिलन दास, कांग्रेस नेता विश्वामित्र दास, भाकपा नेता परेश मंडल, समेत सैकड़ों लोग मौजूद थे। इस संबंध में विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि इस योजना के तहत बामनी मोड़ से घोषडीह, खेरुआ होते हुए काशियागोड़ा तक करीब 4 किमी सड़क की चौड़ीकरण सह सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जाएगा। इससे इस क्षेत्र के लोगों की करीब एक दशक पुरानी मांग पूरी हो जाएगी। गौरतलब हो कि इस सड़क की मरम्मत के लिए भाकपा नेता परेश मंडल लगातार प्रयासरत थे और शिलान्यास के मौके पर उन्होंने विधायक का धन्यवाद ज्ञापन किया।

हेमंत सोरेन की रिहाई पर विधायक मंगल ने लड्डू वितरण किया

जमशेदपुर। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र के बोड़ाम प्रखंड रसिकनगर पंचायत अंतर्गत बड़ा सुसनी ग्राम में ग्रामीणों द्वारा आयोजित बैठक में जुगसलाई के लोकप्रिय विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए और ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हुए। विधायक द्वारा ग्रामीणों को राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजना के बारे में जानकारी दी गई और लाभ लेने के लिए कहा। बैठक के दौरान विधायक द्वारा आदरणीय हेमंत सोरेन जी को माननीय उच्च न्यायालय से जमानत मिलने की खुशी में ग्रामीणों के बीच लड्डू का वितरण भी किया गया। इस दौरान विधायक मंगल कालिंदी ने कहा कि हमें पूरा भरोसा था कि जेल के ताले टूटेंगे और हेमंत सोरेन छूटेंगे क्योंकि सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं। आज का दिन झारखंड मुक्ति मोर्चा के सभी कार्यकताओं और नेताओं के लिए कोई त्योहार से कम नहीं है। मौके पर विधायक प्रतिनिधि चन्द्रशेखर टुडू, झामुमो नेता माणिक महतो, सुभाष कर्मकार, अश्विनी महतो, गौरीनाथ महतो आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

पॉस्को एक्ट के मामले 60 दिनों के भीतर निपटाने के दिये निर्देश

पासपोर्ट सत्यापन में देरी बर्दाश्त नहीं : एसएसपी

एसएसपी ने कहा कि इस वर्ष जिस थाना क्षेत्र में वाहन चोरी/गृह भेदन/चैन छिनतई आदि की कांडो में वृद्धि हुई है। उनसे 2 दिनों के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की गई। उनके विरुद्ध करवाई की जाएगी

एसएसपी ने की मासिक अपराध समीक्षा बैठक

मासिक अपराध समीक्षा बैठक को संबोधित करते सीनियर एसपी किशोर कौशल। साथ में सिटी एसपी मुकेश लुणावत व ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। आज 28 जून को वरीय पुलिस अधीक्षक, जमशेदपुर द्वारा पुलिस अधीक्षक, नगर/ग्रामीण, सभी पुलिस उपाधीक्षक, सभी अंचल निरीक्षक, सभी थाना प्रभारी एवं शाखा प्रभारियों के साथ मासिक अपराध समीक्षा बैठक किया गया।

उक्त बैठक में मुख्य रूप से सीनियर एसपी ने निम्न बिंदुओं पर दिशा निर्देश दिया गयाः सबसे पहले दिनांक 01 जुलाई 2024 से लागू होने वाले 3 नये क्रिमिनल लॉ के बारे में सभी थाना प्रभारी/पुलिस निरीक्षक को ब्रीफ किया गया।

साथ ही पुलिस उपाधीक्षक को अपने अधीनस्थों को इस संबंध में ब्रीफ करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके पश्चात वारंट/इश्तेहार/कुर्की का स समय निष्पादन हेतु पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन करने का निर्देश दिया गया। एसएसपी ने कहा कि इस वर्ष जिस थाना क्षेत्र में वाहन चोरी/गृह भेदन/चैन छिनतई आदि की कांडो में वृद्धि हुई है। उनसे 2 दिनों के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की गई। उनके विरुद्ध करवाई की जाएगी।

एनडीपीएस कांडो के अभियुक्तों के विरुद्ध पीआइटी एनडीपीसी/ निगरानी प्रस्ताव खोलने हेतु प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया गया। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को आदेश दिया कि पोक्सो एक्ट से संबंधित सभी काण्डों को 60 दिन के अन्दर निष्पादित करना सुनिश्चित करेंगे, अनावश्यक रूप से लंबित नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि जिले में वैसे सक्रिय अपराधकर्मी जिनके विरूद्ध 02 से अधिक सम्पत्तिमूलक या अन्य संगीन काण्ड दर्ज हो तो वैसे अपराधकर्मियों के विरूद्ध उउअ/निगरानी प्रस्ताव समर्पित करना सुनिष्चित करेंगे। एसएसपी ने कहा कि पासपोर्ट का सत्यापन 05 दिन के अन्दर पूर्ण कर पोर्टल में अपलोड करने का निर्देश दिया गया।

किसी भी परिस्थिति में पासपोर्ट सत्यापन के नाम पर आवेदनकर्ता को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करेंगे। बैठक में इमर्जेंसी सपोर्ट रिस्पांस सिस्टम 112 के तहत प्राप्त शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित पदाधिकारी को 30 मिनट के अंदर रिस्पोंड करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक के अंत में लोकसभा चुनाव में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिस उपाधीक्षक/पुलिस निरीक्षक /थाना प्रभारी एवं चुनाव कोषांग के कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर वरीय पुलिस अधीक्षक के द्वारा सम्मानित किया गया।

एक नजर में

पूर्व मंत्री सहिस ने उड़ीसा के राज्यपाल रघुबर दास से मिलकर लिया आशीर्वाद

जमशेदपुर। आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रधान महासचिव सह पूर्व मंत्री रामचंद्र सहिस ने आज सुबह 11 बजे उड़ीसा के राज्यपाल रघुबर दस से उनके जमशेदपुर स्थित आवास पर मिले और आशीर्वाद प्राप्त किये। औपचारिक मुलाकात के बाद सहिस ने बताया कि पूर्व में रघुबर दास के नेतृत्व में मुझे सहयोगी के रूप में मंत्री बन कर कार्य करने और जनसेवा करने का अवसर मिल चुका है। साथ ही इनका हर विषयों पर मुझे सदैव ही मार्गदर्शन और आशीर्वाद मिलता रहा है। दल अलग होते हुए भी हमलोगो का दिल एक ही रहा है। हमेशा मै इन्हे अपने बड़े भाई के रूप मे देखा और इन्होने भी छोटे भाई के तरह मुझे सहयोग और मदद करते आये हैं। भविष्य में इनके उज्वल भविष्य और कार्यकुशलता की कामना करते है ताकि इनका मार्ग दर्शन मिलता रहे। सहिस के साथ राज्यपाल से मिलने वालो मे सचिन प्रसाद, शेखर सहिस भी शामिल थे।

हेमंत सोरेन को जमानत मिलने की खुशी में झामुमो ने फोड़े पटाखे

जमशेदपुर। शुक्रवार को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को हाई कोर्ट से जमानत मिलने की खुशी में झामुमो पूर्वी सिंहभूम जिला समिति के द्वारा साकची गोल चक्कर में पटाखे फोड़े गए तथा लड्डू वितरण कर खुशी मनाई गई। इस कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता प्रमोद लाल ने कहा कि हेमंत सोरेन जी को भाजपा की केंद्र सरकार के इशारे पर ईडी के द्वारा झूठे केस में फंसा कर 30 जनवरी 2024 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। 6 माह के बाद झारखंड हाई कोर्ट के द्वारा हेमंत सोरेन को जमानत दे दी गई। यह सच्चाई की जीत है। इस कार्यक्रम में शेख बदरुद्दीन, जिला उपाध्यक्ष अरुण प्रसाद, फैयाज खान राज, लकड़ा, प्रीतम हेंब्रम, राजा सिंह बलजीत सिंह, नंदू पाजी, फत्ते चन्द टुडु राजू श्रीवास्तव खीरू पाल परल्हद लोहार पिंटू लाल उमानाथ झा रंजीत सिंह गुरमीत सिंह गिल तनवीर अंसारी रानू मंडल जमील अख्तर मनोज गुप्ता सविता सिंह दुर्गा बोयपाई बाली मारडी राजकुमार विनोद डे अजय रजक तथा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चाकूलिया में सुब्रतो कप फुटबॉल टूर्नामेंट का विधायक ने किया उद्घाटन

चाकूलिया। चाकूलिया के केदारनाथ झुनझुनवाला उच्च विद्यालय मैदान में शुक्रवार को एक दिवसीय प्रखंड स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल कप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विधायक समीर कुमार महंती ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल को किक मार कर किया। विधायक समीर कुमार मोहंती ने कहा कि कोशिश करने वालों की हार नहीं होती है। इस अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कृत शिक्षक रामस्वरूप यादव, गोपन परिहारी,राणा मल्लिक, राजा बारीक, प्रिय गोपाल मंडल, तापस दास, गौतम शर्मा, मिथुन कर, शिक्षक शिव शंकर पोलाइ, एन एल बास्के, अमृत लाल मिंज, सुनील कुमार सिंह, कमलेंदु महतो, काटू सोरेन, कृष्ण पद महतो, जितराइ सोरेन, परसु राम, हेंब्रम गणेश मुंडा उपस्थित थे।

इमाम अब्दुल मालिक मिस्बाही का ह्यूमन वेलफेयर ने किया स्वागत

जमशेदपुर। मदीना मस्जिद के खतीब ओ इमाम अब्दुल मलिक मिस्बाही जो हज्ज पे गए हुए थे हज्ज की वापसी पर ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के ट्रस्टी सैयद आसिफ अख्तर अध्यक्ष मतिनुल हक अंसारी मानगो नगर निगम के ब्रांड एम्बेसडर मुख्तार आलम खान शाहिद परवेज सोहैल अख्तर अंसारी मोहम्मद मोइनुद्दीन अंसारी मास्टर खुर्शीद अहमद खान हाजी सिद्दिक अली और रिजवानुज जमा ने मदीना मस्जिद के पास फूलों का हार पहनाकर हज की वापसी पर जोर दार स्वागत किया। हाजी अब्दुल मलिक मिस्बाही ने ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के सदस्यों से जो के हज पर नहीं गए उनसे भी हज पर मक्का मदीना जाने की अपील की और कहां के तंदुरुस्त रहते रहते हज कर लेना बेहतर है।सभी लोगों ने एक दूसरे को खजूर खिलाकर मुंह मीठा किया।

मायुमं अचीवर्स शाखा ने लगायी 7वीं स्थाई अमृतधारा

जमशेदपुर। मारवाड़ी युवा मंच टाटानगर अचीवर्स शाखा द्वारा शुक्रवार को सर्किट हाउस रोड नं 7 स्थित माइनिंग ऑफिस के पास शिव साईं मंदिर में सत्र 2024-25 की सातवीं स्थाई अमृतधारा लगायी गयी। शाखा अध्यक्ष अंशुल रिंगासिया की अध्यक्षता में शाखा का अपना फॉर्मेशन वीक के दुसरे दिन इस अमृतधारा का लोकार्पण भाजयुमो जमशेदपुर महानगर जिलाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने किया। इस मौके पर शाखा सचिव विजय सोनी, अभिषेक अग्रवाल गोल्डी, रवि गुप्ता, प्रतीक अग्रवाल, आदित्य जाजोदिया, मेघा चौधरी, मुकेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, आनंद अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

दिव्य ज्योति नेत्रहीन संस्था में लायंस क्लब ने मनाया हेलेन केलर डे

जमशेदपुर। दिव्य ज्योति नेत्रहीन संस्था शास्त्री नगर ब्लॉक नंबर चार में है। लायंस क्लब ऑफ जमशेदपुर के पूर्व अध्यक्ष लायंस पूरबी घोष 2019 में इस संस्था को गोद लिया था और अभी भी उसे सदस्यों और बाहर के स्पॉन्सर के सहयोग से चला रही है। इस संस्था में दिव्यांग बच्चों के साथ हेलेन केलर डे मनाया गया। 27 जून 1880 में हेलेन केलर का जन्म हुआ था अमरीका में जो एक बधीर और दृष्टिहीन बच्ची थी। लेकिन दिवांग होने के बाबजूद हेलेन केलर विश्व का पहला महिला ग्रेजुएट थी। एक लेखिका और अच्छे ओरेटर भी थी। सबसे पहले अध्यक्ष पी एम जे एफ लायंस अशोक खंडेलवाल ने सब को स्वागत किए और एम जे एफ लायंस पूरबी घोष ने हेलेन केलर के जीवनी पर प्रकाश डाले और बच्चे अनुप्रेरित किए। एक दृष्टिहीन होने के बाबजूद भी हेलेन केलर ने सारा विश्व में ख्याति प्राप्त लेखिका का पहचान बनाई है।इसलिए सभी बच्चे अपना हौसला बुलंद रखे,हिम्मत न हारे। बच्चे ने अपना प्रतिभा दिखाई। जीत और कृष्ण ने संगीत पेश कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामधन ने सिंथेसाइजर बजाया। सभी बच्चे को और उनके अभिभावक को फल, जूस, मिठाई, बिस्कुट और अनुदान भी दिया गया। क्लब के सचिव लायंस मदन केशरी जी इतनी गर्मी में आने के लिए सभी को हार्दिक धन्यवाद दिए। कार्यक्रम में डॉक्टर रघुमोनी, डॉ केटी भथेना, केटी मल्लेगमवाला, जोन चेयरपर्सन एस एस गाडियां, बिनीता शाह और अन्य उपस्थित थे।

पंचायतों में सभी तरह के विकास कार्य जारी रहेंगे : डीसी

खबर मन्त्र टीम

पोटका/जमशेदपुर। जमशेदपुर बीडीओ द्वारा अपने प्रखंड क्षेत्र के 18 से 20 पंचायतों में विकास कार्य पर रोक लगाने का फरमान जारी करने के पश्चात प्रखंड के सभी जन प्रतिनिधि आक्रोशित है। जिला परिषद के चेयरमैन बारी मुर्मू के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल शुक्रवार को उपायुक्त से मिलकर एक ज्ञापन देकर मांग किया है की 15वी वित्त आयोग की राशि को पंचायत क्षेत्र में विकास कार्य जारी रखा जाए। प्रतिनिधि मंडल में बारी मुर्मू पानी सोरेन, शिव हांसदा, पलटन मुर्मू, कान्हु मुर्मू, सरस्वती टुडू, राकेश मुर्मू, सुनील किस्कू, सोनिया भूमिज, मनीषा, नीनू कुदादा, मायावती टुडू, किशोर कुमार, रैना पूर्ति आदि मौजूद थे।

हेमंत से मिली जोबा माझी, कहा सच की हुई जीत

खबर मन्त्र ब्यूरो

चक्रधरपुर/जमशेदपुर। रांची में जमीन से जुड़े एक मामले में शुक्रवार को जमानत मिलने के बाद जेल से बाहर आये पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से सिंहभूम की सांसद जोबा माझी ने देर शाम मुलाकात की। मुलाकात के दौरान सांसद जोबा माझी ने हेमंत सोरेन को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। वहीं लोकसभा चुनाव में सिंहभूम से ऐतिहासिक जीत पर हेमंत सोरेन ने जोबा माझी को बधाई दी। इस मौके पर सांसद जोबा माझी ने हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से मिली जमानत पर कहा सच हमेशा सच होता है और न्यायपालिका ने सच का साथ दिया। हमें पूरा भरोसा था झारखंड के गरीब और दबे कुचले की आवाज हेमंत सोरेन को जरूर न्याय मिलेगा। उन्होंने आज के दिन को झारखंड की राजनीति का अहम दिन करार देते हुए कहा करोड़ों झारखंडियों की यह जीत है। मौके पर कल्पना सोरेन भी मौजूद रही।

गोलमुरी क्लब में उच्च योग साधना शिविर संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सत्यानंद योग केंद्र और टीसीआईएल के संयुक्त तत्वाधान में 22 जून से शुरू हुए उच्च योग साधना शिविर का समापन आज गोलमुरी क्लब के सभागार में हुआ, जिसमें कुल 100 शिक्षार्थी उपस्थित थे। योग शिविर के समापन में सभी योग साधक भावुक स्थिति में नजर आए। उच्च साधना शिविर के अंत में लोगों ने अपने मन के जिज्ञासा का समाधान भी किया। स्वामी जी ने आज लोगों को पूरे सप्ताह में कराए गए साधना का मुख्य बिंदु के विषय में विस्तार से बताया। लोगों के खान-पान, उठने बैठने, आचरण, व्यवहार, के तरीके पर विस्तार से बताया। स्वामी जी ने बताया कि खाने के बाद हमारे दाहिने नासिक से श्वास का प्रवाह होने पर, जठराग्नि तेज होता है और खाया गया भोजन सुचारू रूप से पचता है। साथ ही स्वामी जी ने श्वास के प्रवाह को बदलने के तरीके बताएं। स्वामी जी ने सोने और जागने के संबंध में बताते हुए मार्गदर्शन किया की सोने के पहले और जागने के बाद मंत्र जाप, भ्रामरी प्राणायाम आदि का अभ्यास कर लेने से पूरा दिन अच्छी तरह से व्यतीत होता है, मन प्रसन्नचित रहता है, काम व्यवस्थित ढंग से होता है, व्यवहार संयमित होता जाता है और नींद आसानी से अतः है और गहरा नींद होता है। अतः लोगों को इसका नियमित और नियमबद्ध तारिक्के से करना चाहिए। किरण दुबे एवम हरे राम ओझा ने शिविर के समापन में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए काफी भावुक नजर आए।

डीसी ने सुनी लोगों की समस्यायें

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला दण्डाधिकारी सह उपायुक्त अनन्य मित्तल ने आम लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। फरियादियों ने केजीबीवी में नामांकन, निजी विद्यालय में आरटीई के तहत निःशुल्क शिक्षा, दिव्यांग पेंशन व अन्य सुविधा, दाखिल खारिज, म्यूटेशन, विद्यालय से स्थानांतरण प्रमाण पत्र, भूमि विवाद समेत अन्य मूलभूत सुविधाओं व समस्याओं को लेकर फरियादियों ने उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराया जिसपर यथोचित कार्रवाई को लेकर उन्होने आश्वस्त किया। इस दौरान कई आवेदनों का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया तथा अन्य आवेदनों को संबंधित विभागीय पदाधिकारी को अग्रसारित कर समयबद्ध कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया।

अरका जैन विवि : अर्थव्यवस्था व व्यवसाय में स्थिरता को पर्यावरण भी प्रभावित करता है

स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट का तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

स्मारिका का विमोचन करते रमेश नंद्रायोग व विवि के पदाधिकारीगण।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। अर्का जैन यूनिर्सिटी के स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट की ओर से दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका विषय ह्यवैश्विक परिदृश्य को नेविगेट करनाः व्यवसाय और अर्थव्यवस्था में सतत रणनीतियों को अपनाना था। इसमें मुख्य अतिथि टाटा स्टील के पूर्व सीएफओ रमेश चंद्र नंदराजोग थे। उन्होंने सतत विकास पर अपने विचार व्यक्त किए और अपने जीवन के अनुभवों को कुछ उदाहरणों के साथ साझा किया। उन्होंने जीवन में सफल व्यक्ति बनने के गुर बताये। साथ ही किसी व्यक्ति के जीवन में प्रासंगिक भाग्य और कड़ी मेहनत की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। किंग सऊद विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ दुर्गा प्रसाद ने संयुक्त राष्ट्र के सभी एसडीजी लक्ष्यों और जीवन के चार वित्तीय लक्ष्यों के बारे में बताया। दक्षिण अफ्रीका के डरबन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रवींद्र रेना भी संगोष्ठी में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि अर्थव्यवस्था और व्यवसाय में स्थिरता कैसे प्रासंगिक है और यह पर्यावरण को कैसे प्रभावित कर सकती है। उद्घाटन सत्र के अंतिम वक्ता टाइम जमशेदपुर के निदेशक शुभम खन्ना ने स्थिरता और इसके भविष्य पर अपने विचार रखे। अगली कड़ी में, वित्त, विपणन, मानव संसाधन और सामान्य प्रबंधन ट्रैक पर चार तकनीकी सत्र हुए। इमें लगभग 60 प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए स्थिरता प्राप्त करने के उपायों पर चर्चा की। प्रत्येक तकनीकी सत्र में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुत करनेवाले प्रतिभागी को पुरस्कृत किया गया। अरका जैन विश्वविद्यालय की सहायक प्रोफेसर अंकिता सिंह, छात्रा सदफ फातमा, यश कुमार बिन्हा और स्नेहा कुमारी ने तकनीकी सत्र में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार हासिल किया। समापन सत्र में अचिंता चटर्जी ने स्थिरता और इसके भविष्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रबंधन बोर्ड के चेयरमैन प्रो एसएस रजी, कुलपति डॉ ईश्वरन अय्यर, निदेशक सह कुलसचिव डॉ अमित श्रीवास्तव, डीएसडब्लूय प्रो (डॉ) अंगद तिवारी, संयुक्त कुलसचिव डॉ जसबीर सिंह धंजल, यूजी प्रोग्राम की सहायक डीन डॉ पोम्पी दास सेनगुप्ता, डीन, विभिन्न विभागों के एचओडी, संकाय सदस्य और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस आरंभ

दूसरी ओर अरका जैन यूनिवर्सिटी में शुक्रवार से मशीन, विनिर्माण, मॉडलिंग और प्रौद्योगिकी में हाल के रुझानों पर आधारित दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस आरंभ हुआ। यह सम्मेलन मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड आईटी की ओर से किया गया है। इसमें सीएसआईआर-एनएमएल जमशेदपुर के निदेशक डॉ संदीप घोष चौधरी ने सामग्री प्रौद्योगिकी, धातु काटने, जोड़ने और एडिटिव विनिर्माण, धातु निर्माण, मशीन टूल डिजाइन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स में महत्वपूर्ण प्रगति पर चर्चा के लिए इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। यह कार्यक्रम इस क्षेत्र के पेशेवरों और शिक्षाविदों के लिए एक महत्वपूर्ण सम्मेलन साबित होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अश्विनी कुमार ने की, संयोजन डॉ अनुपम कुमारी और डॉ कुलदीप साहू कर रहे हैं। सम्मेलन का उद्घाटन सीएसआईआर-एनएमएल जमशेदपुर के निदेशक डॉ संदीप घोष चौधरी, एनआईटी जमशेदपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग प्रमुख प्रो (डॉ) संजय, अरका जैन विवि के निदेशक डॉ अमित श्रीवास्तव, विवि प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष प्रो एसएस रजी और कैंपस में निदेशक डॉ अंगद तिवारी समेत अतिथियों ने संयुक्त रूप से किया।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

चैंपियन बनने से एक कदम दूर रोहित की विराट सेना

17 साल के इतिहास में पहली बार अजेय रही टीम बनेगी चैंपियन, भारत और अफ्रीका के बीच खिताबी भिड़ंत आज

एजेंसी

बारबाडोस। वेस्टइंडीज और अमेरिका की सह-मेजबानी में जारी टी20 विश्व कप 2024 का अंत हो रहा है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला शनिवार को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा। दोनों टीमें मौजूदा टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही हैं। वहीं, दक्षिण अफ्रीका पहली बार आइसीसी के किसी टूर्नामेंट में फाइनल मैच खेलने के लिए तैयार है। उन्होंने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को नौ विकेट से हराया था।

भारत-दक्षिण अफ्रीका हेड-टु-हेड

टी20 क्रिकेट में भारत का दक्षिण अफ्रीका पर पलड़ा भारी है। दोनों के बीच कुल 26 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें भारत को 14 और प्रोटियाज को 11 में जीत मिली है। वहीं, एक मैच बेनतीजा रहा है। टी20 विश्व कप में भी भारत का दक्षिण अफ्रीका पर दबदबा है। दोनों टीमें छह बार भिड़ी हैं जिनमें चार मैच भारत ने जीते हैं जबकि दक्षिण अफ्रीका को दो मैचों में जीत मिली है। ऐसे में भारत खिताबी मैच में जीत का प्रबल दावेदार हैं।

विराट पर रहेगी नजर

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में भारत को अच्छी शुरूआत की दरकार होगी। इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली ही पारी की शुरूआत करते नजर आएंगे। हिटमैन इस वक्त फॉर्म में चल रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने 57 रनों की तूफानी पारी खेली। वहीं, कोहली एक बार फिर फ्लॉप साबित हुए। वह सिर्फ नौ रन बना सके। हालांकि, कप्तान और कोच ने इंग्लैंड के खिलाफ मैच के बाद भरोसा जताया कि कोहली का बल्ला गरजेगा और वह उपयोगी पारी खेलने में कामयाब होंगे।

पंत-सूर्या की मौजूदगी में मध्यक्रम मजबूत

तीसरे नंबर पर ऋषभ पंत बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे। वह मौजूदा टूर्नामेंट में दमदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। मौजूदा टूर्नामेंट में उन्होंने अब तक 171 रन बनाए हैं। स्टार खिलाड़ी भारत के लिए इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। वहीं, चौथे नंबर पर सूर्यकुमार यादव उतरेंगे। मैदान के सभी कोनों में शॉट खेलने की क्षमता रखने वाला यह बल्लेबाज भारत के मध्यक्रम को मजबूती प्रदान कर रहा है। सेमीफाइनल मैच में पंत के बाद सूर्या ने 47 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली और भारत का स्कोर 150 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। पांचवें नंबर पर उप-कप्तान हार्दिक पांड्या बल्लेबाजी के लिए आएंगे। वह गेंद और बल्ले से भारत के लिए उपयोगी साबित हुए हैं।

17 वर्षों में पहली बार होगा ऐसा

अब फाइनल में अजेय टीमों की भिड़ंत होगी। इससे पहले 17 वर्षों में किसी टी20 विश्व कप में कभी ऐसा नहीं हुआ था। वहीं, पिछली बार किसी आइसीसी टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए चैंपियन बनने वाली टीम भी भारत ही है। 2013 के चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया अजेय रही थी और उसने पूरे संस्करण में कोई मैच नहीं गंवाया था। तब भारत ने फाइनल में इंग्लैंड को ही शिकस्त दी थी। अब भारत के पास 11 साल बाद इतिहास दोहराने का मौका है। इतना ही नहीं अगर टीम इंडिया फाइनल जीतती है तो किसी एक संस्करण में सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड भी अपने नाम करेगी। इस मामले में दक्षिण अफ्रीका अभी शीर्ष पर है। उसने इसी संस्करण में आठ मैच जीते हैं, जबकि भारत सात जीत के साथ दूसरे नंबर पर है। फाइनल जीतते ही भारत दक्षिण अफ्रीका की बराबरी कर लेगा। इसके अलावा भारत टी20 अंतरराष्ट्रीय में लगातार मैच जीतने के अपने पुराने रिकॉर्ड की भी बराबरी कर लेगा। टीम इंडिया ने दिसंबर 2023 से लेकर अब तक लगातार 11 मैच जीते हैं। इससे पहले नवंबर 2021 से लेकर फरवरी 2022 तक भारतीय टीम ने लगातार 12 मैच जीते थे। फाइनल जीतने पर टीम इंडिया इसकी बराबरी कर लेगी।

सूर्यकुमार और कुलदीप का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहतर है रिकॉर्ड

फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के लिए सबसे बड़ा खतरा सूर्यकुमार यादव होंगे। सूर्यकुमार का बल्ला दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जमकर बोलता है और उन्होंने इस टीम के खिलाफ छह मैचों में 343 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्धशतक और एक शतक शामिल हैं। सूर्यकुमार का इस दौरान स्ट्राइक रेट 177.72 का रहा है। सूर्यकुमार रोहित शर्मा और सुरेश रैना के साथ उन खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्होंने टी20 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शतक जड़ा है। दूसरी ओर, कुलदीप ने इस टीम के खिलाफ उसी के घर में दो टी20 मैचों में कुल छह विकेट झटके हैं। पिछली बार जब कुलदीप दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले थे तो उन्होंने जोहानिसबर्ग में पांच विकेट अपने नाम किए थे।

शिवम दुबे का कट सकता है पत्ता!

खिताबी मैच में शिवम दुबे का पत्ता कट सकता है। कप्तान उन्हें भारत की प्लेइंग 11 से बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ मैच में वह शून्य पर ही आउट हो गए थे। क्रिस जॉर्डन ने उन्हें बटलर के हाथों कैच आउट कराया था। उनकी जगह संजू सैमसन को मौका मिल सकता है। वह शानदार बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं।

गेंदबाजी में बदलाव की संभावना कम

भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में अब तक अजेय रही है। इसमें गेंदबाजों ने अहम भूमिका निभाई है। स्पिन डिपार्टमेंट में कुलदीप यादव और अक्षर पटेल की मौजूदगी भारत के लिए वरदान साबित हो रही है। दोनों वेस्टइंडीज की पिचों पर जलवा बिखेरते नजर आ रहे हैं। वहीं, रवींद्र जडेजा भी शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उन्हें भले ही अब तक ज्यादा विकेट नहीं मिले हैं लेकिन जडेजा ने किफायती गेंदबाजी की है। वह बल्ले से भी प्रभाव छोड़ने में कामयाब हुए हैं। तेज गेंदबाजी आक्रमण का जिम्मा जसप्रीत बुमराह संभालते दिखेंगे। उनका साथ अर्शदीप सिंह देते नजर आएंगे। हार्दिक पांड्या भी अपने हिस्से के चार ओवर फेंकते दिखेंगे।

भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों का रिकॉर्ड?

भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज संघर्ष करते दिखे हैं और उनके किसी गेंदबाज का रिकॉर्ड भारत के खिलाफ बेहतर नहीं है। मार्को यानसेन, एनरिक नॉर्त्जे और कैगिसो रबादा की तिकड़ी का रिकॉर्ड भी भारत के खिलाफ बेहतर नहीं रहा है। रबादा ने भारत के खिलाफ 12 मैचों में आठ विकेट झटके हैं और उनकी इकॉनोमी रेट 7.31 की रही है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मार्को यानसेन ने दो मैच में दो विकेट लिए हैं और उनका भारत के खिलाफ इकॉनोमी रेट काफी महंगी रही है। नॉर्त्जे ने भारत के खिलाफ नौ मैचों में छह विकेट लिए हैं। उनका इस टीम के खिलाफ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2022 में चार ओवर में 36 रन देकर दो विकेट है। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर तबरेज शम्सी ने 12 मैचों में सात विकेट लिए हैं, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज ने 10 मैचों में 10 विकेट झटके हैं।

दोनो टिम इस प्रकार हैं

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), विराट कोहली, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह

दक्षिण अफ्रीका : क्विंटन डी कॉक, रीजा हेंड्रिक्स, एडेन मार्कराम (कप्तान), हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा, एनरिक नॉर्टजे, तबरेज शम्सी

समय : मैच भारतीय समयानुसार रात 8 बजे होगा।

- टी20 विश्व कप के रिजर्व डे पर भी बारिश का खतरा
- दूसरे दिन भी मैच हुआ रद्द तो कौन होगा विजेता
- दोनों टीम को घोषित कर दिया जाएगा संयुक्त विजेता

बारिश की 78 फीसदी संभावना: एक्यूवेदर की रिपोर्ट के मुताबिक बारबडोस में 29 जून यानी फाइनल के दिन में बारिश की संभावना 78 फीसदी संभावना है जो सेमीफाइनल से कहीं ज्यादा है। इतना ही नहीं तेज हवाएं भी चल सकती हैं और दिन भर बादल घिरे रहने की भी संभावना है। रात में बारिश की संभावना 87 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। फाइनल मैच के लिए 30 जून रिजर्व डे है, लेकिन इस दिन भी बारिश का खतरा बना हुआ है और बारिश क्रिकेट फैंस का मजा किरकिरा कर सकती है। 30 जून को बारिश की 61 प्रतिशत संभावना है।

मिलर-डिकॉक खड़ी कर सकते हैं परेशानी

डेविड मिलर फिलहाल भारत के खिलाफ टी20 में टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। 20 टी20 मैचों में मिलर ने 159 .04 के स्ट्राइक रेट से 431 रन बनाए हैं जिसमे एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। क्विंटन डिकॉक भी भारत के खिलाफ लय में दिखे हैं। उन्होंने इस टीम के खिलाफ 10 मैचों में 140 .54 के स्ट्राइक रेट से 312 रन बनाए हैं जिसमे चार अर्धशतक शामिल हैं। जडेजा और पटेल के खिलाफ मिलर और डिकॉक बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

डीपी मनु पर डोपिंग में फंसने का खतरा, नाडा ने एएफआई से प्रतियोगिता में रोकने के लिए कहा

एजेंसी

पंचकुला (हरियाणा)। भाला फेंक खिलाड़ी डीपी मनु को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के निर्देश पर भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने प्रतियोगिताओं से दूर रहने के लिए कहा है क्योंकि ओलंपिक का टिकट पक्का करने के करीब पहुंच चुका यह खिलाड़ी डोपिंग के संदेह में है। एशियाई चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने वाले 24 साल के इस खिलाड़ी का विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से ओलंपिक क्वालीफिकेशन लगभग निश्चित था। इस मामले के सामने आने के बाद हालांकि उनका पेरिस ओलंपिक की दौड़ से बाहर होना लगभग तय है। वह यहां गुरुवार से शुरू हुई राष्ट्रीय अंतर-राज्य चैंपियनशिप के लिए शुरूआती प्रवेश सूची में थे। लेकिन बाद में जारी की गई सूची से उनका नाम हटा दिया गया। एएफआइ अध्यक्ष आदिले सुमरिवाला ने बताया कि नाडा ने महासंघ से मनु को प्रतियोगिताओं से रोकने के लिए कहा है लेकिन उन्होंने इसकी पुष्टि नहीं की कि एथलीट ने डोपिंग अपराध किया है या नहीं। सुमरिवाला ने कहा, ऐसा कुछ हो सकता है, लेकिन हम अभी नहीं जानते कि वास्तविक कारण क्या है। एएफआइ कार्यालय (नाडा से) को एक फोन आया था कि उसे (मनु को) प्रतियोगिताओं से रोक दिया जाए। उन्होंने कहा, 'इसके अलावा कोई विवरण (किस तरह के संभावित उल्लंघन पर) नहीं दिया गया है। मुझे लगता है कि एथलीट (डीपी मनु) खुद नाडा से पता लगा रहा है कि इसके पीछे क्या कारण है। मनु 15 से 19 मई तक भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में 82.06 मीटर के थ्रो के साथ ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा के बाद दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 1 जून को ताइपे शहर में ताइवान एथलेटिक्स ओपन में 81.58 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। मनु विश्व एथलेटिक्स 'रोड टू पेरिस' सूची में 15वें स्थान पर थे और पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने की राह पर थे क्योंकि 32 एथलीट पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में प्रतिस्पर्धा करेंगे। क्वालिफिकेशन की अंतिम तिथि 30 जून है। चोपड़ा और किशोर जेना ने 85.50 मीटर के क्वालीफाइंग मानक को हासिल कर पहले ही ओलंपिक के लिए स्वतः योग्यता हासिल कर चुके है। ओलंपिक के किसी ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा में एक देश में अधिकतम तीन एथलीट भाग ले सकते हैं।

एशियाई खेलों में योग होगा एक प्रतिस्पर्धी खेल

नयी दिल्ली। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने एशियाई खेलों के कार्यक्रम में योग को शामिल करने की भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा की पहल का स्वागत किया है। खेल मंत्रालय की आज यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार खेल मंत्री मंडाविया ने कहा कि योग की व्यापक लोकप्रियता को ध्यान में यह उचित है कि इसे एक प्रतिस्पर्धी खेल बनाया जाये और एशियाई खेलों में शामिल किया जाए।

शेफाली का दोहरा शतक, मंधाना के शतक से भारत का पहले दिन का स्कोर

- शैफाली वर्मा ने लगाया दोहरा शतक, मंधाना ने खेली शतकीय पारी
- शैफाली-मंधाना के बीच पहले विकेट के लिए हुई महिला टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी
- भारत ने टेस्ट मैच के इतिहास में पहले दिन बनाया सबसे बड़ा स्कोर

एजेंसी

चेन्नई। एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मैच के पहले दिन भारत की सलामी जोड़ी स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों की धज्जिया उड़ाते हुए अपना दबदबा दिखाया। मंधाना के 149 रनों और शैफाली के शानदार दोहरे शतक (जिसमें आठ छक्के शामिल थे) की बदौलत भारत ने पहले दिन 4 विकेट पर 525 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो टेस्ट मैच के पहले दिन बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर है। इन दोनों के अलावा जेमिमाह रोड्रिग्स ने भी 55 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। दिन का खेल खत्म होने पर कप्तान हरमनप्रीत कौर 42 और रिचा घोष 43 रन बनाकर नाबाद हैं, दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए अब तक 75 रनों की साझेदारी हो चुकी है। मैच में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। भारत को शैफाली वर्मा और मंधाना ने अच्छी शुरूआत दिलाई। शैफाली ने कवर के जरिए चौका लगाकर अपनी लय हासिल कर ली, फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। दोनों के बीच साझेदारी 292 रनों तक पहुंच गई, जिसमें दोनों बल्लेबाजों ने बड़े शतक जड़े। शैफाली के आक्रामक स्ट्रोक प्ले, जिसमें उनके रिकॉर्ड-तोड़ छक्कों की झड़ी भी शामिल थी, ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजो को निराश कर दिया। दक्षिण अफ्रीका को लंच ब्रेक के दौरान थोड़ी राहत मिली, लेकिन मंधाना और शैफाली ने खेल फिर से शुरू होने के बाद भी अपना आक्रमण जारी रखा, बाउंड्री लगातार आती रही और आखिरकार दोनों बल्लेबाजों ने अपना शतक पूरा किया। वनडे में पहले ही दो शतक और 90 रन बना चुकीं मंधाना के पास इस बार दोहरा शतक बनाने का मौका था, लेकिन 149 रन पर उनकी पारी थम गई, जब उन्होंने डेलमी टकर की एक गेंद को स्लिप में मौजूद एनेरी डर्कसेन को कैच थमा दिया। मंधाना ने 161 गेंदों का सामना किया और 27 चौके और 1 छक्का लगाया। हालांकि, दक्षिण अफ्रीका की राहत ज्यादा देर तक नहीं रही क्योंकि शैफाली ने लगातार दो छक्के और एक रन लेकर शानदार दोहरा शतक पूरा किया। उनके लगातार हमले और जेमिमाह रोड्रिग्स के तेज योगदान ने दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें बढ़ा दीं, हालांकि शैफाली के रन आउट होने से दक्षिण अफ्रीका को राहत मिली।

शैफाली टेस्ट में सबसे तेज दोहरा शतक बनाने वाली महिला क्रिकेटर

भारत की सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने आस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड को पीछे छोड़ते हुए महिला टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाली पहली खिलाड़ी बन गयी। 20 साल की शेफाली ने सिर्फ 194 गेंदों पर अपना दोहरा शतक पूरा कर सदरलैंड को पीछे छोड़ा। आस्ट्रेलिया की खिलाड़ी ने इस साल की शुरूआत में अफ्रीका के खिलाफ 248 गेंदों पर दोहरा शतक बनाया था। शेफाली भारत की पूर्व कप्तान कप्तान मिताली राज के बाद लगभग 22 वर्षों के लंबे समय अंतराल पर टेस्ट क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाली दूसरी भारतीय भी बनीं। मिताली ने अगस्त 2002 में टॉनटन में इंग्लैंड के खिलाफ ड्रा हुए दूसरे टेस्ट के दौरान 407 गेंदों पर 214 रन बनाए थे। शेफाली ने अपनी आक्रामक पारी में 23 चौके और आठ छक्के जड़े। उन्होंने डेलमी टकर के खिलाफ लगातार दो छक्के लगाने के बाद एक रन चुराकर अपना दोहरा शतक पूरा किया। वह 197 गेंद में 205 रन बनाकर रन आउट हुईं। शेफाली को सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का अच्छा साथ मिला जिन्होंने 161 गेंद में 27 चौके और एक छक्का लगाया। दोनों ने पहले विकेट के लिए 312 गेंद में रिकॉर्ड 292 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरूआत दिलाई। यह महिला टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पहले विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी भी है। शेफाली और मंधाना ने इस तरह 2004 में कराची में वेस्टइंडीज के खिलाफ पाकिस्तान की साजिदा शाह और किरण बलूच की 241 रन की साझेदारी को पीछे छोड़ दिया। यह 1987 में वेदरबी में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे विकेट के लिए एलए रीलर और डीए एनेट्स की आस्ट्रेलियाई जोड़ी के बीच 309 रन की साझेदारी के बाद महिला टेस्ट में किसी भी विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। शेफाली और मंधाना ने इस तरह 2021 में ब्रिस्टल में इंग्लैंड के खिलाफ 167 रन की अपनी पिछली सर्वश्रेष्ठ साझेदारी में सुधार किया। दोनों ने इसके साथ ही किसी भी विकेट के लिए पिछली सबसे बड़ी भारतीय साझेदारी को भी पीछे छोड़ दिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड पूनम राउत और थिरुष कामिनी के नाम था जिन्होंने मैसूर में 2014 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 275 की साझेदारी की थी।

रांची। मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने शुक्रवार को सब जूनियर एशियन कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी विकास कच्छप ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने उन्हें जीत की बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप जैसे खिलाड़ियों पर पूरे राज्य को गर्व है।

त्रिशा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी यूएस ओपन के क्वार्टरफाइनल में

टेक्सास। त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी यूएस ओपन 2024 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला युगल स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई। अमेरिका में टेक्सास के फोर्ट वर्थ कन्वेंशन सेंटर में खेले गये मुकाबले में त्रिशा-गायत्री की भारतीय जोड़ी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद विश्व नंबर 83 सीह पेई शान और हंग एन-त्जु को 16-21, 21-11, 21-19 से हराया।

अफगानिस्तान की घरेलू सीरीज की मेजबानी कर सकता है ग्रीनपार्क

कानपुर। लगभग तीन साल बाद ग्रीनपार्क स्टेडियम में एक अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच मिलने के बाद से ही कानपुर में जुलाई-अगस्त में दो देशों के बीच न्यूट्रल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सीरीज आयोजित किये जाने की संभावनाओं को बल मिल गया है। बीसीसीआइ ने भारत और बांग्लादेश के मध्य दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मैच की मेजबानी कानपुर को सौंपी है। यह मैच 27 सितंबर से खेला जायेगा। यह पहला मौका होगा जब बांग्लादेश की टीम कानपुर में खेलेगी। हालांकि इससे पहले भी बांग्लादेश की टीम अफगानिस्तान के खिलाफ जुलाई-अगस्त में भी यहां खेलती हुई दिखायी पड़ सकती है।

बिहार पुल हादसों पर तेजस्वी ने पीएम मोदी और सीएम नीतीश पर बोला हमला

एजेंसी

पटना। बिहार में बीते दस दिनों में पुल गिरने की चार चार घटनाओं पर राजनीति चरम पर है। सत्ता पक्ष के नेता जहां हादसों जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कह रहे हैं तो विपक्षी दल इन घटनाओं के लिए डबल इंजन की सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उन पर हमला कर रहे हैं। इस बीच बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने बिहार में पुल गिरने की घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के सदाचार के कारण मात्र 10 दिन के अंदर बिहार में करोड़ों की लागत से निर्मित और निमार्णाधीन केवल 4 ही पुल गिरे है। शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के सदाचार के कारण मात्र 10 दिन के अंदर बिहार में करोड़ों की लागत से निर्मित और निमार्णाधीन केवल 4 ही पुल गिरे है। तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी/ठञ्ज की सरकार है तो सत्ता पक्ष और उनका अभिन्न अंग गोदी मीडिया इसे भ्रष्टाचार तो कदापि ही नहीं कह सकते। डबल इंजन सरकार के पायलट अब कहेंगे कि शुक्र मनाओ कि 10 दिन में 4 ही पुल गिरे है, 10 तो नहीं गिरे है ना। ये पायलट यह भी

कहेंगे कि पुल गिरने के दोषी तो विपक्ष और जनता है इससे पहले अररिया, सीवान और पूर्वी चंपारण में पुल गिरने की घटनाओं के बाद भी तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार और केंद्र सरकार दोनों के खिलाफ सोशल मीडिया पर मोर्चा खोला था। बीते 23 जून को भी तेजस्वी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट डालकर नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी पर जोरदार जुबानी हमला बोला था। पीएम मोदी और बिहार सीएम नीतीश कुमार के भाषणों की नकल करते हुए तेजस्वी यादव ने जो लिखा था उसे हम आपके सामने हूबहू पेश कर रहे हैं। बिहार में मॉनसून के आगमन के साथ पुलों के गिरने का सिलसिला शुरू हो गया। दस दिनों में चार पुल तबाह हो गए। सबसे पहले 18 जून को अररिया के सिकटी में बकरा नदी पर 12 करोड़ का एक पुल गिरने का मामला सामने आया। विपक्ष ने सरकार पर जमकर हमला बोला लेकिन सिलसिला नहीं थाम। इसके चार दिन बाद 22 जून को सिवान के दरौंदा और महाराजगंज ब्लॉक को जोड़ने वाली गंडक नहर पर बना पुल ध्वस्त हो गया जिससे आस पास की आबादी परेशान हो गई। तीसरा पुल पूर्वी चंपारण के मोतिहारी में 23 जून को गिरा। यहां घोड़ासहन ब्लॉक में एक पुल निर्माण का कार्य चल रहा था। रात में पुल की ढलाई हुई और सुबह पुल ढह गया। इसके बात किशनगंज में पुल हादसा हुआ। जिले के बहादुरपुर में मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनाया गया 13 साल पुराना पुल बाढ़ के पानी में धंस गया। 2011 में इसका निर्माण 25 लाख की लागत से कराया गया था। इस पुल के धंसने से आसपास के लगभग 40 हजार लोगों का जनजीवन प्रभावित हो गया।

खबर एक नजर में

ग्रामीणों ने बिजली विभाग के कर्मी को बनाया बंधक

किशनगंज। जिले के टेढ़ागाछ थाना क्षेत्र के बलवा जागीर पावर हाउस के कर्मी को ग्रामीणों ने बंधक बना लिया। जानकारी के मुताबिक ग्रामीण लगातार लाइट कटने से नाराज थे। घटना गुरुवार रात करीब 10 बजे की है। जब ग्रामीण खजूरबारी के कबीर चौक के समीप लोगों ने बिजली कर्मी को लाइन ठीक करते देखा तो उसका घेराव किया और उसे बंधक बना लिया। कर्मी के बंधक बनाने की सूचना पर बिजली विभाग के अधिकारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। टेढ़ागाछ पीसीएस के कनीय अभियंता सीताराम ने शुक्रवार को बताया कि घटना की सूचना मिलते ही हमने पुलिस को उक्त बात की जानकारी दी, जिसके बाद मौके पर बिजली के अन्य कर्मी और पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझा बुझाकर उक्त कर्मी को मुक्त करवाया। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से यहां बिजली की समस्या बनी है। पावर हाउस के 3 किमी के दायरे में नियमित बिजली लोगों को नहीं मिलती है। वहीं विभाग को सूचना देने पर भी कोई सुनवाई नहीं की जाती है, इसीलिए कर्मी को ही बंधक बना लिया।

जलवायु परिवर्तन विश्व के लिए बड़ी चुनौती : कुलपति

समस्तीपुर। बिहार के प्रतिष्ठित डॉ राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के कुलपति डॉ पी.एस.पाण्डेय ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन आज भारत ही नहीं विश्व मे एक बड़ी चुनौती बन गई है। कुलपति डॉ पाण्डेय शुक्रवार को समस्तीपुर जिले के पूसा स्थित डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में जलवायु अनुकूल कृषि के लिए जीवंत और अनुकूल रणनीति बनाने विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि जलवायु में हो रहे बदलाव से निपटने के लिए वैज्ञानिकों को किसानों के साथ मिलकर युद्ध स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। किसानों के साथ मिलकर काम करने का अर्थ है कि किसानों के अनुभव से भी वैज्ञानिक अवगत हो और इसके समाधान के लिए एक ठोस कार्य नीति बनायें।

स्पीड न्यूज

सुब्रतो फुटबॉल कप टूर्नामेंट का आयोजन

ट्रॉफी प्रदान करते अतिथि।

केतार। प्रखंड के लोहिया समता हाई स्कूल केतार के मैदान में प्रखंड स्तरीय सुब्रतो फुटबॉल कप टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन बीडीओ सावित्री कुमारी, थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी एवं केतार मुखिया प्रमोद कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। टूर्नामेंट में अंडर 15 बालक टीम में मध्य विद्यालय केतार, अंडर 17 बालक टीम में प्लस 2 उच्च विद्यालय परसोडीह, अंडर 17 बालिका टीम में लोहिया समता हाई स्कूल केतार विजेता रही। सभी विजेता और उपविजेता टीम को बीडीओ, थाना प्रभारी, बीपीएम, मुखिया ने पुरस्कार प्रदान किया। मौके पर बीपीएम रवि कुमार वैद्य ने बताया कि उक्त सभी विजेता टीम को आगामी होने वाले जिला स्तर पर खेल में भाग लेने के लिए भेजा जाएगा। मौके पर प्रदीप कुमार टोपनो, गौतम पाल, शिक्षक दीनानाथ मेहता, प्रेम कुमार गुप्ता, नवीन प्रकाश, बसंत कुमार, रामनरेश कुमार, बिनोद पाल आदि मौजूद थे।

गंगा स्नान करने के दौरान डूबा युवक, तलाश जारी

भागलपुर। भागलपुर के मायागंज स्थित मुसहरी घाट में शुक्रवार को गंगा स्नान करने गए पसराहा निवासी सुबोध कुमार गहरे पानी में डूबे गए। डूबे युवक की खोजबीन करने के बाद भी पता नहीं चल पाया है। घटना के बाबत सुबोध के दोस्त राजेश ने बताया कि आज सुबह सुबोध अपने कुछ दोस्तों के साथ मायागंज स्थित मुसहरी घाट गंगा स्नान करने के लिए गया हुआ था। इसी दौरान सुबोध गंगा में तैर रहा था। तैरते हुए सुबोध को पानी की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाया और सुबोध डूबने लगा। राजेश ने बताया कि जब सुबोध डूब रहा था तो हम लोगों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन तब तक सुबोध डूब चुका था। घटना की सूचना बरारी पुलिस को देने के बाद बरारी पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से सुबोध की तलाश कर रही है।

जदयू राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के लिए नीतीश दिल्ली रवाना

एजेंसी

पटना। जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शुक्रवार को दिल्ली रवाना हो गये। दिल्ली में 29 जून को जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष होने के नाते नीतीश बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक में अहम मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। इसमें पार्टी को अन्य राज्यों में विस्तार, आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर रणनीति और कई अहम पदों पर नेताओं को खास जिम्मेदारी देने जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके अलावा बैठक में कई एजेंडों को लेकर प्रस्ताव पास किये जा सकते हैं। बैठक में केंद्र और राज्य सरकार में पार्टी के मंत्रीगण, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य, सभी प्रदेशों के अध्यक्ष समेत राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री ललन सिंह, लोकसभा में जदयू संसदीय दल के नेता दिलेश्वर कामत, राज्यसभा में जदयू संसदीय दल के नेता संजय झा सहित सभी वरिष्ठ नेता बैठक में मौजूद रहेंगे। बैठक में शामिल होने के लिए पार्टी के संबंधित नेताओं को संदेश भेजा जा चुका है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 29 दिसम्बर, 2023 को जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली में ही हुई थी, जिसमें नीतीश कुमार को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया था।

युवक को गोली मार रुपयों से भरा बैग लूट लिया

पटना। बेखौफ अपराधियों ने एक युवक को गोली मार दी है। गोली मारने के बाद अपराधी हथियार लहराते फरार हो गया। घटना पटनासिटी के महिंद्रा शो रूम के पास की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि तीन बाइक पर सवार लगभग सात के संख्या में अपराधी आये और बाइक सवार युवक पर फायरिंग करने लगे। गोली चलते ही वहां अफरातफरी का माहौल हो गया। युवक भागने लगे लेकिन भागने के क्रम में उसे बांह में गोली लग गई। घटना को अंजाम देने के बाद अपराधी बहुत तेजी से वहां से फरार हो गये। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि दीपक बैग में नगद रुपये लेकर जा रहा था, तभी घात लगाए अपराधी दीपक पर फायरिंग करने लगे। इस गोलीबारी में अपराधी अपनी मंशा में कामयाब हो गये और रुपयों से भरा बैग छीन कर फरार हो गये। बैग स्थानीय लोगों का कहना है कि बेखौफ अपराधियो ने रुपया लूटने के लिए वहां लगभग छह-सात राउंड गोली चलाये, जिसमे एक गोली दीपक के कांधे में लग गयी। घायल दीपक ने बताया कि गोली लगने के बाद घायल अवस्था में ही वह बाइक से ही एनएमसीएच पहुंच गया। फिर उसने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकरी मिलने के साथ ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। दीपक ने पुलिस को बताया कि लगभग सात की संख्या में अपराधियो ने इस घटना को अंजाम देकर नगद रुपए लूट लिए। दीपक का कहना है कि बैग में नगद कितना था, इस बात की जानकारी मुझे नहीं है। बाद में हिसाब मिला लेने के बाद ही पता चल पाएगा कि बैग में कितना रुपया था, वही घटना के सूचना मिलते ही पुलिस मामले के छानबीन में जुट गई है। वही इर्द गिर्द लगे सीसीटीवी कैमरा के सहारे अपराधियो की खोजबीन कर रही है ।

मृतक के परिजनों को मिला दो-दो लाख रुपये का चेक

खबर मन्त्र संवाददाता

चेक प्रदान करते शाखा प्रबंधक।

भवनाथपुर। भवनाथपुर टाउनशिप स्थित भारतीय स्टेट बैंक शाखा प्रबंधक के हाथों शुक्रवार को दो लोगो को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो-दो लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। बताते चले कि मकरी निवासी स्व. अशोक विश्वकर्मा की पत्नी प्रतिमा देवी उम्र 40 वर्षीय को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत दो लाख का चेक दिया गया। बताते चलें कि 20 रुपये का बीमा अशोक विश्वकर्मा द्वारा सीएसपी मकरी के संचालक सुरेश पाल के पास कराया था। विदित हो कि अशोक विश्वकर्मा की मोटर साईकिल दुर्घटना में मृत्यु हो गयी थी। सीएसपी संचालक सुरेश पाल के अथक प्रयास से आज नॉमिनी प्रतिमा देवी को दो लाख का चेक एसबीआई के शाखा प्रबंधक प्रवीण कुमार द्वारा दिया गया। जबकि अरसली दक्षिणी पंचायत के बनखेता निवासी स्व. राजकुमार यादव के नॉमिनी नहक यादव को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत दो लाख का चेक शाखा प्रबंधक के द्वारा दिया गया। मौके पर शाखा प्रबंधक प्रवीण कुमार, सहायक मैनेजर फील्ड मैनेजर राजेश मुंडा, सीएसपी संचालक सुरेश पाल, धर्मेंद्र कुमार, राजू कुमार सहित कई बैंक कर्मी उपस्थित थे।

पेड़ से लटकी मिली दसवीं के छात्र की शव

गया। गया जिले के टिकारी थाना क्षेत्र में स्थित राज स्कूल के छात्रावास के पास शुक्रवार को छात्र का शव सूखे पेड़ पर बेल्ट के सहारे लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही टिकारी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। छानबीन के दौरान राज स्कूल के छात्रावास के एक कमरे के पास खून के धब्बे मिले हैं। मृतक छात्र की पहचान कोंच थाना क्षेत्र के कईयाटांड गांव के रहने वाले शत्रुघ्न दास के 16 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार के रूप में की गई। बताया जा रहा है कि टिकारी राज स्कूल के दसवीं की छात्रा छावनी मोहल्ले में किराए के मकान में रहकर पढ़ाई करता था। बीते गुरुवार को कोचिंग से पढ़ाई कर शाम छह बजे घर आया और बाहर निकल गया। देर रात तक घर नहीं पहुंचा तो परिजन खोजबीन करने लगे। परिजनों को शुक्रवार की सुबह उक्त स्कूल के छात्रावास के समीप एक सूखे पेड़ पर बेल्ट के सहारे छात्र रौशन का शव लटका मिला।

धुरकी के ड्राइवर की छत्तीसगढ़ में मौत

रमेश यादव।

धुरकी। थाना क्षेत्र अंतर्गत खुटिया पंचायत के परासपानी खुर्द गांव निवासी लाखा यादव के 42 वर्षीय पुत्र रमेश यादव की मौत विद्युत करंट की चपेट में आने से हो गई। घटना बुधवार की है। परिजनों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रमेश रायपुर के हैदराबाद में श्री गायत्री इंटरप्राइजेज में कार्यरत थे। जहां कंपनी के अंदर ही उनको करंट लग गई जिससे उसकी मौके हो गई। रमेश कंपनी में मिलर सीमेंट मिक्स करने वाले मशीन का ड्राइवरी करता था, प्रत्येक दिनचर्या के अनुसार वह सीमेंट मिक्स कर काम के बाद गाड़ी को धुलाई कर रहा था। वहीं ऊपर से बिजली तार गुजरा हुआ था, धुलाई करने के दौरान वह जैसे ही गाड़ी से नीचे उतरा वैसे ही विद्युत करंट की चपेट में आ गया। मृतक का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह कनहर नदी के तट पर किया गया। इधर घटना की खबर सुनते ही जिप सदस्य सुनीता कुमारी, पूर्व प्रखंड प्रमुख विनोद कोरवा, मुखिया पति इस्लाम अंसारी, बीडीसी प्रतिनिधि कमलेश कुमार गौड़, रामप्रवेश यादव, अमरेश यादव, हरिनारायण यादव, वदूद खां एवं जनप्रतिनिधि ने मृतक के घर पहुंच कर परिजनों को ढांढस बनाया एवं सरकारी सहायता दिलाने का भरोसा दिलाया।

विश्व ओलम्पिक दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते अतिथि।

भवनाथपुर। विश्व ओलम्पिक दिवस पर शुक्रवार को स्थानीय प्लस टू उच्च विद्यालय के मैदान में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बालक एवं बालिका वर्ग के लिए साइकिलिंग रेस तथा कबड्डी की प्रतियोगिता आयोजित की गई। बालिका वर्ग के साइकिलिंग रेस में अंजली कुमारी ने प्रथम, बबली कुमारी ने द्वितीय तथा खुशी कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जबकि बालक वर्ग में रॉकी यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कबड्डी प्रतियोगिता में भवनाथपुर डे बोर्डिंग बालिका टीम ने भवनाथपुर प्लस टू उच्च विद्यालय को हराकर विजेता बनी। प्रतियोगिता के सभी सफल प्रतिभागियों के बीच पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष सह जेएमएम नेता ब्रजेश कुमार सिंह, जिला कबड्डी संघ के अजय कुमार गुप्ता तथा प्लस टू उच्च विद्यालय के खेल शिक्षक ने पुरस्कार वितरण किया। इससे पहले कबड्डी कोच अजय कुमार गुप्ता ने ओलम्पिक दिवस के महत्व पर युवाओं के बीच विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि आज गेम से खिलाड़ियों को अवसर मिलता है। खिलाड़ी अपने बेहतर खेल की बदौलत देश विदेश पर अपनी पहचान बना रहे है। मौके पर चमन सिंह, सोनू ठाकुर, विमलेश कुमार, मुकेश कुमार, बेबी कुमारी सहित कई लोग उपस्थित थे।

सभी प्रखण्ड सह अंचल मुख्यालय में आज लगेगा विशेष राजस्व शिविर

खबर मन्त्र संवाददाता

डीसी शेखर जमुआर।

गढ़वा। जिले में राजस्व कार्यों के त्वरित एवं प्रभावी ढंग से निष्पादन एवं आम जनों की सुविधा के लिए शनिवार को सभी प्रखण्ड सह अंचल मुख्यालयों में राजस्व शिविर आयोजित किया जाएगा। इसके आलोक में डीसी शेखर जमुआर ने सभी अंचल अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि 29 जून (शनिवार) को अपने मुख्यालयों में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन करेंगे। इस दौरान राजस्व संबंधित कार्यों का निष्पादन किया जायेगा। जिसमें ऑनलाईन दाखिल-खारिज, उत्तराधिकार नामांतरण से संबंधित वादों का निष्पादन, आपसी बंटवारा के आधार पर नामांतरण से संबंधित वादो का निष्पादन, भू-लगान वसूली, सीमांकन से संबंधित वादों का निष्पादन, जमाबंदी अपडेसन, भू-अभिलेख में त्रुटि निराकरण, भूमि स्वामित्व प्रमाण-पत्र का निष्पादन आदि मामलों का निष्पादन किया जाएगा।

डीसी ने सभी अंचल अधिकारी को राजस्व शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करने तथा शिविर में आम जनों से प्राप्त होने वाले आवेदनों को क्रमवार पंजी में संधारित करते हुए उन्हें पावती रसीद निर्गत करने का भी निर्देश दिया है। वहीं सभी प्रखण्डों के लिए जिला स्तरीय वरीय पदाधिकारी को अपने आवंटित प्रखण्डों में आयोजित होने वाले राजस्व शिविर का पर्यवेक्षण करना सुनिश्चित करने तथा शिविर में प्राप्त आवेदनों एवं उसके निष्पादन से संबंधित प्रतिवेदन जिला मुख्यालय में साझा करने को कहा गया है।

धुरकी में सुब्रत कप इंटरनेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन

उद्घाटन करते अतिथि।

खबर मन्त्र संवाददाता

धुरकी। प्रखंड में सुब्रत कप इंटरनेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन सांसद प्रतिनिधि सुदर्शन गुप्ता एवं प्रखंड प्रमुख शांति देवी ने फीता काट कर किया। प्रतियोगिता में अंडर 17 बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय लिखनीधौरा एवं अंडर 17 बालिका वर्ग में कस्तूरबा गांधी धुरकी के बालिकाओं ने बाजी मारी। मौके पर प्रखंड के पंचायत समिति कृष्णा सिंह, अंबाखोरया पंचायत के मुखिया एवं विद्यालय के प्रधान शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रखंड के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी विपिन बिहारी गुप्ता ने किया।

पेज एक का शेष

जेल से निकले हेमंत...

जमानत याचिका पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय की कोर्ट में सुनवाई हुई। हेमंत सोरेन की ओर से देश के वरिष्ठ एडवोकेट कपिल सिब्बल और हाईकोर्ट के सीनीयर एडवोकेट पीयूष चित्रेष ने बहस की थी। हेमंत को लैंड स्कैम के मामले में 31 जनवरी की रात को गिरफ्तार कर लिया गया था।

भावुक दिन : कल्पना : पूर्व सीएम की अनुपस्थिति में पार्टी का कामकाज देख रहीं उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने कहा कि आज का दिन बहुत भावुक करने वाला है। अपनी भावना व्यक्त करने के लिए उनके पास शब्दों की कमी है।

सुप्रीम कोर्ट जायेगी इडी : पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को हाईकोर्ट से मिली जमानत के खिलाफ ईडी अपील में जायेगी। हाईकोर्ट के फैसले की कॉपी मिलने के बाद ईडी मुख्यालय के स्तर पर इस फैसले की समीक्षा की जा रही है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में ईडी सुप्रीम कोर्ट में जमानत के फैसले के खिलाफ अपील करेगी।

आवाज दबाने की...

न्याय प्रक्रिया इतनी लंबी हो रही है कि दिन, महीने नहीं वर्षों लग रहे हैं। कहीं ना कहीं जो लोग पूरे सिदत के साथ अपने राज-समाज, देश के प्रति दातित्वों का निर्वहन कर रहे हैं उनमें बाधाएं डाली जा रही हैं।'

अपना संकल्प पूरा करूंगा

श्री सोरेन ने कह, आज फिर मैं जनता के बीच में हूं और जो लड़ाई हमने... और जो संकल्प लिया है उसे हर हाल में पूरा करूंगा। कानून का आदेश आपके सामने है। किन बातों को उसमें कहा गया है, उसे मैं अपनी जुबान से नहीं कहना चाहता। आप लोग इसकी समीक्षा करें।

200 यूनिट बिजली...

नागरिकों की मौत पर मुआवजे की गाइडलाइन : उग्रवादी या आतंकवादी हिंसा पर सामान्य नागरिकों की मौत होने पर उनके आश्रितों के अनुग्रह अनुदान और अनुकंपा नियुक्ति के संबंध में प्रस्तुत गाइडलाइन बनायी गयी। पुराने मामलों में भी इसके तहत निष्पादन किया जायेगा। बीआरपी और सीआरपी के संविदा कर्मियों के मासिक मानदेय के 17500 से बढ़कर 27500 बीआरपी के लिये किया गया। बीआरपी एंड ट्रेंड को 26000, सीआरपी प्रशिक्षित को 25500, सीआरपी एंड ट्रेंड को 23900 मिलेगा। मानदेय वृद्धि हर साल 3 प्रतिशत होगी।

अबुआ स्वास्थय योजना : मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य योजना शुरू की जायेगी। राज्य में अभी 33 लाख 44000 से अधिक लोगों को 5 लाख के बीमा कवर दिया जा रहा है। अब इसे बढ़ाकर 15 लाख रुपये तक कर दिया गया है। इसके लिए राशन कार्डधारी होना अनिवार्य है। मालूम हो कि आयुष्मान योजना से अलग से 5 लाख रुपये का बीमा अलग से मिल रहा है। इसका लाभ 28 लाख लोगों को दिया जा रहा है। राज्य में मुख्यमंत्री अस्पताल संचालन रखरखाव योजना शुरू होगी। स्वास्थ्य उपकेंद्र की रक्षों के लिए दो लाख प्रतिवर्ष प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के लिये 50 लाख सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के लिये 10 लाख रुपये दिये जायेंगे। जिला अस्पतालों के लिए भी राशि का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री अस्पताल रखरखाव योजना राशि उपलब्ध कराने के मद में झारखंड आकस्मिकता निधि से अग्रिम राशि एक अरब 16 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी गयी।

शोध कार्य राशि भी बढ़ी : विवि के छात्रों के शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए फेलोशिप दी जायेगी। पीएचडी में नामांकन लेनेवाले छात्रों को प्रतिमाह 25000 दर से राशि दी जायेगी। रिसर्च के लिये पेपर प्रस्तुति करने के लिए प्रोत्साहन राशि सिर्फ 500 यूनिवर्सिटी के रैंकिंग के आधार पर अगर किसी विद्यार्थी का फेलोशिप प्रकाशित होता है तो एक बार विदेश जाने के लिये 2,00,000 दिया जायेगा। टॉप यूनिवर्सिटी में अध्ययन के लिए स्कॉलरशिप राशि 100 फीसदी ट्यूशन फीस दी जायेगी। अधिकतम 6 लाख दिये जायेंगे। इसके लिए परिवार की सालाना में 8 लाख से नीचे होनी चाहिये।

नीट पेपर लीक ...

संजीब मुखिया के रिश्तेदारों का गैंग : पेपर लीक में आरोपी चिंटू और मुकेश तीन दिनों की सीबीआइ रिमांड पर हैं। रिमांड के दूसरे दिन सीबीआइ ने दोनों को साथ लेकर स्पॉट वेरिफिकेशन किया। दोनों से कड़ी पूछताछ जारी है। सूत्रों की मानें तो अभियुक्त रॉकी के नेपाल भाग जाने की आशंका है। सीबीआइ के लिए संजीव के साथ-साथ रॉकी इसलिए भी अहम कड़ी है, क्योंकि हजारीबाग में पेपर लीक से पहले भी हुए पेपर लीक में रॉकी के शामिल होने के सबूत मिले हैं। पेपर लीक का मास्टर माइंड माना जा रहा संजीव मुखिया ही इस पेपर लीक गैंग का भी मुखिया है। उसने अपने परिवार और रिश्तेदारों का एक पेपर लीक गिरोह खड़ा कर लिया है। संजीव मुखिया कभी कुख्यात परीक्षा माफिया रंजीत डॉन का कैशियर हुआ करता था। इस मामले जिस रॉकी के नेपाल में छिपे होने की खबर है वो संजीव मुखिया का भांजा है। जानकारी ये भी सामने आ रही है कि चिंटू और रॉकी आपस में जीजा-साले हैं। इतना ही नहीं बीपीएससी शिक्षक बहाली परीक्षा के पेपर लीक का आरोपी डॉक्टर शिव कुमार तो संजीव मुखिया का बेटा ही है। वह फिलहाल जेल में है। संजीव मुखिया का करीबी सिकंदर यादवेंदु भी इसी केस में जेल में है। साथ ही सिकंदर के साले की पत्नी और उसका बेटा भी कानून की गिरफ्त में हैं। बिहार पुलिस की इयूओ जिस सिपाही भर्ती पेपर लीक और बीपीएससी शिक्षक भर्ती पेपर लीक की जांच कर रही है, उनके भी तार संजीव मुखिया गैंग से ही जुड़े हुए हैं। सिपाही भर्ती परीक्षा हो या बीपीएससी शिक्षक भर्ती परीक्षा या फिर नीट सभी के पेपर लीक में नातेदारों-रिश्तेदारों वाले गिरोह का ही हाथ है।

स्पीड न्यूज

विक्रम मिसरी होंगे नये विदेश सचिव

नयी दिल्ली। भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी और उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार विक्रम मिसरी भारत के नये विदेश सचिव होंगे। उनकी नियुक्ति 15 जुलाई से अमल में आएगी और वह विनय मोहन क्वात्रा का स्थान लेंगे। सरकारी विज्ञप्ति में शुक्रवार को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति के इस फैसले की जानकारी दी गई है। विक्रम मिसरी पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल और मनमोहन सिंह तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निजी सचिव रह चुके हैं। वह चीन में भारत के राजदूत भी थे। जनवरी 2022 में वह उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किये गये थे।

कर्नाटक में ट्रक से टकरायी वैन 13 मरे

हावेरी । कर्नाटक में हावेरी जिले के गुंडेनहल्ली में शुक्रवार तड़के एक वैन के खड़ी ट्रक से टकरा जाने से 13 लोगों की मौत हो गयी और चार अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों के मुताबिक घटना करीब 03 :45 बजे उस समय हुई , जब एक वैन राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के किनारे खड़ी एक ट्रक से टकरा गयी। दुर्घटना में वैन में सवार 17 यात्रियों में से 11 की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

लोकसभा ने दी पूर्व सदस्यों को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को 13 पूर्व सदस्यों के निधन की सूचना दी और सदन ने मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री बिरला ने सदन की कार्यवाही शुरू होते ही सदस्यों को कुछ पूर्व सदस्यों के निधन की सूचना दी। उन्होंने इस दौरान इन सदस्यों के कार्यकाल और कार्यों की भी जानकारी दी।

रास में सांसद फूलो देवी की बिगड़ी तबीयत

नयी दिल्ली। कांग्रेस पार्टी की राज्यसभा सांसद फूलो देवी नेताम की शुक्रवार को सदन में अचानक तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। सदन में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पेश किए जाने के दौरान कांग्रेस सहित विपक्षी सदस्य नीट मामले पर सदन में चर्चा कराने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तभी नेताम की तबीयत बिगड़ गई। उनको चक्कर आ गया।

रास का उपसभापति पैनल हुआ पुर्नगठित

नयी दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को सदन के 264 वें सत्र के लिए उपसभापति पैनल को पुर्नगठित करने की घोषणा की। धनखड़ ने बताया कि एनसीपी की फौजिया खान, बीजद के सुजीत कुमार, टीएमसी के सुखेंदु शेखर राय, भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी, कांग्रेस की रजनी पाटीदार, भाजपा की सोनल मानसिंह और मेधा कुलकर्णी पैनल में शामिल हैं।

मानसून की पहली ही बारिश में दिल्ली बनी दरिया, कई उड़ानें और ट्रेनें रद्द

एजेंसी

- **इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 की छत ढही, एक की मौत व 6 घायल**
- **सुबह दफ्तर जाने वाले लोग घंटों जाम में फंसे**
- **कांग्रेस सांसद शशि थरूर और सपा सांसद रामगोपाल गोपाल के घरों में घूसा पानी**

नयी दिल्ली। राजधानी में शुक्रवार को सुबह मानसून की पहली बारिश ने ही दिल्ली सरकार और अन्य एजेंसियों की पोल खोल कर रख दी। 40 से 50 किमी प्रति घंटा की स्पीड से तेज हवा के साथ मानसून की पहली तेज बारिश ने दिल्ली को पानी पानी कर दिया। बारिश से लोगों को गर्मी से राहत जरूर मिली लेकिन जगह जगह जलजमाव ने लोगों की मुश्किलें भी बढ़ा दीं। सुबह दफ्तर जाने वाले लोग घंटों जाम में फंसे रहे। दिल्ली की प्रमुख सड़कें पानी से लबालब थीं। सुबह से ही आईटीओ समेत दिल्ली में कई जगहों पर जाम लगा रहा। हमेशा की तरह इस बार भी मानसून की पहली बरसात में ही मिंटो ब्रिज पर पहले जैसे ही खौफनाक नजारा दिखा। वहां एक ट्रक फंस गया। कमोबेश यही नजारा द्वारका, कापसहेड़ा, प्रगति मैदान और अन्य कई अंडरपास में देखने को मिला। तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण हवाई अड्डा टर्मिनल 1 की छत टूटने के कारण बड़ा हादसा हुआ। इस हादसे की चपेट में एक टैक्सी आ गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए।

इस घटना के कारण टर्मिनल-1 से उड़ानें दो बजे तक निलंबित करनी पड़ीं। इंडिगो एयरलाइंस ने टर्मिनल 1 से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दीं।

स्पाइसजेट ने भी अपनी उड़ानें रद्द कर दीं। खराब मौसम के कारण इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 28 फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ीं। देश के अलग-अलग हिस्सों से दिल्ली आने वाली कई ट्रेनें देरी से पहुंचीं। जलभराव के कारण सुबह हजरत निजामुद्दीन और सफदरजंग रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पहली बरसात में ही सफदरजंग में 228 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। आम लोगों के साथ खास लोगों के घरों में भी पानी घुस गया। कांग्रेस के सांसद शशि थरूर और सपा सांसद रामगोपाल गोपाल के घरों में पानी भर गया। दिल्ली की मंत्री आतिशी के घर में भी पानी घुस गया। बारिश के पानी से स्कूल, कालेज यहां तक कि एम्स के अस्पताल के आसपास पानी भर गया। यमुना पार गुरुतेग बहादुर अस्पताल (शाहदरा) के ब्लड बैंक में भी पानी भर गया। दिल्ली विश्वविद्यालय की कुछ कक्षों के छतों से पानी झरने की तरह बहता नजर आया। दिल्ली सरकार, एनडीएमसी, दिल्ली नगर निगम के सारे दावे पहली बरसात ने धो कर रख दिए।

वसंत कुंज, ग्रेटर कैलाश, न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी, साकेत और मालवीय नगर सहित दक्षिणी दिल्ली के वीआईपी आवासीय इलाकों और सड़कों पर जलभराव दिखा। इसके साथ सराय काले खां, जंगपुरा, वजीरपुर, अशोक विहार, लक्ष्मी नगर, दक्षिणपुरी और पश्चिम विहार समेत कॉलोनियों और शहरी गांवों में जलभराव देखने को मिला। पूरे बाहरी रिंग रोड खंड, पीरागढ़ी गोल चक्कर और धौला कुआं पर बाढ़ जैसे हालात थे। गाजीपुर बॉर्डर, मुर्गा मंडी और धौला कुआं में अंडरपास के पास जलभराव के साथ मिंटो ब्रिज, तिलक ब्रिज, बादली, मूलचंद, आजादपुर, जखीरा, अशोक नगर अंडरपास और प्रगति मैदान सुरंग में बाढ़ जैसे हालात थे। आईटीओ की मुख्य सड़कों पर सुबह 9 बजे तक घुटनों तक पानी भरा रहा। रोहिणी के सेक्टर 13 में सड़क धंस गई और खड़ी कार खाई में गिर गई। तिमारपुर में निमार्णाधीन सड़क पर एक कार गड्ढे में गिर गई। भारी बारिश के कारण यशोभूमि द्वारका सेक्टर-25 मेट्रो स्टेशन पर कुछ समय के लिए एंट्री-एग्जिट बंद करना पड़ा।

हंगामा कर रहे सांसदों को स्पीकर ने दी नसीहत

सड़क व संसद का अंतर समझे विपक्ष

एजेंसी

- **संसदीय व्यवस्था और परंपरा के अनुसार राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद केवल धन्यवाद प्रस्ताव पर ही चर्चा हो सकती है : बिरला**

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को संसद की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित करने से पूर्व हंगामा कर रहे राजनीतिक दलों को कड़ी नसीहत दी। इसके साथ ही उन्होंने हंगामा और नारेबाजी कर रहे विपक्षी दलों के सदस्यों से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में मदद करने का भी अनुरोध किया। ओम बिरला ने हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों से कहा कि आप अपनी जो भी बात रखना चाहते हैं, उसके लिए आपको अवसर दिया जाएगा। पर यहां साफ दिख रहा है कि आप योजनाबद्ध तरीके में संसद की कार्यवाही को चलने नहीं देना चाहते हैं। अध्यक्ष ने कहा कि चुनावों के बाद यह संसद का पहला सत्र है। जनता ने आपको इसलिए चुनकर भेजा है ताकि आपकी उनकी बात यहां रख सकें लेकिन आप जिस तरह से प्रदर्शन कर रहे हैं, उससे लगता है कि आप सड़क और संसद के बीच का अंतर नहीं

समझते हैं। ओम बिरला ने कहा कि संसदीय व्यवस्था और परंपरा के अनुसार राष्ट्रपति के अभिभाषण के बाद केवल उस पर धन्यवाद प्रस्ताव पर ही चर्चा हो सकती है। राष्ट्रपति ने अभिभाषण में नीट परीक्षा का मुद्दा भी उठाया था। आप चर्चा में भाग लेकर उस पर अपनी बात रख सकते हैं।

मोदी-पुतिन के बीच होगी शिखर वार्ता

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को पुष्टि की कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच शिखर वार्ता की तैयारी की जा रही है। हालांकि शिखर वार्ता की तिथि अभी घोषित नहीं की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत और रूस के बीच शिखर वार्ता का आयोजन एक नियमित प्रक्रिया है। अब तक 21 बार शिखर वार्ता हो चुकी है। प्रवक्ता ने कहा कि कजाकिस्तान की राजधानी अस्ताना में आयोजित होने वाली संघाई सहयोग संगठन की शिखर वार्ता में विदेश मंत्री एस जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह शिखर वार्ता 3 और 4 जुलाई को आयोजित होगी। मोदी और पुतिन की शिखर वार्ता के आयोजन की पुष्टि रूस के राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से भी की जा चुकी है। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार दोनों नेताओं के बीच आठ जुलाई को शिखर वार्ता होगी।

सरकार नीट पर चर्चा के लिए तैयार : प्रधान

- **केंद्रीय शिक्षा मंत्री बोले-दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जायेगी सीबीआइ ने शुरू कर दी है जांच**

नयी दिल्ली। संसद में विपक्षी सांसदों के राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को कहा कि सरकार नीट पर चर्चा के लिए तैयार है लेकिन सब कुछ परंपरा और मर्यादा के भीतर होना चाहिए। प्रधान ने संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जब गुरुवार राष्ट्रपति ने स्वयं अपने भाषण में परीक्षा के बारे में बात की तो इससे सरकार की मंशा का पता चलता है कि हम किसी भी मुद्दे का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी देश के युवाओं और देश के छात्रों के प्रति है। सरकार अपना पक्ष रखने के लिए तैयार है, फिर भ्रम क्या है? उन्होंने कहा कि नीट मामले के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। सीबीआई ने जांच

शुरू कर दी है। किसी को नहीं बख्शा जाएगा। सीबीआई ने नीट पेपर लीक से जुड़े आरोपितों की गिरफ्तारी भी शुरू कर दी है। सरकार किसी को छोड़ने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि एनटीए में सुधार के लिए एक विश्वसनीय उच्च स्तरीय समिति भी बनाई गई है, जल्द ही उन सभी परीक्षाओं की तारीख भी घोषित की जाएगी। मैं विपक्ष से भी अनुरोध करता हूं कि वे राजनीति से बाहर आएं और चर्चा में शामिल हों।

एयरटेल ने भी बढ़ाया टैरिफ, तीन जुलाई से लागू होंगी नयी दरें

नयी दिल्ली। निजी क्षेत्र की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार सर्विस प्रदाता कंपनी भारती एयरटेल ने मोबाइल सेवाओं की टैरिफ दरों में इजाफा करने का ऐलान किया है। रिलायंस जियो के बाद एयरटेल भी अपने मोबाइल टैरिफ में 10 से 21 फीसदी तक बढ़ोतरी करेगी। नई दरें 3 जुलाई से लागू होंगी।

एयरटेल ने शुक्रवार को कहा है कि वह 3 जुलाई, 2024 से मोबाइल टैरिफ में संशोधन करेगी। कंपनी ने कहा कि असीमित वॉयस प्लान की दरों में लगभग 11 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। एयरटेल के मुताबिक अब ये दरें 179 रुपये से बढ़ाकर 199 रुपये, 455 रुपये से बढ़ाकर 509 रुपये और 1,799 रुपये से बढ़ाकर 1,999 रुपये कर दी गई हैं। इसके अलावा दैनिक ह्यडेटा प्लानह्ल श्रेणी को 479 रुपये से बढ़ाकर 579 रुपये कर दिया गया है, जो 20.8 फीसदी की वृद्धि है।

टीवी अभिनेत्री हिना खान को स्तन कैंसर

एजेंसी

- **प्रशंसकों को दिया आश्वासन इस गंभीर बीमारी से जंग जीतकर फिर से पहले की तरह जिंदगी जीयेंगी**

नयी दिल्ली। लोकप्रिय अभिनेत्री और टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता है कि खूबसूरत अदाकारा हिना खान ने तीसरी स्टेज के स्तन कैंसर से पीड़ित होने की पुष्टि की है। छत्तीस वर्षीय हिना इतनी गंभीर बीमारी का शिकार हो गईं, इसका खुलासा उन्होंने इंस्टाग्राम पर किया है। पोस्ट में उन्होंने अपने फैंस से उनके जल्दी ठीक होने के लिए प्रार्थना करने की बात कही है। हिना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने प्रशंसकों को संबोधित करते हुए संदेश जारी किया, जिसमें उन्होंने अपने सभी समर्थकों के साथ इस गंभीर बीमारी से पीड़ित होने की बात को साझा किया और इस गंभीर बीमारी का सामना करने के अपने दृढ़ संकल्प पर जोर दिया। सुश्री खान ने अपने प्रशंसकों को आश्वासन दिया कि वह इस गंभीर बीमारी से जंग जीतकर फिर से

पहले की तरह जिंदगी जीयेंगी, जिसके लिए वह दृढ़ संकल्प है। उन्होंने पुष्टि की कि उनका इलाज शुरू हो चुका है और उन्होंने इस लड़ाई में और भी मजबूत होकर उभरने की अपनी अटूट प्रतिबद्धता व्यक्त की।

हैदराबाद : कारखाने में धमाका, 6 लोगों की मौत व 15 घायल

हैदराबाद। रंगारेड्डी जिले के शादनगर की साउथ ग्लास फैक्टरी में शुक्रवार को कंप्रेसर फटने से 6 लोगों की मौत हो गई और 15 लोग घायल हो गए। इसकी आधिकारिक पुष्टि कुछ देर पहले हुई है। पुलिस और दमकलकर्मी मौके पर आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। कांच फैक्टरी में कंप्रेशर फटने से हुए भीषण विस्फोट में 6 लोगों की मौत हो गई और करीब 15 लोग घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायलों को बेहतर इलाज के लिए उस्मानिया और गांधी अस्पताल ले जाया गया है। मृतकों में अधिकतर ओडिशा, बिहार और उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे जानकारी के अनुसार विस्फोट के समय 150 से अधिक मजदूर फैक्टरी में मौजूद थे। कांच उद्योग होने के कारण शवों में कांच के टुकड़े पाए गए। घायलों में कई लोगों की हालत गंभीर है जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने का अंदेशा है।

मार्केट कैप में सबसे आगे भारतीय शेयर बाजार

एजेंसी

पहली तिमाही में 13.8 प्रतिशत का इजाफा

- **लगातार पांचवी तिमाही में मार्केट कैप में हुई बढ़ोतरी**
- **डॉलर के अलावा अन्य वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले रुपया काफी मजबूत हुआ**
- **भारतीय कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5.03 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हुआ**

नयी दिल्ली। बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के मामले में भारतीय शेयर बाजार मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान दुनिया भर के सभी स्टॉक मार्केट से आगे निकल गया है। अप्रैल से जून की तिमाही के दौरान भारतीय कंपनियों का मार्केट कैप 13.8 प्रतिशत बढ़ गया है। भारतीय कंपनियों के मार्केट कैप में लगातार पांचवीं तिमाही के दौरान बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ब्लूमबर्ग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक शेयर बाजार में लिस्टेड भारतीय कंपनियों का कुल मार्केट कैपीटलाइजेशन फिलहाल 5.03 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। हालांकि मार्केट कैप के मामले में भारतीय शेयर बाजार का स्थान अभी भी दुनिया में पांचवें नंबर पर है। मार्केट कैपीटलाइजेशन के मामले में सबसे आगे फिलहाल अमेरिकी इक्विटी मार्केट है, जिसकी टोटल मार्केट वैल्यू फिलहाल 56.84 ट्रिलियन डॉलर है। लेकिन अमेरिकी इक्विटी मार्केट में लिस्टेड कंपनियों के टोटल मार्केट कैपीटलाइजेशन में अप्रैल से जून की तिमाही के दौरान सिर्फ 2.75 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के मुताबिक दुनिया के दूसरे सबसे बड़े इक्विटी मार्केट चीन (8.6 ट्रिलियन डॉलर) में कंपनियों का टोटल मार्केट कैप अप्रैल से जून की तिमाही के दौरान 5.6 प्रतिशत कम हो गया है। चीन के मार्केट कैप में लगातार पांचवीं तिमाही में गिरावट दर्ज की गई है। इसी तरह जापान के शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप अप्रैल से जून की तिमाही के दौरान 6.24 प्रतिशत की कमी के साथ 6.31 ट्रिलियन डॉलर रह गया है। मार्केट कैप के मामले में चौथे स्थान पर काबिज हांगकांग के शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप पहली तिमाही के दौरान 7.3 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5.15 ट्रिलियन डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा ब्रिटेन के शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनियों के मार्केट कैप में 3.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फ्रांस के शेयर बाजार का मार्केट कैप 7.63 प्रतिशत बढ़ा है। कनाडा के मार्केट कैप में 2.7 प्रतिशत और सऊदी अरब के मार्केट कैप में 8.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

रिलायंस का मार्केट कैप 21 लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) 21 लाख करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है। जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के टैरिफ दरों में 25 फीसदी तक महंगे करने की घोषणा के बाद शुक्रवार को रिलायंस का शेयर करीब 2 फीसदी चढ़ कर रिकॉर्ड 3,129 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद कंपनी का मार्केट कैप बढ़ कर 20 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर भाव 2 फीसदी की तेजी के साथ 3129 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जो 52 हफ्ते का नया उच्चतम स्तर है।